- बिहार चुनाव : एनडीए के खेमे में जीत का जश्न महागठबंधन में छाया सन्नाटा - 12

- थोक मुद्रास्फीति अक्टूबर में 1.21 प्रतिशत गिरकर 27 माह के निचले स्तर पर - 12

- भारत विश्व व्यापार संगठन में सुधार प्रक्रिया का करें नेतृत्व : डॉ. नगोजी - 13

- वैभव सूर्यवंशी दूसरा सबसे तेज टी20 शतक जड़ने वाले भारतीय बल्लेबाज बने - 14

आज का मौसम
21.0° अधिकतम तापमान
12.0° न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 06.36
सूर्यास्त 05.17

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

हल्द्वानी

www.amritvichar.com
2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष एकादशी 02:37 उपरांत द्वादशी विक्रम संवत 2082
शनिवार, 15 नवंबर 2025, वर्ष 5, अंक 265, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

बिहार में राजग की डबल सेंचुरी

राजग (202)	
पार्टी	जीते
भाजपा	89
जेडीयू	85
लोजपा	19
अन्य	9

महागठबंधन (33)	
पार्टी	जीते
राजद	24
कांग्रेस	6
वामदल	3
अन्य	0

राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन को प्रचंड बहुमत, महागठबंधन का सूपड़ा साफ

सर्वाधिक सीटों के साथ भाजपा बनी सबसे बड़ी पार्टी, पटना से लेकर दिल्ली तक जीत का जश्न

पटना, एजेंसी

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) ने शुक्रवार को बिहार विधानसभा में दो-तिहाई बहुमत हासिल कर 202 सीटें जीतकर डबल सेंचुरी मार दी है। निर्वाचन आयोग के मुताबिक, गठबंधन ने 243 में से 202 सीटें जीती हैं। भाजपा 89 सीट जीतकर सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी है। उसकी सहयोगी जनता दल यूनाइटेड (जदयू) ने 85 सीट जीती हैं।

समाचार लिखे जाने तक लोजपा (राम विलास) ने 19 सीट जीत ली थी। हम (से) ने 5 सीट जीती हैं जबकि राष्ट्रीय लोक मोर्चा ने चार सीट जीती हैं। राजग खेमे के प्रमुख विजेताओं में उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, मंत्री प्रेम कुमार, महेश्वर हजारी, संजय सरावगी और भाजपा की मैथिली ठाकुर शामिल हैं। विपक्षी खेमे से राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता और 'इंडिया' गठबंधन के मुख्यमंत्री पद के चेहरे तेजस्वी यादव, दिवंगत मोहम्मद शहाबुद्दीन के पुत्र ओसामा शहाब और भाकपा (माले) लिबरेशन के संदीप सौरव प्रमुख विजेताओं में रहे। इंडिया गठबंधन का प्रदर्शन बेहद खराब रहा और अब तक वह केवल 33 सीट ही जीत सका है। राजद ने 24 सीट और कांग्रेस ने 6 सीट जीती हैं वामदलों ने तीन सीटें जीती हैं। वहीं, हैदराबाद के सांसद असदुद्दीन ओवैसी के नेतृत्व वाली एआईएमआईएम ने पांच सीट पर जीत दर्ज की है। बसपा ने एक सीट जीती। राजग की जीत के साथ पटना से लेकर दिल्ली का जश्न मनाया गया।

जनता ने हम पर विश्वास जताया बिहार विकसित राज्यों में शामिल होगा

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री और जदयू के अध्यक्ष नीतीश कुमार ने प्रचंड जीत पर कहा कि जनता ने उनकी सरकार के प्रति विश्वास जताया है। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी, राजग के घटक दलों के प्रमुख नेताओं का धन्यवाद भी किया और कहा कि बिहार देश के सबसे ज्यादा विकसित राज्यों की श्रेणी में शामिल होगा। उन्होंने कहा, राज्य के सभी सम्मानित मतदाताओं को मेरा नमन, हृदय से आभार एवं धन्यवाद।

गायिका मैथिली ठाकुर ने महज 25 साल तीन महीने 20 दिन की उम्र में चुनाव जीतकर देश में सबसे कम उम्र में विधायक चुने जाने का रिकॉर्ड कायम किया

उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने तारापुर सीट पर राजद के अरुण कुमार को 45843 वोटों से हराकर जीत हासिल की

राजद नेता तेजस्वी ने राघोपुर सीट से जीत दर्ज की, भाजपा प्रत्याशी सतीश को 14532 वोट से हराया

बिहार के लोगों ने गर्दा उड़ा दिया

नई दिल्ली, एजेंसी

बिहार विधानसभा चुनाव में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की भारी जीत की सराहना करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि इस जीत ने एक नया 'एमवाई - महिला और यूथ' फॉर्मूला दिया है और जनता ने जंगलराज वालों के सांप्रदायिक एमवाई फॉर्मूले को खारिज कर दिया है। उन्होंने कहा, बिहार की जनता ने इस भारी जीत और अपने अटूट विश्वास के साथ राज्य में गर्दा उड़ा दिया। मोदी ने यहां भाजपा मुख्यालय में पार्टी कार्यकर्ताओं और समर्थकों को संबोधित करते हुए कहा कि बिहार वह धरती है जिसने भारत को लोकतंत्र की जननी होने का गौरव दिया और आज इसी धरती ने यह सुनिश्चित किया कि लोकतंत्र पर हमला करने वाले लोगों को धूल चटायी जाए। मोदी ने कहा, बिहार ने एक बार फिर दिखा दिया है कि झूठ की हार हुई है और लोगों का विश्वास जीता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि इस जीत से निर्वाचन आयोग में लोगों का विश्वास मजबूत हुआ है। उन्होंने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व की भी सराहना की और चुनावी जीत के लिए राजग सहयोगियों को बधाई दी। उन्होंने कहा, बिहार की जनता ने इस भारी जीत और अपने अटूट विश्वास के साथ राज्य में गर्दा उड़ा दिया। राजद के मुस्लिम-यादव समर्थन आधार का स्पष्ट संदर्भ देते हुए मोदी ने कहा कि बिहार में कुछ पार्टियों ने 'एमवाई फार्मूला' तैयार किया था, लेकिन आज की जीत ने एक नया सकारात्मक एमवाई - महिला और यूथ फार्मूला दिया है। मोदी ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा, आज बिहार उन राज्यों में से एक है जहां युवा आबादी अधिक है और ये युवा सभी धर्मों और जातियों से हैं।

मोदी बोले-राजग की जीत ने जंगलराज वालों के सांप्रदायिक फॉर्मूले को किया ध्वस्त

भाजपा मुख्यालय में राजग की जीत पर गमछा लहराते हुए प्रधानमंत्री।

ब्रीफ न्यूज

मशहूर अभिनेत्री कामिनी कौशल का निधन

मुंबई। वर्ष 1946 में 'नीचा नगर' से अपने फिल्मी करियर की शुरुआत करने वाली हिंदी सिनेमा की शुरुआती अभिनेत्रियों में से एक मशहूर अदाकारा कामिनी कौशल का उनके मुंबई स्थित आवास में निधन हो गया। वह 98 वर्ष की थीं।

कामिनी कौशल ने 2022 तक कई फिल्मों में अभिनय किया। कभी इंडस्ट्री में सबसे अधिक फीस लेने वाली अभिनेत्रियों में से एक कामिनी ने दिलीप कुमार, देव आनंद और राज कपूर की तिकड़ी के साथ अभिनय किया। उन्होंने 95 वर्ष की आयु में आमिर खान की 2022 में आई फिल्म 'लाल सिंह चड्ढा' में काम किया था।

ईडी के समन पर पेश नहीं हुए अनिल अंबानी

नई दिल्ली। रिलायंस समूह के चेयरमैन अनिल अंबानी फेमा के उल्लंघन के मामले में ईडी के समन पर पेश नहीं हुए। एजेंसी ने 17 नवंबर के लिए नया नोटिस जारी किया है। इस पर अनिल अंबानी ने ईडी के समक्ष 'डिजिटल माध्यम' से हाजिर होने की पेशकश की। रिलायंस कंपनी के एक प्रवक्ता की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि उन्होंने संघीय जांच एजेंसी को पत्र लिखकर जांच में पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया है।

करोड़ों ठग कर भागा गैंगेस्टर जगदीश दुबई से गिरफ्तार

संवाददाता, देहरादून

- एनसीबी अबुधाबी की मदद से उत्तराखंड सीबीसीआईडी को मिली सफलता
- पिछले चार वर्षों से जगदीश की तलाश कर रही थी पिथौरागढ़ पुलिस

अमृत विचार : पिछले चार वर्षों से पुलिस की आंखों में धूल झोंककर फरार चल रहा गैंगेस्टर जगदीश पुनेठा आखिरकार पुलिस के हत्थे चढ़ ही गया। जालसाजी से करोड़ों की रकम और चल-अचल संपत्ति जुटाने वाला गैंगेस्टर जगदीश दुबई में दुबका बैठा था। उत्तराखंड सीबीसीआईडी ने गुरुवार को आरोपी को एनसीबी अबुधाबी की मदद से दुबई से गिरफ्तार कर लिया और भारत ले आए। आरोपी को पिथौरागढ़ न्यायालय में पेश किया गया।

पुलिस के अनुसार, इस मामले में वादी पिथौरागढ़ निवासी लीलाधर पाटनी ने सिलपाटा पिथौरागढ़ निवासी जगदीश पुनेठा, ललित पुनेठा, चन्द्र प्रकाश पुनेठा और झारखंड निवासी पंकज शर्मा के खिलाफ निर्मल बंग कमोडिटी में निवेश का झांसा देकर 8 लाख रुपये की धोखाधड़ी का मुकदमा वर्ष 2021 में कोतवाली पिथौरागढ़ में दर्ज कराया था।

पुलिस ने ललित पुनेठा और पंकज शर्मा को गिरफ्तार किया था और लगातार फरार जगदीश के खिलाफ कुर्की की कार्यवाही की थी। वर्ष 2022 में जगदीश पर 50 हज़ार रुपये का इनाम घोषित किया गया। सीबीसीआईडी सेक्टर हल्द्वानी के निरीक्षक प्रताप सिंह नेगी की जांच में सामने आया कि जगदीश और उसके गैंग ने 15.17 करोड़ से ज़्यादा की धोखाधड़ी की तथा 2.22 करोड़ से ज्यादा की चल-अचल संपत्ति अर्जित की। जगदीश पुनेठा के खिलाफ शेयर बाजार, निर्मल बंग कमोडिटी, रॉयल पैन्थर प्रा. लि., मात्रछाया आभूषण प्रा. लि. आदि में निवेश कराने के नाम पर अनेक लोगों से धोखाधड़ी के मामले थाना पिथौरागढ़ और थाना जाजरदेवल में दर्ज हैं।

इस बीच पुलिस को पता लगा कि जगदीश दुबई में छिपा है। सीबीसीआईडी ने सीबीआई के जरिये इंटरपोल से संपर्क किया और रेड कॉर्नर नोटिस जारी कराया। इसी आधार पर सीबीसीआईजी के अपर पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार ठाकुर, कोतवाली पिथौरागढ़ के प्रभारी निरीक्षक ललित मोहन जोशी और एएनटीएफ के निरीक्षक सतीश कुमार शर्मा को 10 नवंबर को दुबई भेजा गया। 13 नवंबर को एनसीबी अबुधाबी की मदद से जगदीश पुनेठा पुत्र चंद्र प्रकाश पुनेठा को गिरफ्तार कर भारत लाया गया।

मेलों-त्योहारों में बसती है उत्तराखंड की आत्मा

सीएम धामी ने किया भारत-नेपाल सीमा पर ऐतिहासिक जौलजीबी मेले का शुभारंभ, की घोषणाएं

संवाददाता, पिथौरागढ़

अमृत विचार: मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को जौलजीबी, पिथौरागढ़ में भारत-नेपाल सीमा पर काली और गोरी नदी के संगम पर आयोजित होने वाले ऐतिहासिक जौलजीबी मेले का शुभारंभ किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने विभिन्न घोषणाएं की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह मेला सदियों से भारत और नेपाल की सांस्कृतिक, आर्थिक और पारंपरिक मित्रता का प्रतीक है। जौलजीबी मेला केवल आयोजन नहीं, भारत–नेपाल की पारंपरिक मित्रता और आर्थिक-सामाजिक एकरूपता का प्रतिबिंब है। वे स्वयं भी बचपन में इस मेले में आते थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत नेपाल की मित्रता और अधिक सुदृढ़ हुई है। प्रधानमंत्री मोदी ने उत्तराखंड की रजत जयंती के अवसर पर कहा था कि उत्तराखंड की आत्मा उसके मेलों और त्योहारों में बसती है और उन्होंने आह्वान किया कि राज्य में एक जिला-एक मेला कार्यक्रम प्रारंभ किया जाए जिसमें जिले के एक प्रमुख मेले को विशेष सहयोग दिया जाएगा जिससे उस मेले के सांस्कृतिक और आर्थिक महत्व को बल मिलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि, राज्य सरकार विभिन्न परियोजनाओं के माध्यम से पिथौरागढ़ जनपद सहित इस क्षेत्र के समग्र विकास को सुनिश्चित करने हेतु पूर्ण प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। आज पिथौरागढ़ में साढ़े सात सौ करोड़ रुपये से अधिक की लागत से मेडिकल कॉलेज का निर्माण किया जा रहा है। 34 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से स्पोर्ट्स कॉलेज में आधुनिक मल्टीपर्पज हॉल का निर्माण कार्य भी कराया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि विकासखंड बेरीनाग में शीघ्र ही लगभग 28 करोड़ रुपये की लागत से एक भव्य स्टेडियम का निर्माण कार्य भी प्रारंभ होने जा रहा है। पिथौरागढ़ मेडिकल कॉलेज में लगभग 21 करोड़ रुपये की लागत से 50 बेड के क्रिटिकल केयर ब्लॉक का भी निर्माण करा रहे हैं। जिले में 25 करोड़ रुपये की लागत से अस्कोट, गंगोलीहाट और धारचूला में नए बस स्टेशनों के निर्माण के साथ ही, पिथौरागढ़ में रोडवेज वर्कशॉप का निर्माण कार्य भी कराया जा रहा है।

जौलजीबी मेले के शुभारंभ पर मुख्यमंत्री धामी का अभिनंदन करती स्थानीय जनता।

नैनी सैनी एयरपोर्ट का विस्तारीकरण तेज

मुख्यमंत्री ने कहा कि क्षेत्र में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत 327 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से विभिन्न सड़कों का निर्माण कार्य भी गतिमान है। पिथौरागढ़ में कनेक्टिविटी को बढ़ावा देने के लिए नैनी सैनी एयरपोर्ट के विस्तारीकरण का कार्य तेज गति से आगे चल रहा है जिसके लिए 450 करोड़ रुपये स्वीकृत किए जा चुके हैं और भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया भी गतिमान है।

रोजगार के अवसर बढ़ रहे

राज्य सरकार, रोजगार एवं स्वरोजगार के माध्यम से युवाओं को आगे बढ़ा रही है। प्रदेश में आज रोजगार के अवसर बढ़ रहे हैं। अब प्रदेश में सरकारी भर्तियां पारदर्शी तरीके से हो रहीं हैं। जो प्रदेश के युवा प्रतिभा और परिश्रम के आधार पर सरकारी नौकरियां प्राप्त कर रहे हैं।सीएम ने इससे पहले राष्ट्रीय एकता पद यात्रा में प्रतिभाग किया।

दिल्ली विस्फोट में शामिल आतंकी डॉ. उमर का पुलवामा स्थित मकान ध्वस्त

श्रीनगर, एजेंसी

- नियंत्रित विस्फोट के जरिए किया ध्वस्तीकरण, जम्मू कश्मीर पुलिस ने की कार्रवाई

दिल्ली में लाल किला विस्फोट मामले के आरोपी डॉ. उमर नबी के दक्षिण कश्मीर के पुलवामा जिले में स्थित घर को प्रशासन ने ध्वस्त कर दिया है। नियंत्रित विस्फोट के जरिए इमारत को ध्वस्त किया गया।

स्थानीय लोगों ने बताया कि सुरक्षा बलों ने इलाके को सील कर दिया था और तोड़फोड़ से पहले निवासियों को घर खाली करने को कहा गया था।

जांचकर्ताओं ने खुलासा किया है कि डॉ. उमर ने ही सोमवार शाम लाल किले के पास हुए विस्फोट वाली कार पार्क की थी जिसमें कई लोगों की जान चली गई थीं। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने इस तोड़फोड़ पर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है, लेकिन शीर्ष अधिकारियों ने कहा है कि इस तरह की कार्रवाई का उद्देश्य स्थानीय युवाओं को आतंकवादी समूहों में शामिल होने से हतोत्साहित करना है। उनके अनुसार इस कदम का उद्देश्य यह कड़ा संदेश देना है कि आतंकवादी गतिविधियों में शामिल होने के गंभीर परिणाम होते हैं। इसमें किसी को बख्शा नहीं जायेगा।

हरियाणा के दो डॉक्टर हिरासत में

चंडीगढ़। लाल किले के पास हुए कार बम धमाके मामले में जांच एजेंसियों ने हरियाणा के नूंह जिले से दो डॉक्टरों को हिरासत में लिया है। साथ ही अल-फलाह यूनिवर्सिटी की जमीन और प्रशासनिक रिकॉर्ड की विस्तृत पड़ताल भी शुरू कर दी गई है। जांच से जुड़े अधिकारियों के मुताबिक दोनों युवक हाल ही में यूनिवर्सिटी के मेडिकल विंग से जुड़े थे। उनके मोबाइल फोन से मिले कुछ डेटा में संदिग्ध बातचीत के संकेत मिलने के बाद उन्हें पूछताछ के लिए बुलाया गया। बरामद डिजिटल सामग्री की अभी तकनीकी जांच जारी है।

संरक्षण | डिजिटल व्यक्तिगत-डेटा संरक्षण अधिनियम 2023 पारित होने के दो साल बाद किया गया अधिसूचित

अब आपका व्यक्तिगत डिजिटल डेटा होगा सुरक्षित, कानून लागू

नई दिल्ली, एजेंसी

- नियमावली जारी, चार सदस्यीय डिजिटल व्यक्तिगत डाटा संरक्षण बोर्ड का गठन

केंद्र सरकार ने लोगों के डिजिटलीकृत सूचनाओं के संरक्षण और उपयोग को विनियमित करने वाले डिजिटल व्यक्तिगत-डेटा संरक्षण (डीपीडीपी) अधिनियम 2023 को इसके पारित होने के दो साल बाद शुक्रवार को अधिसूचित करते हुए लागू कर दिया। इलेक्ट्रानिक्स एवं सूचना प्रसारण मंत्रालय ने इसे लागू करने के लिए संबंधित नियमावली जारी कर दी। साथ ही, चार सदस्यीय डिजिटल व्यक्तिगत डाटा संरक्षण बोर्ड (डीपीबी) का गठन कर दिया गया।

लंबी बहस के बाद देश में पहली बार डिजिटल गोपनीयता कानून लागू किया गया है। इस अधिनियम में व्यक्ति को अपने निजी डिजिटलीकृत डेटा की सुरक्षा का अधिकार देने के साथ-साथ ऐसे डाटा का वैध उद्देश्यों के लिए

प्रसंस्करण किये जाने को भी काननी मान्यता दी गई है। नये नियमों के तहत कंपनियों और अन्य हितधारकों को अधिनियम के तहत प्रशासनिक दिशा-निर्देशों का अनुपालन करने के लिए 18 महीने तक का समय दिया गया। कंसेट मैनेजरों को पंजीकरण कराने के लिए 12 माह का समय दिया गया है। इन नियमों के लागू होने के साथ सोशल मीडिया, इंटरनेट मध्यस्थों व उपयोगकर्ता डेटा का कारोबार करने वाली किसी अन्य कंपनी को डेटा प्रिंसिपल या उपयोगकर्ता का डाटा प्रसंस्करण के लिए देने के लिए उसका पूरा विवरण देते हुए उसके लिए सहमति लेनी होगी। इन नियमों में डिजिटल मध्यस्थों को उनके द्वारा दी जाने वाली सेवा की प्रकृति के आधार पर वर्गीकृत किया गया है।

उपयोगकर्ता डेटा की सहमति वापस ले सकेंगे

ऐसे माध्यमों के लिए अलग-अलग समय-सीमाएं भी निर्धारित की हैं। इनके अनुसार इन प्लेटफ़ॉर्म को उपयोगकर्ता के व्यक्तिगत डेटा को हटाना होगा। अगर किसी वर्तमान में लागू किसी भी कानून के अनुपालन के लिए ऐसे डाटा को अधिक समय तक रखना जरूरी है तो उन्हें उसके अनुसार उसको अपने पास सुरक्षित रखना होगा। कंपनियों के लिए यह जरूरी होगा कि वे उपयोगकर्ताओं को व्यक्तिगत डेटा के प्रसंस्करण के लिए अपनी सहमति आसानी से वापस लेने का मौका दें।

डिजिटल तौर पर संचालित होगा बोर्ड

सहमति प्रबंधक के रूप में कार्य करने के लिए डिजिटल डेटा संरक्षण बोर्ड के समक्ष पंजीकरण के लिए आवेदन करना होगा। उन्हें काम के दौरान समय-समय पर बोर्ड की शर्तों और निर्देशों को पूरा करना होगा। कानून का उल्लंघन करने पर ऐसे प्रबंधकों का पंजीकरण निलंबित भी किया जा सकता है। बोर्ड पूरी तरह डिजिटल रूप से संचालित होगा और इसका मुख्यालय नई दिल्ली में होगा। चार सदस्यीय बोर्ड में एक अध्यक्ष होगा। उल्लंघन की स्थिति में 72 घंटों के भीतर सूचित करना होगा।

अमृत विचार

हल्द्वानी , शनिवार,15 नवंबर 2025

स्टेट ब्रीफ

जिले के 7 स्थानों पर मॉक ड्रिल आज

नैनीताल : भूकंप के संभावित जोखिमों को देखते हुए नैनीताल में महत्वपूर्ण स्थलों पर भूकंप पूर्वाभ्यास मॉक ड्रिल आयोजित की जाएगी। अपर जिलाधिकारी एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी, आपदा प्रबंधन प्राधिकरण शैलेंद्र सिंह नेगी ने बताया शनिवार 15 नवंबर को जिले के चयनित 7 भूकंप प्रभावित स्थलों में मॉक अभ्यास किया जाएगा। अभ्यास के दौरान विभिन्न विभागों की तत्परता, आपदा के समय त्वरित प्रतिक्रिया, बचाव एवं राहत कार्यों की दक्षता का परीक्षण किया जाएगा। प्रशासन ने सभी संबंधित विभागों, संस्थानों और अधिकारियों को समय पर उपस्थित रहने और मॉक ड्रिल को सफल बनाने के निर्देश दिए हैं।

सट्टा लगवाते पकड़ा गया सटोरिया

हल्द्वानी : पुलिस ने सट्टे की खाई-बाड़ी करते पुलिस ने एक सटोरिये को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक, कांस्टेबल सुनील कुमार और महबूब अली रेलवे पटरी की तरफ पार्किंग से सट्टे की खाई-बाड़ी करते शकील पुत्र रईस अहमद निवासी इन्द्रानगर बनभूलपुरा को गिरफ्तार किया गया। उसके पास से सट्टा पर्ची और 1190 रुपए बरामद किए। प्रभारी थाना बनभूलपुरा सुशील जोशी ने बताया कि आरोपी के खिलाफ 13 दी एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है।

मां के साथ पैतृक गांव पहुंच भावुक हुए मुख्यमंत्री धामी

सीएम शुक्रवार को पहुंचे पिथौरागढ़ स्थित पैतृक गांव टुंडी–बारमौं

संवाददाता, पिथौरागढ़

अमृत विचार : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को मां के साथ पिथौरागढ़ जनपद स्थित पैतृक गांव टुंडी–बारमौं पहुंचकर स्थानीय लोगों से भेंट की। इस दौरान उन्होंने गांव के मंदिर में पूजा-अर्चना कर प्रदेश की खुशहाली के लिए कामना की है।

सीएम धामी ने गांव में बिताए अनुभव साझा करते हुए कहा कि मां के साथ अपने पैतृक क्षेत्र कनालीछीना के टुंडी–बारमौं पहुंचना उनके लिए बेहद भावुक क्षण रहा। यह वही गांव है जहां उन्होंने बचपन बिताया पहली बार विद्यालय की राह पकड़ी और जहां गांव के स्नेह, संस्कृति और परम्पराओं की समृद्ध छाया ने उनके व्यक्तित्व को आकार दिया। उन्होंने कहा कि गांव पहुंचते ही बुजुर्गों का स्नेहिल आशीर्वाद और मातृशक्ति का अथाह प्रेम मन को भावनाओं से भर गया। कई बुजुर्गों ने इस मुलाकात में भी उन्हें बचपन के नाम से पुकारा, इस अपनत्व को शब्दों में समाना मुश्किल है। नौनिहालों और युवाओं की मुस्कुराहटों में वह सारी स्मृतियां फिर जीवंत हो उठीं, जिन्होंने मुझे मूल्य सिखाए और आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। इस मुलाकात के दौरान हर चेहरा अपना लगा, हर आंगन स्मृतियों से भरा और हर कदम बचपन की गलियों से होकर गुजरता हुआ महसूस हुआ। टुंडी–बारमौं उनके लिए सिर्फ एक गांव नहीं बल्कि उनकी जड़, संस्कार और पहचान भी है।

अपनी माता जी के साथ मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी। ● अमृत विचार

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आग्रह के अनुसार प्रत्येक उत्तराखंडवासी को पैतृक गांव में घरों को फिर से संवारना होगा। गांव से बाहर निवास करने वाले उत्तराखंड के प्रत्येक व्यक्ति को अपने गांव के विकास में योगदान देना होगा। प्रवासी गांव के विकास में अहम योगदान दे सकते हैं।

चरस तस्करी के आरोपी को 10 साल का कठोर कारावास

पिथौरागढ़, अमृत विचार: विशेष सत्र न्यायाधीश शंकर राज की अदालत ने चरस तस्करी के आरोपी को दोषी करार देते हुए उसे 10 साल कठोर कारावास की सजा सुनाई है। दोषी को एक लाख रुपये अर्थदंड भी चुकाना होगा। ऐसा न करने पर उसे दो वर्ष का अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा।

मामले के अनुसार, आठ सितंबर 2018 को एसओजी और पुलिस टीम ने जाजरदेवल में मुखबिर की सूचना पर कनालीछीना विकासखंड के स्यूवन निवासी किशोर कुमार को पकड़ा। तलाशी में उसके पास 976 ग्राम चरस मिली। तब पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर उसके खिलाफ न्यायालय में आरोप पत्र दाखिल किया। तब से यह मामला न्यायालय में चल रहा है इस पर बृहस्पतिवार को फैसला आया।

विशेष सत्र न्यायाधीश ने सभी पक्षों-गवाहों को सुनने और साक्ष्यों का परिशीलन करने के बाद दोषी को 10 साल कठोर कारावास और एक लाख रुपये जुर्माने की सजा सुनाई। जुर्माना अदा न करने पर उसे दो वर्ष का अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा।

मुख्य अभियंता हल्द्वानी ने जीता क्रिकेट खिताब

ट्रॉफी के साथ खुशी का इजहार करती मुख्य अभियंता हल्द्वानी की टीम।

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: सिंचाई विभाग की टीमों के बीच आयोजित किए गए रोमांचक अंतर-विभागीय क्रिकेट टूर्नामेंट में, मेजबान मुख्य अभियंता हल्द्वानी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रतिष्ठित खिताब अपने नाम किया। हल्द्वानी की टीम ने फाइनल मैच में मुख्य अभियंता मैकेनिकल को पराजित किया और ट्रॉफी पर कब्जा जमाकर अपनी मेजबानी को यादगार बनाया।

सिंचाई विभाग हर वर्ष इस क्रिकेट टूर्नामेंट का सफल आयोजन करता है। इस वर्ष यह टूर्नामेंट कोशिकी क्रिकेट ग्राउंड रामनगर में खेला गया। जिसने खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने और आपसी मेल-जोल बढ़ाने का एक शानदार प्रदर्शन किया। टूर्नामेंट में सिंचाई विभाग की छह प्रमुख टीमों ने हिस्सा लिया, जिनमें मुख्य अभियंता श्रीनगर, अल्मोड़ा, देहरादून, हरिद्वार, हल्द्वानी और मैकेनिकल शामिल थीं। फाइनल मैच की विजेता मुख्य अभियंता हल्द्वानी रही, जबकि उपविजेता मुख्य अभियंता मैकेनिकल की टीम रही। मुख्य अभियंता हल्द्वानी की टीम का दबदबा टूर्नामेंट में दिखाई दिया, प्रकाश बिष्ट ने अपने शानदार प्रदर्शन के दम पर फाइनल में मैन ऑफ द मैच और मैन ऑफ द सीरीज दोनों पुरस्कार जीतकर दोहरे पुरस्कार विजेता बने। इस दौरान अभियंता मनोज तिवारी, नीरज तिवारी, दिनेश रावत, सुभाष जोशी और केशव बिष्ट सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

राज्य में सतर्कता बढ़ाने के निर्देश

देहरादून, अमृत विचार : गृह सचिव शैलेश बगौली ने शुक्रवार को सचिवालय में पुलिस अधिकारियों और सभी जिलों के जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षकों के साथ राज्य की सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की।

बगौली ने राज्य के सभी क्षेत्रों में सतर्कता बढ़ाने तथा बॉर्डर क्षेत्रों में विशेष निगरानी रखने के निर्देश दिए। गृह सचिव ने कहा कि राज्यों की सीमा पर सघन जांच अभियान लगातार जारी रहे। साथ ही अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर विशेष सावधानी बरती जाए। राज्य के सभी बॉर्डर क्षेत्रों और अन्य संवेदनशील स्थानों पर एएनपीआर कैमरे लगाए जाएं जिससे संदिग्ध वाहनों की ट्रैकिंग और निगरानी अधिक प्रभावी हो सकेगी।

उन्होंने प्रमुख पर्यटन स्थलों पर चेकिंग अभियान में तेजी लाने तथा धार्मिक स्थलों की सुरक्षा व्यवस्था पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने शहरों और संवेदनशील इलाकों में सीसीटीवी कैमरों की संपूर्ण व्यवस्था और उनकी रियल-टाइम मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। बगौली ने कहा कि राज्यवासियों और पर्यटकों की सुरक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इस दौरान महानिदेशक (इन्वेस्टिगेशन) अभिनव कुमार, कानून महानिदेशक बी मुर्गेशन रहे।

सिंथिया स्कूल ने उत्साह से मनाया वार्षिकोत्सव

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : सिंथिया इंटरनेशनल स्कूल की ओर से शुक्रवार को वार्षिक उत्सव 'समन्वय – ए कल्चरल कॉन्फ्लुएंस' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण पूरे विश्व की संस्कृति को एक मंच पर प्रस्तुत करते हुए एक विश्व–एक परिवार का प्रेरणादायी संदेश रहा।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. जगदीश चंद्र, एसपी सिटी (क्राइम) ने स्कूल के वरिष्ठ दादा-दादी प्रतिनिधियों के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया। विद्यार्थियों ने कुमाऊनी, भांगड़ा, सालसा, हिप-हॉप, डिस्को की प्रस्तुति से विविध संस्कृतियों को जीवंत किया। स्कूल के चेयरमैन डॉ. प्रवींद्र रौतेला ने सभी अभिभावकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि समाज की सेवा ही शिक्षा का मूल उद्देश्य है। स्कूल की निदेशिका रश्मि रौतेला ने कहा कि वार्षिक कार्यक्रम विद्यार्थियों को सामाजिक मूल्यों, सहयोग, अनुशासन और सेवा की भावना सीखने का एक महत्वपूर्ण माध्यम है। कार्यक्रम में शहर के कई स्कूलों के प्रधानाचार्य और डायरेक्टर्स भी उपस्थित रहे। प्रबंध निदेशक कात्यायन रौतेला ने सभी को धन्यवाद दिया। इस मौके पर सुरेश रौतेला, महिपाल रौतेला, ओम पाल सिंह रौतेला, सुरेश मिश्रा, महेश जोशी, मोहन जोशी, तुलिका रस्तोगी, वार्तिका रौतेला, शिवानी सक्सेना, मुकुल किरोला, रीना कार्की, अनिका वर्मा रहे।

मधुमेह से बचाव के लिए जीवनशैली सुधारने पर जोर

हल्द्वानी, अमृत विचार: विश्व मधुमेह दिवस पर राजकीय मेडिकल कॉलेज हल्द्वानी के कम्युनिटी मेडिसिन विभाग द्वारा जीवन के विभिन्न चरणों में मधुमेह विषय पर संगोष्ठी आयोजित की गई। विभागाध्यक्ष प्रो. डॉ. साधना अवस्थी ने जीवन के अलग-अलग चरणों में मधुमेह के प्रभाव और बढ़ते जोखिमों पर चर्चा की।

मुख्य वक्ता बीजे राजकीय मेडिकल कॉलेज पुणे के प्रोफेसर डॉ. जगन्नाथ दीक्षित रहे। उन्होंने वजन नियंत्रण, इंसुलिन रेजिस्टेंस में कमी तथा मधुमेह की रोकथाम के लिए जीवनशैली में परिवर्तनों के महत्व को रेखांकित किया। एम्स रायपुर की प्रोफेसर डॉ. अंजलि पाल ने प्राणिक ऊर्जा चिकित्सा के सिद्धांतों की जानकारी दी।

मानव-वन्यजीव संघर्ष रोकने को आगे आए पीलीभीत के बाघ मित्र

संवाददाता, रामनगर

अमृत विचार: चंचल कार्बेट टाइगर रिज़र्व से सटे ग्रामीण क्षेत्रों में लगातार बढ़ रहे मानव-वन्यजीव संघर्ष को कम करने के उद्देश्य से कार्बेट टाइगर रिज़र्व प्रबंधन और विश्व प्राकृतिक निधि (डब्ल्यूडब्ल्यूएफ) इंडिया द्वारा कानिया गाँव में जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। रिज़र्व की सीमा से लगे इस गांव में बाघ, तेंदुआ, नीलगाय, हिरण और बंदरों की नियमित आवाजाही के कारण अक्सर संघर्ष की घटनाएं सामने आती रहती हैं।

कार्यक्रम में कानिया गांव के ईडीसी सचिव ने ग्रामीणों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित कर महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। जागरूकता कार्यक्रम की विशेष बात यह रही कि इसमें उत्तर प्रदेश के पीलीभीत टाइगर रिज़र्व की बाघ मित्र टीम ने नेतृत्व किया। यह टीम लंबे समय से मानव-वन्यजीव संघर्ष को कम करने के सफल मॉडल पर काम कर रही है और उनके अनुभव इस क्षेत्र के लिए काफी उपयोगी साबित हो सकते हैं। कार्यक्रम में आरओ बिजरानी नवीन पांडे, ईडीसी सदस्य, बाघ मित्र तथा डब्ल्यूडब्ल्यूएफ इंडिया की टीम मौजूद रही। कार्यक्रम का समन्वय डब्ल्यूडब्ल्यूएफ इंडिया की प्रोजेक्ट ऑफिसर सोहिनी साहा द्वारा किया गया। बाघ मित्रों की टीम ने ग्रामीणों को बताया कि सतर्कता, सूचना आदान–प्रदान और सामुदायिक सहभागिता से संघर्ष की घटनाओं को कम किया जा सकता है।

जन जागरूकता कार्यक्रम में मौजूद बाघ मित्र। ● अमृत विचार

डीएलएड प्रवेश परीक्षा का आयोजन 22 को

संवाददाता, रामनगर

अमृत विचार : प्राथमिक शिक्षक बनने का सपना देख रहे अभ्यर्थियों के लिए बड़ी खबर है। राज्य में डीएलएड परीक्षा-2025 आगामी 22 नवंबर को आयोजित की जाएगी और इस बार 40,571 अभ्यर्थी शामिल होंगे।

जानकारी के अनुसार विद्यालयी शिक्षा परिषद ने डीएलएड प्रवेश परीक्षा-2025 की पूरी तैयारी पूरी कर ली है। यह परीक्षा दो वर्षीय डिप्लोमा इन एलिमेंट्री एजुकेशन प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रवेश के लिए की जाती है, जो राज्य में प्राथमिक शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए बेहद महत्वपूर्ण मानी जाती है। बोर्ड मुख्यालय स्थित एनेक्सी सभागार में परीक्षा को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक की गई। बैठक में 29 परीक्षा शहरों के नोडल अधिकारी और 151 परीक्षा केंद्रों के व्यवस्थापक शामिल हुए। बोर्ड सचिव वीपी सिमल्टी ने बताया कि डीएलएड प्रवेश परीक्षा आगामी 22 नवंबर को सुबह 10 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक आयोजित की जाएगी। परीक्षा में इस बार 40,571 अभ्यर्थी शामिल होंगे, जिसके लिए राज्यभर में व्यापक प्रबंध किए गए हैं।

उन्होंने बताया कि जिन अभ्यर्थियों को प्रवेश पत्र डाउनलोड करने में समस्या आ रही है या किसी प्रकार की त्रुटि मिली है वे 20 और 21 नवंबर को अपने प्रथम परीक्षा शहर के नोडल केंद्र पर पहुंचकर अपनी समस्या का समाधान करा सकते हैं।

बेबस बचपन

बालदिवस पर जहां विभिन्न कार्यक्रम हुए वहीं हल्द्वानी के एक इलाके में इस तरह दिखे बेबस बच्चे।(फोटो : राजेश श्रीवास्तव)

परीक्षा शुल्क पर सौ फीसदी विलंब शुल्क का विरोध

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: कुमाऊं विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन में शुक्रवार को छात्र नेताओं ने परीक्षा शुल्क में लगाए गए सौ प्रतिशत विलंब शुल्क के खिलाफ जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। छात्र नेताओं ने विलंब शुल्क को कम करके 50 फीसदी करने की मांग की।

छात्र नेताओं ने बताया कि विश्वविद्यालय प्रशासन ने परीक्षा शुल्क जमा करने की अंतिम तिथि 10 नवंबर तय की थी। इसके बाद 11 से 13 नवंबर तक 50 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क के साथ फीस जमा करने की सुविधा दी गई। लेकिन अब विश्वविद्यालय ने 14 से 18 नवंबर तक 100 प्रतिशत विलंब शुल्क के साथ परीक्षा शुल्क जमा करने की तिथि बढ़ाई है, जिसका छात्र संगठनों ने विरोध किया।

छात्र नेताओं का कहना है कि विश्वविद्यालय में अध्ययनरत अधिकांश छात्र मध्यम वर्गीय परिवारों से आते हैं और सौ फीसदी विलंब शुल्क जमा करना उनके लिए संभव नहीं है। इसलिए यह फैसला छात्रों के हित में नहीं है। उन्होंने कुलसचिव डॉ. मंगल सिंह से परीक्षा शुल्क जमा करने की अंतिम तिथि बढ़ाकर 30 नवंबर करने की मांग की, ताकि कोई भी छात्र आर्थिक तंगी के कारण परीक्षा से वंचित न रहे। विरोध प्रदर्शन में छात्र महासंघ अध्यक्ष आशीष कबड़वाल, छात्र संघ सचिव आयुष आर्या, अभिषेक कुमार, कुलदीप कार्की, प्रयांशु बेलवाल सहित कई छात्र नेता उपस्थित रहे।

संस्कृत प्रतियोगिताओं का शुभारंभ

संवाददाता, भीमताल

अमृत विचार: पं. गोविन्द बल्लभ पंत अटल उत्कृष्ट राजकीय इंटर कॉलेज, ओखलकांडा में उत्तराखण्ड संस्कृत अकादमी के तत्वावधान में खण्ड स्तरीय संस्कृत प्रतियोगिताओं का शुभारम्भ हुआ। कार्यक्रम में संस्कृत नाटक, समूह नृत्य, समूह गान, वाद-विवाद, आशु भाषण तथा श्लोक उच्चारण जैसी प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं।

प्रतियोगिताओं का उदघाटन ब्लॉक प्रमुख केशव दत्त रुवाली ने किया। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड सरकार द्वारा राज्य की द्वितीय राजभाषा संस्कृत के संवर्धन और प्रचार-प्रसार के लिए किया जा रहा प्रयास सराहनीय है। इससे छात्रों में ज्ञान के साथ-साथ अच्छे संस्कार भी विकसित होंगे। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि जिला पंचायत सदस्य प्रमोद कोटलिया ने कहा कि आज विश्वभर में संस्कृत भाषा के प्रति रुचि बढ़ी है। भाषाविदों के अनुसार यह कंप्यूटर उपयोग के लिए भी अत्यंत उपयुक्त भाषा है। उन्होंने संस्कृत अकादमी के इस आयोजन को अत्यंत महत्वपूर्ण बताया। कार्यक्रम की अध्यक्षता खण्ड शिक्षा अधिकारी सुलोहिता नेगी ने की। खण्ड संयोजक एवं प्रधानाचार्य मुकेश कुमार ने सभी अतिथियों का स्मृति चिह्न एवं पुष्पमालाओं से स्वागत किया। राजकीय इंटर कॉलेज ओखलकांडा, राइका पतलोट, राइका पश्यां तथा राजकीय इंटर कॉलेज डालकन्या के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। प्रतिभागियों को नगद पुरुस्कार एवं प्रमाणपत्र प्रदान किए गए। कार्यक्रम का संचालन डॉ. हेमंत कुमार जोशी ने किया। कार्यक्रम में सुमन बर्गली, पंकज बर्गली, दीपक सिंह बर्गली, गजेन्द्र सिंह बोहरा, कमलेश रहे।

संस्कृत प्रतियोगिताओं का उद्घाटन करते ब्लॉक प्रमुख केशव दत्त रुवाली।

मौसम

अमेरिकी संस्था जलवायु पूर्वानुमान केंद्र ने जारी की घोषणा, कड़ाके की ठंड पड़ने की संभावना

इस बार सर्दियों में काफी हावी रहेगा ला नीना का असर

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: इस बार सर्दियों में ला नीना कुछ ज्यादा ही हावी रहने वाला है। संयुक्त राज्य अमेरिका की संस्था जलवायु पूर्वानुमान केंद्र ने गुरुवार को यह घोषणा की है। संयुक्त राज्य अमेरिका पर ला नीना का सर्वाधिक असर रहेगा, जबकि एशियाई देश भी इसके प्रभाव से अछूते नहीं रहेंगे।

जलवायु पूर्वानुमान केंद्र के अनुसार ला नीना पिछले महीने से सक्रिय हो चला है। मध्य और पूर्वी भूमध्यरेखीय प्रशांत महासागर में समुद्र की सतह का तापमान औसत से नीचे गिरने लगा है जिस कारण ला नीना का असर अधिक रहने की संभावना बनी रहेगी। इसका असर दुनिया भर की जलवायु पर पड़ेगा ।

जहां तक बर्फबारी और बारिश की बात है तो दुनिया के कई देशों में सर्दियों के दौरान जमकर बारिश होने की संभावना रहेगी, जबकि बर्फबारी वाले क्षेत्रों में बर्फबारी जमकर होगी। पूर्वानुमान केंद्र ने संभावना जताई है कि इस बार पढ़ने वाली ठंड पिछली कई वर्षों की सर्दियों का रिकॉर्ड तोड़ डालेगी। एशियाई देश भी इसके प्रभाव में रहेंगे। ला नीना का भारत में दिसंबर व जनवरी में सर्वाधिक असर रहेगा, जो फरवरी तक जा सकता है। ला नीना के चलते पश्चिमी विक्षोभ अधिक सक्रिय रहेंगे। जिस कारण मैदानी भागों में, खासकर उत्तर भारत में अधिक बारिश की संभावना रहेगी, जबकि हिमालय समेत पर्वतीय क्षेत्रों में बर्फबारी जमकर होने की उम्मीद रहेगी।

तापमान में भारी गिरावट आएगी इस बार

नैनीताल : आर्यभट्ट प्रेक्षण विज्ञान शोध संस्थान एरीज के वरिष्ठ वायुमंडलीय वैज्ञानिक डॉ नरेंद्र सिंह ने बताया कि यूएस और यूरोपियन समेत दुनिया के मौसम संगठनों की नजर ला नीना पर बनी हुई है। जलवायु पूर्वानुमान केंद्र का ताजा पूर्वानुमान ला नीना के अधिक सक्रिय रहने की चेतावनी जारी करदी है। भारत भी इसके असर से प्रभावित रहेगा। जिस कारण ठंड, बारिश और बर्फबारी के साथ सर्दियां बीतेगी। प्रदूषण वाले हिस्सों में तापमान में अधिक गिरावट रहेगी। जिस कारण मैदानी भागों में कड़ाके की ठंड की संभावना से कतई इंकार नहीं किया जा सकता है।

बिहार में भाजपा की प्रचंड जीत पर नैनीताल में भाजपाइयों ने किया मिष्ठान वितरण।

बिहार में भाजपा की प्रचंड जीत पर नैनीताल में जश्न

नैनीताल, अमृत विचार : बिहार विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को मिली प्रचंड जीत से उत्साहित नैनीताल भाजपा कार्यकर्ताओं ने शुक्रवार को जोरदार तरीके से जश्न मनाया। नगर में कार्यकर्ताओं ने मिष्ठान वितरण किया और आतिशबाज़ी कर खुशी का इज़हार किया। कार्यक्रम में नैनीताल विधायक सरिता आर्या भी मौजूद रहीं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और केंद्रीय नेतृत्व की दृढ़ नीतियों की बदौलत भाजपा को शानदार जीत मिली है। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्षी दल बिहार की जनता को गुमराह करने का प्रयास कर रहे थे, लेकिन जनता ने विपक्ष और 'इंडिया गठबंधन' को करारा जवाब दिया है। इस मौके पर मंडल अध्यक्ष नितिन कार्की, दया किशन पोखरिया,हरीश राणा, निखिल बिष्ट, कविता गंगोला, हिमांशु जोशी, विकास जोशी, पूरन बिष्ट, अरविंद पडियार, गजाला कमाल, सुनीता जोशी, विशाल वर्मा, भावेश सोठियाल, विकाश जोशी, आनंद बिष्ट, भूपाल बिष्ट, मोहित साह रहे।

बिहार में एनडीए की जीत पर जश्न

हल्द्वानी, अमृत विचार : बिहार चुनाव में एनडीए की प्रचंड जीत पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने ढोल नगाड़े बजाकर मिठाई बांटकर खुशी जताई।

शुक्रवार को सांसद अजय भट्ट एवं जिलाध्यक्ष प्रताप बिष्ट के नेतृत्व में कार्यकर्ता कुमाऊं संभाग कार्यालय में इकट्ठा हुए। यहां उन्होंने कहा कि भाजपा संगठन की बूथ स्तर तक की मजबूती व मोदी एवं नीतीश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की वजह से यह जीत हासिल हुई। आगा। कहा कि बिहारवासियों ने जंगलराज को नकारते हुए एक बार फिर विकास व भयमुक्त बिहार के विकल्प को चुना है। इस दौरान प्रदेश महामंत्री तरूण बंसल, दर्जा राज्य मंत्री सुरेश भट्ट, दिनेश आर्य, दीपक मेहरा, प्रदीप बिष्ट, प्रदेश प्रकोष्ठ प्रभारी कौस्तुभानन्द जोशी, प्रदेश प्रवक्ता विकास भगत आदि मौजूद रहे।

सिटी ब्रीफ

जनपद प्रभारी मंत्री रेखा आर्य आज हल्द्वानी में

हल्द्वानी : महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री रेखा आर्या दो दिवसीय जनपद भ्रमण पर पहुंच रही हैं। वह 14 नवंबर को देहरादून से सड़क मार्ग से प्रस्थान कर अपराह्न 4 :30 बजे सर्किट हाउस काठगोदाम पहुंचेंगी और रात्रि विश्राम सर्किट हाउस काठगोदाम में ही करेंगी। 15 नवंबर को ऊंचापुल चौफुला रोड ओएसिस द वर्ल्ड स्कूल के सामने आयोजित शांति योगधाम चैंपियनशिप में हिस्सा लेंगी और सुबह 10 :30 बजे बृजानंद विहार कॉलोनी पहुंचेंगी। बृजानंद विहार कॉलोनी से दोपहर 1 बजे सोमेश्वर अल्मोड़ा के लिए प्रस्थान करेंगी।

काठगोदाम पुलिस टीम ने पकड़े दो वारंटी

हल्द्वानी : लंबे समय से फरार चल रहे दो वारंटियों को काठगोदाम पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। थानाध्यक्ष विमल मिश्रा ने बताया कि 13 नवंबर को पुलिस ने टीम ने नवीन अली पुत्र नासिर अली निवासी कॉल टैक्स काठगोदाम को गिरफ्तार किया। नवीन पर वर्ष 2022 में आईपीसी की धारा 392 व 411 के तहत मुकदमा दर्ज गया था। वहीं दूसरे मामले में कुंदन रावत पुत्र उम्मेद सिंह रावत निवासी शिव मंदिर के पास हाईडिल गेट काठगोदाम को गिरफ्तार किया गया था। कुंदन पर वर्ष 2024 में धारा 125(3) सीआरपीसी के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। पुलिस टीम में एसआई दिलीप कुमार, एसआई नीतू सिंह, कांस्टेबल योगेश कुमार व कारज सिंह थे।

फेसबुक पर भड़काऊ पोस्ट, मुकदमा दर्ज

हल्द्वानी : फेसबुक पर भड़काऊ पोस्ट करना एक युवक को भारी पड़ गया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। एसएसआई रोहताश सिंह सागर ने बताया कि 13 नवंबर को मिली बीट सूचना की वह जांच कर रहे थे। जांच में सामने आया कि मो .लुकमान की फेसबुक आई पर एक आपत्तिजनक पोस्ट किया गया था। पोस्ट में हाफ पैंट और गौ रक्षा का जिक्र करते हुए भड़काऊ शब्द लिखे गए। जांच में यह भी सामने आया कि इस पोस्ट पर तमाम कमेंट भी किए गए थे। उन्होंने बताया कि यह भड़काऊ पोस्ट डालकर धर्म विशेष और समुदाय विशेष को टारगेट करते हुए धार्मिक भावनाओं को भड़काने वाले आपत्तिजनक शब्दों का प्रयोग किया गया। ऐसे में आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

उत्तराखंडियों का हक गैरों को देने वाले अरायजनवीस पर मुकदमा

बनभूलपुरा में बैठकर बाहरी लोगों का स्थाई निवास प्रमाण पत्र बना रहा था फैजान

- बड़ी साजिश की बू, फाइनेंशियल और इलेक्ट्रिकल ट्रेल खंगाल रही पुलिस

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : स्थाई प्रमाणपत्र बनाकर गैरों को उत्तराखंडियों का हक देने वाले फैजान को पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। आरोपी पर पुलिस ने गंभीर धाराएं लगाई हैं। माना जा रहा है कि फर्जी प्रमाण पत्र बनाने के पीछे कोई बड़ा षड्यंत्र है। इस साजिश की तह तक जाने के लिए पुलिस अब मुख्य आरोपी समेत तीन और लोगों की फाइनेंसियल और इलेक्ट्रिकल ट्रेल खंगाल रही है। फिलहाल, फैजान के जन सेवा केंद्र पर ताला है।

बता दें कि गुरुवार को कमिश्नर दीपक रावत ने बनभूलपुरा ने बनभूलपुरा में गोपाल मंदिर के पास मुस्तफा चौक नई बस्ती निवासी अरायजनवीस मो. फैजान पुत्र मो. फुरकान के घर पर छापा मारा था। फैजान घर से ही सीएससी सेंटर संचालित कर रहा था। कमिश्नर की प्राथमिक जांच में सामने आया कि वो सीएससी का गलत इस्तेमाल करते हुए गैरकानूनी तरीके से दस्तावेज तैयार कर रहा था। ऐसा ही एक नाम था रईस अहमद। फैजान ने रईस अहमद के मिलते-जुलते वाले नाम के व्यक्ति को तलाशना शुरू किया और उसे वार्ड 26 आस्ताना मस्जिद नई बस्ती बनभूलपुरा निवासी रईस अहमद पुत्र स्व.अब्दुल हमीद को तलाश लिया। जिसके बाद उसने रईस का बनभूलपुरा में स्थाई निवास बना डाला।

कमिश्नर के छापे के बाद हुए खुलासे ने हड़कंप मचा दिया। आनन-फानन में तहसीलदार कुलदीप पांडे ने आरोपी फैजान के खिलाफ बनभूलपुरा थाने में तहरीर दी। जिसके बाद पुलिस ने आनन-फानन में मुकदमा दर्ज किया और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी फैजान समेत तीन अज्ञात के खिलाफ बीएनएस की धारा 316(5), 318(4), 336(3), 338 व 61(2) के तहत मुकदमा दर्ज किया है। तहसीलदार ने पुलिस को दी तहरीर में लिखा है, स्थायी प्रमाण पत्र व अन्य प्रमाण पत्र का उपयोग राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं व राज्य सेवा अन्तर्गत रोजगार के लिए किया जाता है।

फर्जी प्रमाण पत्र बनने से राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाएं व रोजगार प्रभावित होने के कारण प्रमाणिक लाभार्थी को उसका लाभ नहीं मिल पाता। सरकारी एवं आर्थिक कल्याणकारी योजनाओं का नाजायज फायदा उठाते हुये राजस्व के भी नुकसान होने की पूर्ण संभावना है। जिससे लोकतंत्र में जनता के बीच असंतोष व्याप्त होता है। एसएसपी मंजूनाथ टीसी ने बताया कि घटना स्थल से लैपटॉप और मोबाइल जब्त किए हए। मामले में इलेक्ट्रिकल ट्रेल के साथ मनी ट्रेल के एंगल को भी खंगाला जा रहा है। इस फर्जीवाड़े से जुड़े किसी भी व्यक्ति को बक्शा नहीं जाएगा।

सलीम के बेटे ने दर्ज कराई पिता की हत्या की एफआईआर

रामनगर, अमृत विचार: ग्राम पूछड़ी में गुरुवार को सलीम नामक बुजुर्ग की अज्ञात लोगों ने हत्या कर दी थी। आरोपी पुलिस की पकड़ से बाहर है। मृतक के पुत्र की तहरीर पर पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कर लिया है।

फौजी कालोनी, रामनगर निवासी रियाज पुत्र सलीम अली ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उनके पिता सलीम अली (65 वर्ष) पुत्र शेर अली, नई बस्ती ख्वाजा गरीब नवाज मस्जिद के पास स्थित पूछड़ी क्षेत्र में एक झोपड़ी में अकेले रहते थे। रियाज ने बताया कि 12 नवंबर रात करीब 8:30 बजे वह पिता को खाना देकर अपने कमरे फौजी कालोनी लौट आया। गुरुवार सुबह करीब 6:30 बजे उसके जीजा नईम अली ने घटना की जानकारी दी। दोनों जब झोपड़ी पहुंचे तो देखा कि सलीम अली बिस्तर पर खून से लथपथ पड़े थे और उनके सिर पर गंभीर चोट के निशान थे। रियाज ने पुलिस घटना की सूचना दी। उसने हत्यारों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। वरिष्ठ उपनिरीक्षक मोहम्मद यूनुस ने बताया कि अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

पीएनबी ने 10 करोड़ के ऋण स्वीकृति पत्र बांटे

ऋण स्वीकृति पत्र सौंपते पीएनबी के अधिकारी। ● अमृत विचार

- पंजाब नेशनल बैंक ने आयोजित किया रिटेल आउटरीच कार्यक्रम

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) के मण्डल कार्यालय की ओर से 14 नवंबर को ऊंचापुल स्थित मण्डल कार्यालय के प्रांगण में एक रिटेल आउटरीच कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रधान कार्यालय के उप महाप्रबंधक के राजगोपाल की ओर से की गई। उप मण्डल प्रमु संजीव पुरोहित ने कहा कि पीएनबी बैंक की रिटेल योजनाओं की ब्याज दरें सभी प्रतिस्पर्धी बैंकों में सबसे कम हैं, और सभी ग्राहकों को इसका लाभ अवश्य उठाना चाहिए।

उन्होंने बताया कि पीएनबी का ध्येय हमेशा से सर्वोत्तम बैंक उत्पादों के माध्यम से ग्राहकों को बेहतर सेवा प्रदान करना रहा है। यह आउटरीच कार्यक्रम उन ग्राहकों के लिए आयोजित किया गया था जो रियायती ब्याज दर पर ऋण चाहते हैं। साथ ही पीएलपी प्रमुख नवीन पांडे ने ग्राहकों के साथ रिटेल ऋण की जानकारी साझा की। इस महत्वपूर्ण आयोजन में ग्राहकों ने 70 करोड़ से अधिक की रिटेल ऋण आवेदन की लीड सिस्टम में प्रविष्ट की गई। इनमें से 10 करोड़ के ऋणों के स्वीकृति पत्र कार्यक्रम के दौरान ग्राहकों को दिए गए। इस अवसर पर सीएसी प्रमुख मनोज दुबे, ग्राहक, स्टाफ सदस्य और संबंधित शाखा प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे।

नए वार्डों के व्यापारियों ने कर का किया विरोध

संवाददाता, हल्द्वानी

- नए वार्डों से कर नहीं लिए जाने को कहा

अमृत विचार: नगर निगम ने 32 नये सम्मिलित वार्डों में कॉमर्शियल टैक्स और भवन कर लागू करने का फैसला लिया है। इस फैसले के खिलाफ व्यापारी आ गए हैं। उन्होंने पीलीकोठी चौराहे पर प्रांतीय उद्योग व्यापार मंडल ग्रामीण इकाई, ट्रांसपोर्ट नगर उद्योग व्यापार मंडल और व्यापार मंडल हल्द्वानी ने संयुक्त रूप से विरोध किया है।

संयुक्त बैठक में व्यापारियों ने नगर निगम की इस नीति को अन्यायपूर्ण और व्यापार विरोधी करार दिया। व्यापारियों ने कहा कि नगर निगम की ओर से वादा किया गया था कि जो भी नए वार्ड शामिल किए जाएंगे उनमें 10 सालों तक कोई टैक्स नहीं लगाया जाएगा। पहले नए वार्डों में शहरी विकास योजनाओं की सुविधाओं को विकसित किया जाएगा। इसके बाद ही टैक्स लगाने का काम होगा लेकिन अब नगर निगम अपने वादों से पीछे हट रहा है और नए कर थोप रहा है। वरिष्ठ व्यापारी दीपक गुरुरानी ने कहा कि विरोध के तहत चल रहे हस्ताक्षर अभियान को अब तक 4000 व्यापारी समर्थन दे चुके हैं। प्रदर्शन के दौरान हरीश मठपाल, भास्कर त्रिपाठी, एनके पंत, प्रदीप भट्ट ने नगर निगम के इस फैसले पर वृहद आंदोलन किए जाने की बात कही। इस दौरान ट्रांसपोर्ट नगर व्यापार मंडल अध्यक्ष प्रदीप सबरवाल, खीमानंद शर्मा रहे।

उपनल कर्मियों की हड़ताल स्थगित

हल्द्वानी : डॉ. सुशीला तिवारी राजकीय अस्पताल में उपनल कर्मियों के एक गुट द्वारा की जा रही हड़ताल स्थगित कर दी गई है। हड़ताली कर्मचारी काम पर लौट आए हैं। बताया जा रहा है कि उपनल में दो गुटों में मतभेद के कारण ऐसा हुआ है।

एसटीएच व राजकीय मेडिकल कॉलेज हल्द्वानी में करीब 650 उपनल कर्मी काम करते हैं। नियमितीकरण की मांग को लेकर उपनल कर्मियों के एक गुट ने हड़ताल शुरू की। इनका कहना था कि न्यायालय के आदेश को लागू कर उपनल कर्मियों को नियमित किया जाए। हड़ताल कर रहे गुट के नेता चंदू कफल्टिया ने बताया कि उपनल कर्मियों में एकता नहीं रही, इस वजह से हड़ताल को समाप्त कर दिया है। कहा हमारे गुट के कुछ लोग देहरादून में आंदोलन का समर्थन करने गए हैं।

393 अभ्यर्थियों में से 12 को मिली नौकरी

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : जिला सेवायोजन कार्यालय परिसर में गुरुवार को रोजगार मेला लगाया गया। इस दौरान 16 कंपनियों ने योग्य उम्मीदवारों के चयन के लिए अपने काउंटर लगाए।

मेले में कुल 393 अभ्यर्थियों ने भाग लिया। जिसमें 12 अभ्यर्थियों को अंतिम रूप से चयनित किया गया, जबकि 122 अभ्यर्थियों को विभिन्न कंपनियों के प्रतिनिधियों ने दूसरे चरण के साक्षात्कार के लिए शॉर्टलिस्ट किया। कुल 12 चयनित अभ्यर्थियों में से 4 अभ्यर्थियों का चयन लायम फ्लेक्सी सॉल्यूशंस, 2 अभ्यर्थी पुखराज हेल्थ केयर प्राइवेट लिमिटेड, लावा कंपनी में 4 और अशोका लेलैंड कंपनी के लिए 2 अभ्यर्थियों का चयन हुआ। चयनित अभ्यर्थियों का चयन 10 से 15 हजार के वेतन पर हुआ है।

जिला सेवायोजन कार्यालय में रोजगार मेले में इंटरव्यू देने के लिए पहुंचे छात्र-छात्राएं।

मेले में सिक्योरिटी गार्ड से लेकर बैंक के असिस्टेंट मैनेजर पद पर नौकरी पाने के लिए युवा पहुंचे थे। हाईस्कूल से लेकर ग्रेजुएशन और आईटीआई, बीटेक डिग्री धारी शामिल थे। 18 से 40 साल तक युवाओं को मेले में भाग लेने का मौका मिला। मेले में लायम फ्लेक्सी सॉल्यूशन(अशोका लेलैंड), पुखराज हेल्थकेयर प्रा. लि. हल्द्वानी, लावा इंटरनेशनल, इलजिन इलेक्ट्रॉनिक्स प्रा. लि., एचडीएफसी बैंक, एक्सिस बैंक, जीके सिक्योरिटी एंड प्लेसमेंट सर्विसेस, स्टेलैंटिस प्रा. लि. सहित कुल 16 कंपनियों ने भाग लिया। आईटीआई की प्रधानाचार्य प्रियंका गड़िया ने बताया कि चार कंपनियों ने 12 अभ्यर्थियों का अंतिम चयन कर लिया है, जबकि अन्य कंपनियों ने 122 अभ्यर्थियों को दूसरे चरण के साक्षात्कार के लिए बुलाया है।

बीकॉम से ग्रेजुएट हूं। रोजगार मेले में एक्सिस बैंक के असिस्टेंट मैनेजर के पद के लिए आवेदन किया है। रोजगार मेले की पहुंच को और अधिक बढ़ाया जाना चाहिए। साथ ही अलग-अलग क्षेत्र की कंपनियों में योग्य विद्यार्थियों को मौका दिया जाना चाहिए। **-अमित सिंह बिष्ट,** अभ्यर्थी

बीए ग्रेजुएट हूं। रोजगार मेले में टाटा मोटर्स, लावा इंटरनेशनल, अशोका लेलैंड कंपनी के लिए आवेदन किया है। इस तरह के रोजगार मेले प्रशिक्षित बेरोजगारों के लिए लाभदायक हैं। मेलों का आयोजन होते रहना चाहिए। **- दीपांशु जोशी**

मशीनिस्ट ट्रेड से आईटीआई किया है। रोजगार मेले में श्री गुरु ट्रेडर्स, लावा कंपनी के लिए आवेदन किया है। टेक्निकल डिग्री धारकों के लिए इस तरह के रोजगार मेले बहुत लाभदायक हैं। योग्यता के अनुसार वेतन भी निर्धारित होना चाहिए। **- गिरीश चंद्र**

ग्रेजुएट हूं। रोजगार मेले में एक्सिस और एचडीएफसी बैंक के असिस्टेंट मैनेजर के लिए आवेदन किया है। बैंक की ओर से अच्छे वेतनमान पर नौकरी दी जा रही है। रोजगार मेले का लाभ प्रशिक्षित युवाओं को लेना चाहिए। **- कार्तिक उप्रेती**

खड़िया खनन पर सोमवार से होगी सुनवाई

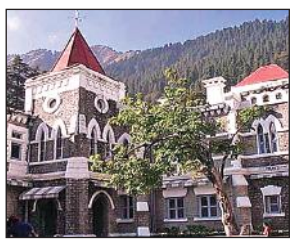

- बागेश्वर के कांडा क्षेत्र में अवैध खनन व दरारें आने का मामला
- हाईकोर्ट ने स्वत: संज्ञान लेकर की सुनवाई

विधि संवाददाता, नैनीताल

बालिका से दुष्कर्म के आरोपी को हाईकोर्ट से राहत नहीं

नैनीताल : हाईकोर्ट की एकल पीठ ने नैनीताल में 12 वर्ष की लड़की के यौन शोषण के आरोपी उस्मान खान के मामले पर बीते दिन सुनवाई की। एकलपीठ ने उसे कोई राहत न देते हुए मामले की अग्रिम सुनवाई के लिए दूसरी एकलपीठ को भेज दिया है। आरोपी की ओर से कहा गया कि उसे साजिशन फंसाया गया है। बयानों में विरोधाभास है। उसके खिलाफ पर्याप्त साक्ष्य नहीं हैं इसलिए उसे जमानत पर रिहा किया जाए अथवा उसके केस की जल्द सुनवाई की जाए। इस पर कोर्ट ने जल्द सुनवाई करने के दूसरी कोर्ट को मामले को रेफर कर दिया है। शुक्रवार को हुई सुनवाई में कहा गया कि जांच अधिकारी इस मामले को लटका रहा है। कोर्ट से बार बार समय लेने के बावजूद एफएसएल रिपोर्ट पेश नहीं की गई। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि इस महीने कोर्ट उपलब्ध नहीं है। आरोपी की मांग को देखते हुए इस मामले को अन्य बेंच के समक्ष पेश किया जाए। इससे पहले अदालत ने जांच अधिकारी के 3 नवंबर के आदेश को वापस लेने संबंधी प्रार्थना पत्र का निपटारा कर दिया जिसमें जांच अधिकारी पर एफएसएल रिपोर्ट समय पर जमा नहीं करने की एवज में 10 हजार का जुर्माना लगाया गया था। अदालत ने कहा कि जांच अधिकारी की ओर से जुर्माना की राशि जमा कर दी गई है। आदेश में जांच अधिकारी के खिलाफ कोई टिप्पणी नहीं की गई है।

अमृत विचार : हाईकोर्ट ने बागेश्वर जिले के कांडा तहसील सहित कई अन्य गांवों व पूरे बागेश्वर जिले में हुए अवैध खड़िया खनन से आई दरारों के मामले में स्वतः संज्ञान लेकर पंजीकृत की गई एवं कई जनहित याचिकाओं व खनन इकाइयों के मामले पर एक साथ सुनवाई की।

मामले की सुनवाई के बाद मुख्य न्यायाधीश जी नरेंद्र व न्यायमूर्ति सुभाष उपाध्याय की खंडपीठ ने सभी पक्षकारों से कहा है कि सोमवार से कोर्ट इस मामले प्रतिदिन सुनवाई करेगी। खनन इकाइयों की तरफ से कहा गया कि सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले को शीघ्र सुनवाई के आदेश दिये हैं। लिहाजा इस मामले को न्यायलय प्रतिदिन सुनवाई करके निस्तारित करें। मामले के अनुसार कांडा तहसील के ग्रामीणों ने मुख्य न्यायाधीश को पत्र भेजकर कहा था कि अवैध खड़िया खनन से उनकी खेतीबाड़ी, घर, पानी की लाइनें चौपट हो चुकी हैं। जो धन से सपन्न थे उन्होंने अपना आशियाना हल्द्वानी व अन्य जगह पर बना दिया है। अब गांवों में निर्धन लोग ही बचे हुए हैं। उनके जो आय के साधन थे उन पर अब खड़िया खनन के लोगों की नजर टिकी हुई हैं।

इस सम्बंध में कई बार उच्च अधिकारियों को प्रत्यावेदन भी दिए लेकिन उनकी समस्या का कुछ हल नहीं निकला इसलिए अब कोर्ट की शरण में आए हैं।

सदस्य पदों के लिए बिके 241 नामांकन पत्र

हल्द्वानी, अमृत विचार: हल्द्वानी ब्लॉक में ग्राम पंचायतों में रिक्त चल रहीं 230 सीटों के लिए 241 नामांकन पत्र बेचे जा चुके हैं। अब सभी ग्राम सभाओं के गठन के आसार बन गए हैं।

हल्द्वानी ब्लॉक में जुलाई-अगस्त माह में पंचायत चुनाव संपन्न हुए। हल्द्वानी की कुल 60 ग्राम पंचायतों में से कई ग्राम पंचायतों में शपथ ही नहीं हो पाई। जिसका कारण यह था कि इन ग्राम पंचायतों में ग्राम पंचायत सदस्यों के निश्चित संख्या पद नहीं भरे थे। इधर अब इन पदों को भरे जाने के लिए चुनाव प्रक्रिया शुरू हो गई है। हल्द्वानी ब्लॉक में 12 नवंबर को 92, 13 नवंबर को 70 और 14 नवंबर को 79 नामांकन पत्रों की बिक्री हुई है। बीडीओ तनवीर असगर ने बताया कि कुल 241 नामांकन पत्र जमा हो गए हैं। अब चुनाव प्रक्रिया कराई जाएगी।

दर्जनों होटल खंगाले, तलाशी ली

- नैनीताल में हाई अलर्ट, एसएसपी के निर्देश पर की गई चेकिंग

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

सड़क किनारे नारियल पानी बेचने वाले से पूछताछ करती पुलिस। ● अमृत विचार

अमृत विचार : दिल्ली में हाल ही में हुए धमाके की गंभीर घटना के बाद नैनीताल जिले में सुरक्षा और सतर्कता को बढ़ा दिया गया है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. मंजूनाथ टीसी के निर्देश पर पूरे जनपद में हाई अलर्ट के तहत सघन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस चौक-चौराहों, बॉर्डर बैरियर, बस अड्डों, रेलवे स्टेशनों, होटलों और बाजारों में लगातार निगरानी रखे हुए है।

जिलेभर में चलाए गए इस अभियान में पुलिस ने 124 होटलों की जांच की, 349 लोगों का सत्यापन किया और 123 लोगों के विरुद्ध चालानी कार्रवाई करते हुए कुल 37,850 रुपये का जुर्माना लगाया। इसी प्रकार 288 वाहनों की चेकिंग के दौरान 132 वाहनों के खिलाफ एमवी एक्ट में कार्रवाई की गई और 46,950 रुपये का जुर्माना वसूला गया। पुलिस ने 7 वाहनों को सीज भी किया, जबकि 140 संदिग्ध व्यक्तियों की तलाशी ली।

सुरक्षा व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए बीडीएस टीमों और डॉग स्क्वॉड ने धार्मिक स्थलों, पर्यटन स्थलों और अन्य संवेदनशील स्थानों पर जांच की। एसएसपी डॉ. मंजूनाथ टीसी ने सभी अधिकारियों को सतर्क रहने, संवेदनशील इलाकों में गश्त बढ़ाने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही लोगों से अपील की है कि वे किसी भी संदिग्ध वस्तु या व्यक्ति की सूचना डायल 112 या निकटतम थाना पुलिस को दें। अभियान लगातार जारी रहेगा।

चिकन कॉर्नर में अवैध शराब का मिला जखीरा

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

- चिकन कॉर्नर की आड़ में शराब बेचने वाला पकड़ा
- आरोपी पकड़ में आया तो दी बच्चे पालने की दुहाई

अमृत विचार : शराब बेच कर बच्चे पालने की दुहाई देने वाले को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। उसने ऐसा तब बोला जब पुलिस के हत्थे चढ़ा और माफी मांगने लगा। मुखानी पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

पुलिस के मुताबिक, डहरिया धानमिल चौराहा सरस्वती बिहार निवासी प्रमोद आर्या पुत्र स्व. मदी राम आर्या छड़ायल चौराहे के पास हीरा चिकन कॉर्नर के नाम से दुकान चलाता है। बीते गुरुवार को पुलिस को सूचना मिली थी चिकेन कॉर्नर से शराब की अवैध बिक्री की जाती है। इस पर एसआई विरेंद्र चंद ने टीम के साथ उक्त चिकेन कॉर्नर पर छापेमारी कर दी। दुकान के अंदर पुलिस पहुंची तो प्रमोद शराब को छिपाने की कोशिश कर रहा था। पुलिस ने मौके से शराब की पेटी बरामद की, जिसमें 144 टेट्रा पैक थे। पकड़ते ही आरोपी पुलिस के सामने गिड़गिड़ाने लगा और माफी मांगते हुए बोला कि बच्चे पालने के लिए शराब बेचता हूं। थानाध्यक्ष दिनेश जोशी ने बताया कि आरोपी को मुकदमा दर्ज कर न्यायालय के आदेश पर जेल भेज दिया गया है।

किशोरी से दुष्कर्म मुकदमा दर्ज

रामनगर। नगर से लगे ग्रामीण क्षेत्र में किशोर द्वारा एक नाबालिग से दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने परिजनों की तहरीर पर पॉस्को एक्ट के अंतर्गत मुकदमा दर्ज किया गया है।

शुक्रवार को ग्रामीण क्षेत्र में एक नाबालिग युवती को एक किशोर ने रास्ते में रोक लिया और जबरन खेत में ले गया। उसके साथ छेड़खानी करते हुए दुष्कर्म किया। पीड़ित ने घर जाकर आपबीती बताई। परिजन अपनी पुत्री को लेकर कोतवाली पहुंचे और आरोपी के खिलाफ तहरीर देकर कार्यवाही की मांग की। कोतवाल सुशील कुमार ने बताया कि आरोपी के खिलाफ दुष्कर्म और पॉस्को एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है, नाबालिक का मेडिकल कराया गया है।

तैयारी | श्री गुरु तेग बहादुर की जयंती पर निकाली जाएगी शोभा यात्रा, कुछ रास्तों में प्रतिबंधित रहेगा यातायात

आज निकलेगी शोभा यात्रा, डायवर्ट रहेंगे शहर के मार्ग

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : श्री गुरु तेग बहादुर जयंती के उपलक्ष्य में 15 नवम्बर को शहर में निकलने वाली शोभा यात्रा के मद्देनज़र पुलिस-प्रशासन ने ट्रैफिक डायवर्जन प्लान जारी किया है। यह प्लान सुबह 10:30 बजे से शोभा यात्रा समाप्ति तक लागू रहेगा। अधिकारियों के अनुसार मुख्य मार्गों पर यात्रा के दौरान वाहनों का प्रवेश सीमित रहेगा और कुछ रूटों पर आवागमन पूर्णतः प्रतिबंधित किया गया है।

शोभा यात्रा सिख गुरुद्वारा श्री सिंह सभा, रामलीला मैदान से शुरू होकर ओके होटल, रोडवेज, तिकोनिया चौराहा होते हुए गुरु तेग बहादुर स्कूल तक जाएगी। यात्रा मुख्य मार्ग की दाहिनी लेन से ही चलेगी होगी। पर्वतीय क्षेत्र तथा टीपी नगर/मंडी क्षेत्र से आने-जाने वाले सभी बड़े व छोटे मालवाहक तथा आवश्यक सेवा के वाहन शोभा यात्रा समाप्ति तक केवल बाईपास मार्ग का उपयोग करेंगे।

रोडवेज, सिटी व सिडकुल बसों का संचालन

हल्द्वानी : रामपुर रोड, बरेली रोड और कालाढूंगी रोड से आने वाली बसें अपने निर्धारित रूट से होकर सीधे रोडवेज स्टेशन पहुंचेंगी। पर्वतीय क्षेत्र से आने वाली बसों को यात्रा की स्थिति के अनुसार नरीमन तिराहे से तिकोनिया होते हुए रोडवेज या फिर गौलापार रोड–ताज चौराहा मार्ग से डायवर्ट किया जाएगा। रोडवेज स्टेशन से बरेली/रामपुर रोड को जाने वाली बसों को यात्रा के ओके होटल–रोडवेज तिराहा क्षेत्र में होने तक स्टेशन पर ही रोका जाएगा। यात्रा पश्चिमी गेट पार करने पर बसों को आगे जाने की अनुमति दी जाएगी। कालाढूंगी रोड की ओर जाने वाली बसें पूर्वी गेट से वर्कशॉप लाइन, तिकोनिया, हाइडिल, पंचक्की और ऊंचापुल मार्ग से संचालित होंगी। पर्वतीय क्षेत्र को जाने वाली बसें पूर्वी गेट से तिकोनिया होकर नैनीताल रोड द्वारा भेजी जाएंगी।

नैनीताल रोड पर किसी भी प्रकार के मालवाहक वाहन के प्रवेश पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा।

पर्वतीय क्षेत्र की ओर से आने वाले छोटे वाहनों को नारिमन तिराहे से गौलापार रोड की ओर डायवर्ट किया जाएगा। काठगोदाम से शहर आने वाले वाहनों को स्थिति के अनुसार कॉलटैक्स–पंचक्की–लालढांठ मार्ग, महारानी होटल–सरस्वती रेस्टोरेंट–दोनहरिया/कुल्यालपुरा–पानी की टंकी मार्ग तथा शोभा यात्रा की लोकेशन के अनुरूप तिकोनिया से वर्कशॉप लाइन या नैनीताल बैंक तिराहे के रास्तों से भेजा जाएगा। आवास विकास तिराहा और तिकोनिया चौराहा से ठंडी सड़क की ओर किसी भी वाहन का प्रवेश पूर्णतः वर्जित रहेगा। मुख्य मार्ग से ठंडी सड़क के बीच आने वाले सभी कटों को भी बंद रखा जाएगा ताकि यात्रा के दौरान भीड़भाड़ की स्थिति न बने।

अमृत विचार

हल्द्वानी , शनिवार,15 नवंबर 2025

नैनीताल

सिटी ब्रीफ

धूम्रपान करते पर्यटकों का किया चालान

नैनीताल : तल्लीताल क्षेत्र में भीड़भाड़ के बीच सड़क पर सिगरेट पीना एक पर्यटक को भारी पड़ गया। पुलिस ने युवक के खिलाफ कोटपा एक्ट के तहत चालान काट दिया। घटना तल्लीताल डांठ की है, जहां पुलिस यातायात व्यवस्था संभाल रही थी। इसी दौरान राजस्थान निवासी हर्षित पुलिसकर्मियों के बिल्कुल पास खड़े होकर सिगरेट के कश लगाने लगा। पुलिसकर्मियों ने उसे समझाया, लेकिन वह नहीं माना और आगे बढ़कर धूम्रपान जारी रखा। इसके बाद एएसआई सुनील कुमार ने युवक को रोककर मौके पर ही धूम्रपान बंद करवाया और सार्वजनिक स्थान पर सिगरेट पीने के आरोप में चालानी कार्रवाई की। पुलिस ने कहा कि भीड़भाड़ व सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान पर प्रतिबंध है, उल्लंघन करने वालों पर कार्रवाई जारी रहेगी।

बाजपुर से एनआई एक्ट का आरोपी दबोचा

नैनीताल : एनआई एक्ट के तहत वांछित आरोपी को तल्लीताल थाना पुलिस ने शुक्रवार को बाजपुर से गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया। एएसआई सुनील कुमार ने बताया कि आरोपी अनिल चंद्र सेन पुत्र जयचंद्र सेन, निवासी हरिपुरा बाजपुर, ऊधमसिंह नगर एनआई एक्ट के तहत वांछित था। पुलिस उसकी तलाश कर रही थी। शुक्रवार को उसे बाजपुर से गिरफ्तार कर नैनीताल लाया गया, जहां से उसे कोर्ट में पेश किया गया।

अनुभव तिवारी को कुलपति गोल्ड मेडल

नैनीताल : डीएसबी परिसर के छात्र अनुभव तिवारी ने कुमाऊं विश्वविद्यालय के भूगर्भ विभाग में एमएससी में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए कुलपति गोल्ड मेडल हासिल किया है। अनुभव ने 8.31 सीजीपीए प्राप्त कर यह उपलब्धि अर्जित की। बचपन से ही मेधावी रहे अनुभव ने बीएससी से लेकर एमएससी तक की शिक्षा डीएसबी परिसर से पूर्ण की है। सम्मान समारोह में डीएसडब्ल्यू प्रो. संजय पंत, निदेशक एवं विजिटिंग प्रोफेसर प्रो. ललित तिवारी, उन्नत भारत अभियान के संयोजक प्रो. अनिल बिष्ट तथा संगीतकार डॉ. गगन होती द्वारा अनुभव को कुलपति गोल्ड मेडल, प्रमाण पत्र एवं डिग्री प्रदान की गई। सभी ने अनुभव के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। वर्तमान में अनुभव तिवारी लखनऊ में स्व-अध्ययन कर अपने आगामी लक्ष्य की तैयारी कर रहे हैं। वे वन विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. आशीष तिवारी के पुत्र हैं।

211.08 लाख से होगा कठघरिया पनियाली सड़क का चौड़ीकरण

1.700 किमी लंबे इस मार्ग के कार्य का विधायक बंशीधर भगत ने किया शिलान्यास

संवाददाता, कालाढूंगी

कठघरिया-पनियाली सड़क के चौड़ीकरण का शिलान्यास करते विधायक बंशीधर भगत। ● अमृत विचार

अमृत विचार: कठघरिया-पनियाली मोटर मार्ग के चौड़ीकरण से क्षेत्रवासियों को लंबे समय से चली आ रही जाम और खराब सड़क की समस्या से जल्द ही राहत मिलने वाली है। शुक्रवार को 1.700 किमी लंबे इस मोटर मार्ग के चौड़ीकरण एवं डामरीकरण कार्य का शिलान्यास विधायक बंशीधर भगत ने किया। 211.08 लाख की धनराशि से यह दोनों कार्य संपादित होंगे। शिलान्यास कार्यक्रम में क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों, ग्रामीणों और पार्टी पदाधिकारियों ने विधायक भगत का गर्मजोशी से स्वागत किया। लोगों ने सड़क निर्माण कार्य के लिए उनका आभार जताते हुए फूल-मालाओं से अभिनंदन किया।

कठघरिया-पनियाली सड़क लंबे समय से संकरी और जर्जर अवस्था में थी। जगह-जगह बने गड्ढों के कारण वाहनों का संचालन कठिन हो गया था। बारिश के दौरान तो स्थिति और भी बदतर हो जाती थी, जिससे स्कूल जाने वाले बच्चों, किसानों, मरीजों और दैनिक यात्रियों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ता था। विधायक भगत ने कहा कि क्षेत्रवासियों की यह मांग काफी समय से लंबित थी और वे लगातार इसके लिए प्रयासरत थे। उन्होंने कहा, सड़क के चौड़ीकरण और डामरीकरण से स्थानीय जनता को अब बेहतर, सुरक्षित और सुगम यातायात सुविधा मिलेगी। अपने संबोधन में विधायक भगत ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि कुछ लोग सड़क निर्माण जैसे महत्वपूर्ण विषय को भी राजनीति का मुद्दा बनाते रहे। इस दौरान अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग प्रत्युष कुमार, प्रदेश प्रवक्ता विकास भगत, ब्लॉक प्रमुख मंजू गौड़, क्षेपंस राधा सुयाल, ग्राम प्रधान कपिल देवका, दिनेश जोशी, प्रमोद तोलिया, कमल नयन जोशी, महेश शर्मा, मंडल अध्यक्ष संदीप सनवाल, अक्षय सुयाल, मंडल मंत्री मनीष आर्या, ग्राम प्रधान त्रिवेणी गयाल, गणेश साह, भीम बिष्ट, मनीष भट्ट, सुरेश गौड़, दिगंबर भोजक, दीपक सनवाल, गोविन्द बर्थी, पार्षद मनोज बिष्ट, शोभन भड़, पूरन गौड़, आनंद दुर्गापाल और राहुल अधिकारी सहित कई लोग उपस्थित रहे।

प्रभावितों के विस्थापन को भूमि का निरीक्षण

नैनीताल: मानसून सीजन के दौरान नैनीताल के ग्राम बजोन में हुए भूस्खलन में से प्रभावित परिवारों को राहत देने के लिए अब प्रशासन प्रभावितों को विस्थापित करेगा। जिसके लिए क्षेत्र में भूमि का चयन कर लिया है।

जिलाधिकारी ललित मोहन रयाल के निर्देशों पर शुक्रवार को अपर जिलाधिकारी शैलेंद्र नेगी के नेतृत्व में जिला स्तरीय सत्यापन टीम ने ग्राम बजोन पहुंचकर विस्थापन के लिए चयनित भूमि का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान ग्राम प्रधान, क्षेत्र पंचायत सदस्य तथा तीनों प्रभावित परिवारों के सदस्य भी मौजूद रहे। प्रभावित परिवारों ने प्रशासन द्वारा चयनित भूमि को उपयुक्त बताते हुए अपनी सहमति दी। अपर जिलाधिकारी शलेन्द्र नेगी ने बताया कि चयनित भूमि से संबंधित विस्तृत रिपोर्ट शीघ्र ही तैयार कर जिलाधिकारी को भेजी जाएगी, ताकि तीनों परिवारों के स्थायी पुनर्वास की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जा सके। निरीक्षण के दौरान उपजिलाधिकारी नैनीताल नवाजिश खलिक, लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता रत्नेश कुमार, सिंचाई विभाग के डीके. सिंह, भूवैज्ञानिक कामिनी, राजस्व विभाग की टीम, ग्राम प्रधान, क्षेत्र पंचायत सदस्य एवं प्रभावित परिवार उपस्थित रहे।

विवाह समारोह से रुपये और गहनों का बैग चोरी

संवाददाता, रामनगर

● पुलिस ने दो अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया

अमृत विचार: टियारा रिजॉर्ट रामनगर में आयोजित एक विवाह समारोह के दौरान गहनों और रुपयों से भरा बैग चोरी हो गया। चोरी की घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। पुलिस ने दो अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार विकास अग्रवाल पुत्र महेंद्र कुमार, निवासी एमएल पैलेस, आर्य समाज रोड, मोहल्ला ठेर, थाना संभल, जनपद संभल (उत्तर प्रदेश) ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 3 नवंबर को उनकी पुत्री अलीशा अग्रवाल का विवाह टियारा रिज़ॉर्ट में आयोजित किया गया था। विवाह में दोनों पक्षों के लगभग 300 परिचित लोग शामिल हुए थे। दिन में हल्दी सहित अन्य रस्में हुईं और रात्रि में मुख्य विवाह कार्यक्रम संपन्न हुआ। आरोप के अनुसार, रात लगभग 1 बजे वर-वधु आशीर्वाद कार्यक्रम के दौरान उनके दामाद शुभांकर अग्रवाल की माता कंचन अग्रवाल के पास एक भूरे रंग का बैग था। बैग में सोने के कुछ गहने, नकद रुपये, शादी में मेहमानों द्वारा दिए गए 30-40 लिफाफे तथा उनका मोबाइल फोन रखा हुआ था। लगभग 1:50 बजे किसी अज्ञात व्यक्ति ने यह बैग समारोह स्थल से चोरी कर लिया।

जब विवाह समारोह की वीडियो और होटल में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज चेक की गई तो उसमें दो अज्ञात व्यक्ति बैग ले जाते हुए दिखाई दिए, जिन्हें समारोह में आमंत्रित नहीं किया गया था। तहरीर में बताया गया कि इन्हीं दोनों व्यक्तियों द्वारा बैग व सामान चोरी किया गया है।

कोतवाली के वरिष्ठ उप निरीक्षक मोहम्मद यूनुस ने बताया कि अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी गई है। इधर स्थानीय लोगों का कहना है कि चोरों को जल्द पकड़ना आवश्यक है, अन्यथा ऐसी वारदातें शहर की छवि खराब कर सकती हैं।

जवान तंदुरुस्त, तो पुलिसिंग दुरुस्त

संवाददाता, नैनीताल

पुलिस लाइन में आयोजित कार्यक्रम में दिशानिर्देश देते एसएसपी डॉ. मंजूनाथ टीसी।

अमृत विचार: पुलिस लाइन नैनीताल में शुक्रवार को परेड का आयोजन किया गया। एसएसपी नैनीताल डॉ. मंजूनाथ टीसी ने शामिल होकर जवानों का मनोबल बढ़ाया। परेड की सलामी लेने के बाद उन्होंने जवानों की ड्रिल, टर्नआउट, फिटनेस और वेपन हैंडलिंग का निरीक्षण किया।

एसएसपी ने कहा कि शारीरिक फिटनेस और अनुशासन ही पुलिसिंग की सबसे बड़ी ताकत है, इसलिए हर जवान को हर परिस्थिति के लिए तैयार रहना होगा। उन्होंने टोलीवार ड्रिल कराकर एकरूपता बनाए रखने पर जोर दिया।

परेड के बाद एसएसपी ने पुलिस लाइन के भोजनालय, मदों और एमटी शाखा का निरीक्षण किया। भोजनालय में स्वयं भोजन का स्वाद लेकर उन्होंने गुणवत्ता को और बेहतर बनाने के निर्देश दिए। वहीं वाहनों की जांच कर संबंधित शाखाओं को कमियां दूर करने के सख्त निर्देश दिए। कहा कि शस्त्र जवानों की जीवन रेखा हैं, इसलिए प्रत्येक जवान को हथियारों की पूरी जानकारी और अभ्यास होना आवश्यक है। उन्होंने सभी थानों में हर मंगलवार परेड समय पर शस्त्र प्रशिक्षण कराए जाने के निर्देश दिए और क्षेत्राधिकारियों व पुलिस अधीक्षकों को औचक निरीक्षण करने को कहा। इस अवसर पर एसपी नैनीताल डॉ. जगदीश चंद्र, एसपी हल्द्वानी मनोज कुमार कत्याल, सहित जनपद के सभी सीओ कोतवाली और थाना स्तर के पुलिस अधिकारी मौजूद रहे.

26 एवं 27 नवम्बर को होगा विधि महोत्सव

रामनगर: 26 एवं 27 नवम्बर को रामनगर ट्रैक्स बार द्वारा दो दिवसीय विधि महोत्सव का भव्य आयोजन किया जाएगा। इस आयोजन की जानकारी ट्रैक्स बार के अध्यक्ष पूरन चंद्र पांडे एवं गौरव गोला ने दी। आयोजन समिति के अनुसार, यह कार्यक्रम अधिवक्ताओं, विधि छात्रों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और आम नागरिकों के लिए ज्ञानवर्धक एवं प्रेरणादायक मंच सिद्ध होगा। महोत्सव में पद्म श्री कल्याण सिंह रावत 'मैती' एवं मधुरी बर्थवाल मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगी। न्यायिक क्षेत्र के विशेषज्ञ, वरिष्ठ अधिवक्ता, विधि शिक्षक और समाजसेवी अपने विचार साझा करेंगे। अध्यक्ष पूरन चंद्र पांडे ने बताया महोत्सव का प्रमुख उद्देश्य युवाओं में कानून के प्रति रुचि बढ़ाना और उन्हें सामाजिक उत्तरदायित्व के प्रति जागरूक करना है।

छात्र पर कार्रवाई न होने से रोष

संवाददाता, भीमताल

फार्मेसी विभाग में बैठक में मौजूद लोग। ● अमृत विचार

अमृत विचार: भीमताल तेजी से शैक्षणिक हब के रूप में विकसित हो रहा है। देशभर से छात्र यहां पढ़ने आते हैं और विभिन्न पेइंग गेस्ट तथा किराए के कमरों में रहते हैं। लेकिन कई अभिभावकों को पता नहीं कि उनके बच्चे भीमताल में कहां रहते हैं।

फार्मेसी विभाग में एक बैठक में यह मुद्दा उस समय जोर पकड़ गया जब भाजपा जिला मंत्री मनोज भट्ट प्रकाश एक प्रकरण को लेकर परिसर पहुंचे। बताया कि कुछ दिन पूर्व एक छात्र व छात्रा से जुड़ा मामला नगर में चर्चा का विषय रहा था। छात्रा के अभिभावक उसे घर ले गए, जबकि संबंधित छात्र पर कोई कार्रवाई नहीं की गई। घटना के बाद से वह छात्र परिसर नहीं आ रहा है। भाजपा नेता ने संबंधित छात्र के निलंबन की मांग की और कहा कि यदि सोमवार तक निलंबन नहीं किया गया तो धरना-प्रदर्शन किया जाएगा। बैठक के दौरान यह भी सामने आया कि कई बाहर प्रांतों के अभिभावक इस बात से अनजान हैं कि उनके बच्चे भीमताल में किन स्थानों पर रह रहे हैं। बैठक में विभागाध्यक्ष डॉ. कुमुद उपाध्याय, डॉ. तीरथ सिंह, डॉ. अनिता सिंह, डॉ. लक्ष्मण सिंह रौतेला रहे।

> मामला संज्ञान में है। इस संदर्भ में 19 नवंबर 2025 को अभिभावकों की बैठक बुलाई गई है। साथ ही सभी पीजी संचालकों को भी बुलाने का प्रयास किया जा रहा है। विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागाध्यक्षों की बैठक भी आयोजित की जाएगी।
> **-डॉ. कुमुद उपाध्याय,** विभागाध्यक्ष, फार्मेसी विभाग

> हमने छात्र को निलंबित की मांग की है। यदि सोमवार तक निलंबन नहीं हुआ, तो परिसर का घेराव करेंगे।
> **-मनोज भट्ट प्रकाश,** जिला मंत्री, भाजपा

सिडकुल के मोटर मार्गों की दशा सुधारने की मांग

संवाददाता, भीमताल

धन सिंह राणा।

अमृत विचार: भीमताल के मल्लीताल क्षेत्र का एक बड़ा हिस्सा सिडकुल के अंतर्गत आता है। इस क्षेत्र में पिछले दो दशक से औद्योगिक घाटी लगातार बंद होते जा रही है जिसके चलते यहां कारोबार लगभग न के बराबर है। सिडकुल के अंतर्गत आने वाले इस क्षेत्र में अधिकांश औद्योगिक संस्थान बंद है या फिर खंडहर हो चुके हैं जिसके चलते इस क्षेत्र के रखरखाव आदि पर सिडकुल भी कोई विशेष ध्यान नहीं दे रहा है।

इस क्षेत्र के अंतर्गत मोटर मार्गों की दशा का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि यहां के निवासियों ने इस मोटर मार्ग का प्रयोग करना बंद कर दिया हैं। लेकिन वहीं जिन लोगों का इस मोटर मार्ग से गुजरना मजबूरी है, बताते हैं कि कई लोग इस मोटर मार्ग के गड्ढों में गिरकर चोटिल हो गए हैं।

भारतीय जनता पार्टी के युवा मोर्चा के अध्यक्ष और भागीरथी फाउंडेशन के उपाध्यक्ष धन सिंह राणा ने क्षेत्र के विधायक राम सिंह कैड़ा और जिला मंत्री मनोज भट्ट से मामले को संज्ञान में लेते हुए सिडकुल से इन मोटर मार्गों की दशा सुधारने की कार्यवाही करवाने की मांग की है।

सनवाल स्कूल का वार्षिकोत्सव संपन्न

संवाददाता, नैनीताल

सनवाल स्कूल के वार्षिकोत्सव कार्यक्रम प्रस्तुत करते बच्चे। ● अमृत विचार

अमृत विचार: नगर के प्रतिष्ठित सनवाल स्कूल का वार्षिकोत्सव रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ संपन्न हुआ।

कार्यक्रम उड़ान-प्रतिभा के पंख का शुभारंभ मुख्य अतिथि कैप्टन मृदुल शाह ने किया। स्कूल की प्रधानाचार्या ए इमैनुअल ने मुख्य अतिथि कैप्टन मृदुल शाह पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया। स्कूली छात्रों ने स्कूल बैंड के प्रदर्शन में अंग्रेजी गाने पर प्रस्तुति देकर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम में छात्राओं ने स्वागत नृत्य की बेहतरीन प्रस्तुति देकर कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए। इसके बाद कुमाऊंनी, गढ़वाली, बंगाली,असम, राजस्थानी, पंजाबी आदि संस्कृति से रूबरू कराया गया। बच्चों ने एक से एक बढ़कर कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी।

मुख्य अतिथि कैप्टन मृदुल शाह ने कहा कि सनवाल स्कूल पढ़ाई के साथ-साथ समग्र विकास के लिए सांस्कृतिक और खेलकूद व विभिन्न प्रतियोगिताओं में एक मील का पत्थर साबित हो रहा। इस मौके पर प्रबंधक गौरव सनवाल, कुमाँचल बैंक के अध्यक्ष विनय शाह, सेंट मैरीज कान्वेंट की प्रधानाचार्या सिस्टर मंजूषा, ऑल सेट्स कॉलेज की प्रधानाचार्या अंजीना रिचर्ड्स, वृंदावन स्कूल की प्रधानाचार्य राखी साह, रामा मोंटेसरी की प्रधानाचार्या नीलू एल्हेंस, सेंट जॉन्स स्कूल की प्रधानाचार्या विनीता रावत, सेंट जोसेफ कॉलेज के पूर्व प्रधानाचार्य इ इमैनुअल, आशा फाउंडेशन की अध्यक्ष आशा शर्मा, ईसा साह, आलोक साह, वेद साह, अभिभावक और छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

डीएसबी की टीम का इंटर कॉलेजिएट ट्रॉफी पर कब्जा

ट्रॉफी के साथ डीएसबी परिसर की वॉलीबॉल की विजेता टीम व अतिथि।

नैनीताल : डीएसबी परिसर की वॉलीबॉल टीम ने कुमाऊं विवि द्वारा आयोजित इंटर कॉलेजिएट वॉलीबॉल प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए खिताब अपने नाम किया।

फाइनल मुकाबले में डीएसबी परिसर ने एमबीपीजी कॉलेज, हल्द्वानी को हराकर ट्रॉफी पर कब्ज़ा जमाया। खेल अधिकारी डॉ. संतोष कुमार ने कहा कि इतने लंबे अंतराल के बाद मिली इस जीत ने परिसर का गौरव बढ़ाया है। टीम की कामयाबी पर डीएसडब्ल्यू प्रो. संजय पंत, प्रो. ललित तिवारी, प्रो. आरसी. जोशी, डॉ. गगनदीप होती, प्रो. सुषमा टम्टा, प्रो. गीता तिवारी, प्रो. नीलू, डॉ. रितेश साह, डॉ. दीपिका पंत, डॉ. अशोक कुमार, डॉ. नंदन मेहरा, डॉ. नवीन पांडे और डॉ. निधि वर्मा ने टीम को बधाई व शुभकामनाएं दीं हैं।

मालरोड और जू रोड से इंडस टावर चोरी

नैनीताल: तल्लीताल क्षेत्र में एयरटेल के दो इंडस टावर चोरी होने का मामला सामने आया है। पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार, एयरटेल सुपरवाइजर ललित मोहन ने बताया कि मालरोड स्थित चर्च के पास लगे इंडस टावर और जू रोड पर स्थापित टावर से रात में सेक्टर डाउन का अलार्म तकनीशियन के मोबाइल पर प्राप्त हुआ। तकनीशियन मौके पर पहुंचे तो दोनों स्थानों से टावर गायब मिले। जांच में सामने आया कि सीसीटीवी फुटेज में एक अज्ञात व्यक्ति टावर को निकालते हुए दिखाई दे रहा है, जिससे चोरी की पुष्टि हुई। एसओ मनोज नयाल ने बताया कि मामले में अज्ञात पर मुकदमा दर्ज कर सीसीटीवी फुटेज खंगाली जा रही है।

प्रशिक्षण | दो दिवसीय शोध पद्धति एवं शैक्षणिक लेखन प्रशिक्षण कार्यक्रम का हुआ समापन

रिसर्च मेथडोलॉजी व एकेडमिक राइटिंग ट्रेनिंग में शोधार्थियों ने दिखाई रुचि

संवाददाता, नैनीताल

दो दिवसीय शोध पद्धति एवं शैक्षणिक लेखन प्रशिक्षण कार्यक्रम में मौजूद शोधार्थी। ● अमृत विचार

अमृत विचार: कुमाऊं विश्वविद्यालय के आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी) द्वारा आयोजित दो दिवसीय शोध पद्धति एवं शैक्षणिक लेखन प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुक्रवार को सफलतापूर्वक समापन हुआ। कार्यक्रम में शोधार्थियों और युवा शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

आईआईटी रुड़की के प्रो. मनु गुप्ता ने डेटा संग्रहण एवं सैम्पलिंग तकनीक विषय पर विस्तृत व्याख्यान दिया। उन्होंने प्राथमिक और द्वितीयक डेटा की उपयोगिता, सैम्पलिंग फ्रेम, जनसंख्या एवं नमूना, सिंपल रैंडम और स्ट्रैटिफाइड सैम्पलिंग, नमूना आकार निर्धारण, सैम्पलिंग बायस तथा रिस्पॉन्स बायस जैसी अवधारणाओं को सरल एवं उपयोगी उदाहरणों के माध्यम से समझाया।

उन्होंने रिग्रेशन विश्लेषण, क्लासिफिकेशन मॉडल तथा डेटा आधारित निर्णय निर्माण की आधुनिक तकनीकों पर भी प्रकाश डाला। साथ ही कैगल, data.gov.in और मशीन लर्निंग रिपॉजिटरी जैसे डिजिटल प्लेटफॉर्म के व्यावहारिक उपयोग का प्रदर्शन किया। दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रो. जेएन. सिन्हा ने हाउ टू राइट ए पीएचडी. थीसिस एंड कन्वर्ट इट इंटू ए बुक विषय पर मार्गदर्शन दिया। उन्होंने शोध विषय चयन, साहित्य समीक्षा, शोध ढांचे, सीमाओं के उल्लेख और प्रभावी लेखन शैली पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि शोध-प्रबंध को पुस्तक स्वरूप में बदलते समय भाषा को सरल बनाना, शीर्षक को आकर्षक रखना, फुटनोट का कम उपयोग और सामग्री को पाठक-मैत्री बनाना आवश्यक है। उन्होंने पुस्तक प्रकाशन, रॉयल्टी और संपादन प्रक्रिया से जुड़े व्यक्तिगत अनुभव भी साझा किए। समापन सत्र की मुख्य अतिथि प्रो. दिव्या यू. जोशी रहीं। उन्होंने शोध पद्धति, भाषा कौशल, संदर्भ प्रबंधन और शैक्षणिक ईमानदारी के महत्व पर बल देते हुए प्रतिभागियों को नियमित लेखन और गुणवत्ता आधारित शोध के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम समन्वयक प्रो. रीतेश साह ने कहा कि उच्च गुणवत्ता वाले शोध और सुदृढ़ कार्यप्रणाली से ही विश्वविद्यालय की शैक्षणिक प्रतिष्ठा को नई ऊंचाइयां मिल सकती हैं। उन्होंने प्रतिभागियों को कार्यक्रम में प्राप्त ज्ञान को अपने शोध कार्य में शामिल करने की अपील की। अंत में प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र वितरित किए गए।

कार्यक्रम में डॉ. नंदन सिंह, डॉ. हर्ष चौहान, डॉ. सरोज, डॉ. अशोक उप्रेती, डॉ. सुरेश जोशी, डॉ. ऋचा गिनवाल, डॉ. दिलीप सहित अनेक संकाय सदस्य एवं शोधार्थी उपस्थित रहे।

क्षतिग्रस्त सड़क का 17 को होगा संयुक्त निरीक्षण

पीएमजीएसवाई अधिकारियों से वार्ता करते ब्लॉक प्रमुख केडी रूबाली।

संवाददाता, भीमताल

अमृत विचार : प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के अंतर्गत निर्मित हो रहे हरीश ताल-कौन्ता मोटर मार्ग का संयुक्त निरीक्षण 17 नवंबर 2025 को जनप्रतिनिधियों के साथ किया जाएगा। इस संबंध में जानकारी ब्लॉक प्रमुख ओखलकांडा केडी रूबाली ने प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना कार्यालय, काठगोदाम में अधिकारियों और ठेकेदार के साथ विस्तृत वार्ता के बाद दी। ब्लॉक प्रमुख ने सभी जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों से अपील की है कि वे 17 नवंबर को स्थल पर उपस्थित होकर अपने सुझाव अवश्य साझा करें।

सिटी ब्रीफ

उत्थान मंच में इनर व्हील क्लब ने बांटे उपहार

हल्द्वानी : बाल दिवस पर पर्वतीय उत्थान मंच स्थित कल्याणम स्कूल में इनरव्हील क्लब ने बच्चों को स्टेशनरी, खाने-पीने का सामान, पजल गेम्स और टी-शर्ट उपहार के रूप में प्रदान किए। कार्यक्रम में क्लब अध्यक्ष मधुर अग्रवाल, सचिव निवेदिता पांडे और सदस्य राशि, प्रीति, निधि, द्रौपदी, कल्पना, रेखा, रीता, किरन, सारिका, पायल, मीरा व कुसुम रहीं।

बाल दिवस पर स्कूलों में बांटा समान

हल्द्वानी : समाजसेवियों ने बाल दिवस पर 10 विद्यालयों के 300 से ज्यादा बच्चों को बाल दिवस पर फ्रूटी, बिस्कुट, चॉकलेट नमकीन आदि वितरित किए। हल्दूचौड़, विकासपुरी, देवरामपुर, हैड़ाग्राम, दीना,इन्द्रानगर आदि स्कूलों और आंगनबाड़ी केंद्रों में बच्चों को सामान वितरित किया गया। इस दौरान हेमंत गौनिया, वंश गौनिया, अमित रस्तोगी, हिमालय दिव्यांग समिति से मयंक शर्मा, अशोक कटारिया, नवल किशोर, कपिल, दिनेश सिंह आदि थे।

क्वींस में हुई फैंसी ड्रेस, चित्रकला प्रतियोगिताएं

हल्द्वानी : नैनीताल रोड स्थित क्वींस स्कूल में गुरुवार को बाल दिवस पर आयोजित कार्यक्रम की शुरुआत पं. जवाहरलाल नेहरू को श्रद्धांजलि देकर हुई। प्रधानाचार्य बीबी पांडे ने कहा कि बच्चे देश का भविष्य हैं, उनका सर्वांगीण विकास ही एक मजबूत राष्ट्र का निर्माण करता है। फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता, चित्रकला व पोस्टर मेकिंग, सांस्कृतिक नृत्य और गीत प्रस्तुतियां, नेहरू के जीवन पर आधारित नाटकों की प्रस्तुतियां दी। अध्यापकों ने विद्यार्थियों के रूप में प्रार्थना सभा की। बच्चों को सरप्राइज देने के लिए एक विशेष सांस्कृतिक प्रस्तुति दी, जिसे देख बच्चे काफी खुश हुए। विजेताओं को सम्मानित किया गया।

हर बच्चा शिक्षित हो यही था नेहरू का सपना

हल्द्वानी : स्वराज आश्रम में महानगर कांग्रेस की ओर से प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की जयंती और बाल दिवस मनाया गया। जिला महामंत्री मलय बिष्ट व ब्लॉक अध्यक्ष मोहन बिष्ट और हेम चंद्र पांडे ने कहा कि पंडित नेहरू बच्चों को राष्ट्र की असली शक्ति मानते थे। कहा कि बाल दिवस बच्चों के प्रति हमारी जिम्मेदारियों को याद करने का अवसर है। गोविंद बगडवाल, राजेन्द्र उपाध्याय, अमित रावत गिरीश पांडे, बबलू बिष्ट, शाद अली, संजू उप्रेती, ताहिर अली रहे।

एसकेएम स्कूल में आयोजित कार्यक्रम के दौरान मौजूद विद्यार्थी व शिक्षक। ● अमृत विचार

इनर व्हील क्लब राइजिंग स्टार हल्द्वानी ने आज कल्यानम स्पेशल स्कूल के बच्चों को उपहार दिये।

सारथी फाउंडेशन समिति के द्वारा प्राइमरी पाठशाला बमोरी मल्ली में बच्चों को गर्म कपड़े व उपहार बांटे।

बिड़ला में बाल दिवस पर हुए विशेष कार्यक्रम

विद्यार्थियों को जीवन में लक्ष्य निर्धारित करने, जिम्मेदार व अनुशासित नागरिक बनने के लिए किया गया प्रेरित

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : आर्यमान विक्रम बिड़ला इंस्टीट्यूट ऑफ लर्निंग में बाल दिवस कार्यक्रम की शुरुआत पं. जवाहरलाल नेहरू के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित से हुई। इसके बाद शिक्षकों ने प्रस्तुत विशेष प्रार्थना सभा में संस्कृत श्लोक, दैनिक प्रार्थना, आज का विचार, हास्य समाचार, हिंदी कविता, मनोरंजन खेल, गीत और नृत्य की आकर्षक प्रस्तुतियां दी।

कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण शिक्षक कमलेश तिवारी के पंडित नेहरू के वेश में मंच पर आगमन रहा, जिससे बच्चे रोमांचित हो गए। प्रधानाचार्य प्रवेश मेहरा ने छात्रों को जीवन में लक्ष्य निर्धारित करने और सिद्धार्थ व विवेकानंद से प्रेरणा लेने का संदेश दिया। उप-प्रधानाचार्य प्रकाश कुमार ने अनुशासन के महत्व पर जोर देते हुए विद्यार्थियों को जिम्मेदार और अनुशासित नागरिक बनने के लिए प्रेरित किया। प्रधानाध्यापिका वंदना टम्टा ने बाल दिवस का महत्व समझाया।

बिड़ला स्कूल में बाल दिवस पर विशेष प्रार्थना सभा में मौजूद शिक्षिकाएं। ● अमृत विचार

एसकेएम में सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने मन मोहा

हल्द्वानी, अमृत विचार : एसकेएम सीनियर सेकेंडरी स्कूल में बाल दिवस पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि दर्जा मंत्री शंकर कोरंगा रहे, जिन्होंने विद्यार्थियों को बाल दिवस की शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि बच्चे ही देश का वास्तविक भविष्य हैं और उन्हें उचित दिशा व अवसर प्रदान करना हम सबकी जिम्मेदारी है। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में यूट्यूब और फेसबुक इनफ्लुएंसर गीता कोरंगा (कूल पहाड़न) ने अपनी विशेष कॉमेडी प्रस्तुति से विद्यार्थियों, अभिभावकों और उपस्थित लोगों का मनोरंजन किया। इस दौरान विद्यार्थियों द्वाराने छोलिया नृत्य, राजस्थानी नृत्य, नेपाली नृत्य, साउथ इंडियन डांस, नुक्कड़ नाटक सहित अनेक रंगारंग प्रस्तुतियां दी। इस मौके पर स्कूल के प्रबंधक यूसी जोशी, सचिव पुष्पा जोशी, प्रधानाचार्या मोनिका शर्मा, उप प्रधानाचार्या भामिनी चौहान जोशी, प्रशासक ऋषभ जोशी उपस्थित रहे।

इनर व्हील क्लब ने बच्चों को बांटे उपहार

हल्द्वानी : इनर व्हील क्लब राइजिंग स्टार हल्द्वानी ने गुरुवार को कल्यानम स्पेशल स्कूल के विशेष रूप से सक्षम बच्चों के साथ बाल दिवस मनाया। क्लब ने बच्चों को योगा मैट, जिम बॉल्स, फूड पैकेट्स और 2100 की नकद राशि प्रदान की। कार्यक्रम के दौरान विशेष बच्चों ने सुंदर नृत्य प्रस्तुत किए, जिनमें क्लब सदस्य भी उत्साहपूर्वक शामिल हुए। क्लब का उद्देश्य इन बच्चों के जीवन में आनंद, प्रोत्साहन और सहयोग की रोशनी फैलाना रहा।

सारथी फाउंडेशन ने बच्चों के साथ काटा केक

हल्द्वानी : बाल दिवस पर सारथी फाउंडेशन समिति ने प्राथमिक विद्यालय बमौरी मल्ली, दुर्गा सिटी सेंटर में मनाया। कार्यक्रम में बच्चों ने सरस्वती वंदना, स्वागत गीत, देशभक्ति गीत, एकल गीत, सामूहिक नृत्य, योगा गीत और स्कूल बैंड की आकर्षक प्रस्तुति दी। इस दौरान समिति ने बच्चों के हाथों केक काटकर बाल दिवस मनाया और सभी को चॉकलेट, बिस्कुट और टॉफी बांटी। ठंड को देखते हुए समिति ने 40 बच्चों को वूलन स्वेटर उपहार में दिए। साथ ही स्कूल में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 15 विद्यार्थियों को शिक्षा से संबंधित गिफ्ट पैक भी दिए। कार्यक्रम का शुभारंभ समिति के संरक्षक गिरीश चंद्र लोहनी, अध्यक्ष नवीन पंत, सचिव ज्ञानेंद्र जोशी और विद्यालय की प्रधानाचार्या चंपा पुरोहित ने किया। अध्यक्ष नवीन पंत ने बच्चों को बाल दिवस की शुभकामनाएं दी। उन्होंने बताया कि समिति हमेशा जरुरतमंदों की सेवा करती है और प्रतिभाशाली बच्चों को आगे बढ़ाने के लिए कार्य करती रहेगी।

बाल दिवस पर कार्यक्रम में प्रस्तुति देतीं छात्राएं। ● अमृत विचार

मदर्स होम में रंगारंग कार्यक्रमों की धूम

कालाढूंगी : भारत के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की जयंती पर नगर के मदर्स होम स्कूल में बाल दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। उद्घाटन प्रबंधक बिरेन्द्र सिंह रौतेला और प्रधानाचार्या राधिका रौतेला ने किया। बच्चों ने रंग-बिरंगे परिधानों में नृत्य, गीत, नाटक सहित कई आकर्षक प्रस्तुतियां दीं। प्रबंधक बिरेन्द्र रौतेला ने बच्चों को नेहरू जी के आदर्शों और उनके बाल प्रेम के बारे में बताया। प्रधानाचार्या राधिका रौतेला ने नेहरू जी के बताए सिद्धांतों पर चलने का संदेश दिया। उत्कृष्ट व मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। शशि रौतेला, प्रविता गुणवंत, किरण जाशी, वर्षा सती रहे। **वहीं गोस्वामी विद्या मंदिर में बाल दिवस के अवसर पर सामाजिक कार्यकर्ता मयंक गुप्ता ने छात्रों को मिष्ठान वितरण किया।**

बाल दिवस पर मनाया स्थापना दिवस

हल्द्वानी : बाल दिवस और पं. जवाहरलाल नेहरू की जयंती पर साथी संगठन का चतुर्थ स्थापना दिवस मनाया गया। उच्चतर कन्या माध्यमिक विद्यालय के साथ ही अन्य निजी स्कूलों के बच्चों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मेयर गजराज सिंह बिष्ट और विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ भाजपा नेता व समाजसेवी जितेंद्र मेहता रहे। मेयर ने देश के प्रथम प्रधानमंत्री पं. जवाहरलाल नेहरू के औद्योगिक विकास व शिक्षा क्षेत्र में दिए गए अमूल्य योगदान को याद किया। इस दौरान सामाजिक कार्यकर्ता प्रेम बेलवाल, दिनेश लौशाली, डॉ. आशुतोष पंत, शांति जीना, साथी संगठन के अध्यक्ष आनंद सिंह भाकुनी, संस्थापक अध्यक्ष आनंद सिंह ठठोला, संरक्षक लीलाधर पांडे, और नंदा वल्लभ गुणवंत रहे।

बौद्धिक क्षमता व जीवनशैली ही तय करेंगी बच्चों का भविष्य

हल्द्वानी : बाल दिवस पर एक समाज श्रेष्ठ समाज संस्था ने दिव्य कार्य अभियान के तहत राजपुरा में बच्चों को पठन-पाठन सामग्री वितरित की। यह कार्यक्रम संस्था अध्यक्ष योगेंद्र कुमार साहू और सदस्य एकता कुमारी के नेतृत्व में आयोजित हुआ। अध्यक्ष योगेंद्र कुमार साहू और सदस्य मनीष साहू ने संयुक्त रूप से कहा कि बच्चे देश के भविष्य हैं, इसलिए उनका सही मार्गदर्शन, शिक्षा और संस्कार देना समाज का कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि बच्चों की वर्तमान आदतें, बौद्धिक क्षमता और जीवनशैली ही उनके उज्जवल भविष्य की नींव रखती हैं। अध्यक्ष योगेन्द्र कुमार साहू, कोषाध्यक्ष बलराम हालदार, एकता कुमारी, मनीष साहू, पूर्णिमा रजवार, संध्या कुमारी, जानकी देवी, अमन कुमार, सुशील राय, सूरज कुम्हार व मुकेश कुमार रहे।

एक समाज श्रेष्ठ समाज संस्था राजपुरा में बच्चों को पठन पाठन सामग्री बांटी।

रैली निकाल दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

हल्द्वानी : हिम्मतपुर तल्ला स्थित वुडलैंडस सीनियर सेकेंडरी स्कूल में बाल दिवस पर वार्षिक बाल मेले में फूड स्टॉल, गेम्स स्टॉल सहित विभिन्न प्रकार के आकर्षक स्टॉल लगाए। कार्यक्रम की शुरुआत स्पेशल असेंबली व स्वच्छता रैली के साथ हुई। रैली में बच्चों ने पर्यावरण संरक्षण, प्रकृति की रक्षा और संक्रामक रोगों से बचाव का संदेश दिया। फूड स्टॉल, हस्तकला स्टॉल और गेम्स स्टॉल का बच्चों और अभिभावकों ने भरपूर आनंद लिया। इसके बाद कला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। स्कूल के निदेशक अखिलेश धौनी ने कार्यक्रम में उपस्थित होकर बच्चों को प्रोत्साहित किया। उन्होंने बच्चों को जीवन में अपने लक्ष्य को स्पष्ट रखने और निरंतर सीखते रहने का संदेश दिया। निर्णायक मंडल में प्रज्ञा बिष्ट और रिपुदमन रहे।

वुडलैंड स्कूल में आयोजित कार्यक्रम में मौजूद विद्यार्थी व शिक्षक।

सृजन स्पास्टिक सोसायटी में मनाया गया बाल दिवस

सृजन स्पास्टिक सोसायटी में बाल दिवस पर कार्यक्रम। ● अमृत विचार

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: सृजन स्पास्टिक सोसायटी पीलीकोठी में बाल दिवस पर धूम रही। बच्चों ने रंगारंग कार्यक्रम किए और उन्हें उपहार वितरित किए गए। प्रधानाचार्य श्रद्धा कांडपाल ने बताया कि सोसायटी में विशेष बच्चों की पढ़ाई होती है।

एडीएचडी, ऑप्टिज्म आदि से पीड़ित बच्चों का मानसिक और शारीरिक विकास किया जाता है। इसी क्रम में हर त्योहार और दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है। इस दौरान दया जोशी, दीपा लोहनी, ममता पांडे थे।

दिव्यांग बच्चों संग मनाया बाल दिवस

संवाददाता, रामनगर

अमृत विचार: पीरूमदारा स्थित मेहरा पब्लिक स्कूल के मैनेजमेंट, टीचर्स और स्टाफ ने जेएसआर स्पेशल स्कूल में दिव्यांग बच्चों के बीच उपस्थित होकर बाल दिवस मनाया और बच्चों के लिए रात्रि भोजन का आयोजन किया। रात्रि भोजन की तैयारी के साथ-साथ स्कूल ने बच्चों के साथ मिलकर कई तरह के खेल और खेल संबंधित गतिविधियों में प्रतिभाग किया और बच्चों के साथ डांस किया।

मेहरा पब्लिक स्कूल के प्रबंधक पंकज सिंह मेहरा ने इस आयोजन के लिए सभी को धन्यवाद देते हुए कहा कि दिव्यांग बच्चे दया के पात्र नहीं है उनका मनोबल बढ़ाकर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया जाना जरूरी है। जेएसआर स्कूल प्रबंधन ने मेहरा पब्लिक स्कूल के इस प्रयास की सराहना की और कहा कि इस तरह के कार्यक्रम बच्चों में नई ऊर्जा और उत्साह का संचयन करते हैं ।

दिव्यांग बच्चों के बीच मेहरा पब्लिक स्कूल के शिक्षक एवं विद्यार्थी। ● अमृत विचार

मदर्स होम में रंगारंग कार्यक्रमों की धूम

रामनगर : मदर्स ग्लोरी पब्लिक स्कूल में बाल दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत पंडित जवाहरलाल नेहरू को नमन करते हुए की गई। बच्चों के लिए विशेष सांस्कृतिक कार्यक्रम, खेल-कूद गतिविधियां और मनोरंजक प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं जिनमें विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। शिक्षकों ने बच्चों के लिए विशेष प्रस्तुतियां दीं, जिससे बच्चों के चेहरे खिल उठे। विद्यालय की प्रधानाचार्य डॉ. मीना पांथरी ने भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू के जीवन परिचय से अवगत कराते हुए कहा कि वह बच्चों से अगाध स्नेह रखते थे इसीलिए उनके जन्मदिन को बाल दिवस के रूप में मनाया जाता था। उन्होंने बच्चों को बाल दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि बच्चे देश का भविष्य हैं और उनके सर्वांगीण विकास के लिए विद्यालय सदैव प्रयासरत रहेगा।

यूओयू में पत्रकारिता के विद्यार्थियों के लिए कार्यशाला शुरू

हल्द्वानी: उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के पत्रकारिता विभाग में एमएजेएमसी चतुर्थ सेमेस्टर के छात्रों के लिए चार दिवसीय विशेष कार्यशाला शुरू की। कार्यशाला में विद्यार्थियों को लघु शोध तैयार करने की विधि, तकनीक व आवश्यक चरणों का प्रशिक्षण दिया गया।

कार्यशाला के पहले दिन डॉ. गरिमा राय ने छात्रों को संचार शोध की अवधारणा, परिभाषा, शोध के क्षेत्र और शोध प्राविधि पर जानकारी दी। समाज विज्ञान संकाय की निदेशक प्रो. रेनू प्रकाश ने सामाजिक अनुसंधान की प्रक्रिया के बारे में बताया। वहीं पत्रकारिता विभाग के निदेशक प्रो. राकेश रयाल ने संचार शोध, विषय चयन और शोध निर्माण की तकनीकों को सरल और रोचक तरीके से समझाया। डॉ. राजेन्द्र सिंह क्वीरा ने संचालन किया।

शूटिंग रेंज में प्रशिक्षण शुरू चैंपियन किए जा रहे तैयार

फोटो संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: गौलापार स्थित इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में शूटिंग रेंज में खिलाड़ियों का प्रशिक्षण शुरू हो गया है। रेंज में 10 डमी पिस्टल उपलब्ध कराई गई हैं। इन पिस्टलों से खिलाड़ियों को लक्ष्य साधने का अभ्यास मिल रहा है, जबकि प्रशिक्षित खिलाड़ियों के लिए ओरिजनल एयर पिस्टल और राइफल भी उपलब्ध हैं।

खेल विभाग की ओर से बीते वर्ष 35 लाख रुपये की लागत से शूटिंग रेंज का निर्माण हुआ था, लेकिन उपकरणों के अभाव में खिलाड़ी सही प्रशिक्षण नहीं ले पा रहे थे। इससे रुझान होने के बाद भी युवा प्रवेश नहीं ले पा रहे थे। शुरुआती चरण में मात्र तीन खिलाड़ियों ने रेंज में एडमिशन कराया था, लेकिन अब यह संख्या 15 से अधिक हो चुकी है। रेंज में एयर पिस्टल चलाने के लिए सिलिंडर की भी व्यवस्था की गई है। कोच नितिन थापा ने बताया कि फिलहाल डमी पिस्टल से प्रशिक्षण दिया जा रहा है, जो खिलाड़ी कुछ हद तक सक्षम हो चुके हैं, उन्हें ओरिजनल एयर पिस्टल से निशानेबाजी सिखाई जा रही है।

सुबह और शाम दिया जा रहा प्रशिक्षण

प्रशिक्षण सुबह 6 से 8 बजे और शाम 4 से 6 बजे तक दिया जा रहा है। कोच थापा ने खिलाड़ियों से अपील की कि इच्छुक युवा शूटिंग प्रशिक्षण के लिए अपना रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं। नई शूटिंग रेंज के शुरू होने से क्षेत्र के युवाओं में उत्साह बढ़ गया है। उम्मीद है यहां से भविष्य के कई निशानेबाज आगे राज्य का नाम रोशन करेंगे।

कार्यक्रम | पीएनजी स्नातकोत्तर महाविद्यालय के स्वर्ण जयंती महोत्सव में पुरातन छात्र बोले-कालेज के सतत विकास के लिए जारी रहे संघर्ष

महाविद्यालय के स्वर्ण जयंती कार्यक्रम का रंगारंग समापन

संवाददाता, रामनगर

अमृत विचार: पीएनजी राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय का स्वर्ण जयंती महोत्सव का हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। महाविद्यालय के पूर्व छात्रों, संघों, अभिभावक-शिक्षक संघ, पुरातन छात्र समिति और अनुगूंज सांस्कृतिक सन्ध्या में रमेश बाबू गोस्वामी और हरमन दा के गायन एवं विभिन्न गणमान्य अतिथियों की सहभागिता से कार्यक्रम यादगार बन गया। समापन के दौरान पुरातन छात्रों ने वर्तमान छात्रों सुझाव दिया कि वह महाविद्यालय के विकास के लिए सकारात्मक ऊर्जा के साथ संघर्ष करे।

इससे पूर्व समापन समारोह का शुभारंभ मुख्य अतिथि विधायक रामनगर दीवान सिंह बिष्ट,कार्यक्रम

समापन समारोह कार्यक्रम में बोलते प्राचार्य। ● अमृत विचार

अध्यक्ष प्राचार्य प्रो. एम. सी. पाण्डे, विशिष्ट अतिथि पीटीए अध्यक्ष डूंगर सिंह कनवाल, पुरातन छात्र परिषद् अध्यक्ष गणेश रावत एवं पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष सुरेन्द्र सिंह नेगी द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलन कर किया गया। मुख्य अतिथि दीवान सिंह बिष्ट ने कहा कि महाविद्यालय की स्वर्ण जयन्ती शिक्षा, संस्कृति और सामाजिक उत्तरदायित्व के क्षेत्र में निरंतर उत्कृष्ट कार्य करने वाले संस्थान अन्यों को प्रेरित कर पूरे क्षेत्र को गर्व होने का अवसर देते हैं। प्राचार्य प्रो. एमसी. पाण्डे ने अतिथियों का अभिनन्दन कर छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि वे अनुशासन, परिश्रम और सकारात्मक चिन्तन के साथ ऊंचे लक्ष्यों को हासिल करें। विशिष्ट अतिथि डूंगर सिंह कनवाल,गणेश रावत एवं सुरेन्द्र सिंह नेगी ने कहा महाविद्यालय क्षेत्र के हजारों विद्यार्थियों के जीवन को दिशा देना वाला प्रकाश रूप वटवृक्ष है। समारोह में स्थापना वर्ष के छात्र चन्द्रशेखर वैला, वरिष्ठ पत्रकार विनोद पपनै, नवीन चन्द्र तिवारी, शेर सिंह लटवाल, प्रभात ध्यानी, भूपेंद्र खाती ने महाविद्यालय के गौरव पूर्ण इतिहास को रखा। सुमन जोशी, डॉ. बीएम. गुप्ता, नंदन सिंह नेगी, संजय डौर्बी, नवीन नैथानी, हेमन्त रावत, डॉ.निशांत पपनै, रोहित मेहरा, राहुल रावत, एडवोकेट पूरन चंद्र पाण्डे,पंकज मैन्दोलिया, त्रिलोक रावत, रवि रावत, चंचल गोला, गोविंद पाटनी, जुल्फिकार अली, भगवती पनेरु मौजूद थे। कार्यक्रम में महाविद्यालय की समृद्ध शैक्षिक परंपरा को आगे बढ़ाने वाले वरिष्ठजनों को भी सम्मानित किया गया। पूर्व प्राचार्य डॉ. हेमा प्रसाद, प्रो. जीसी पंत, डॉ. केके पंत,डॉ. भावना पंत, डॉ. दीपक खाती, डॉ. ममता जोशी इन सभी वरिष्ठ विद्वानों ने महाविद्यालय के विकास, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं संस्थागत मूल्यों को सुदृढ़ करने में अपने महत्त्वपूर्ण विचार साझा किए। संचालन डॉ. डीएन जोशी एवं धन्यवाद चीफ प्रॉक्टर प्रो. एसएस मौर्य द्वारा किया गया। यहां डॉ. पुनीता कुशवाहा, डॉ. लवकुश, प्रो. जेएस नेगी, प्रो.अनुमिता अग्रवाल, प्रो.अनीता जोशी, डॉ. प्रमोद जोशी, डॉ. मूलचन्द्र शुक्ल, डॉ.सुरेश चन्द्रा, डॉ. शिप्रा पन्त, डॉ. कुसुम गुप्ता, डॉ. नीमा राणा, डॉ.विजय कुमार रहे।

महाविद्यालय में हुई प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने दिखाया अपना हुनर

संवाददाता, हल्दूचौड़

अमृत विचार: लाल बहादुर शास्त्री राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, हल्दूचौड़ में उत्तराखंड शासन एवं उच्च शिक्षा निदेशालय के निर्देशानुसार वन्दे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर विविध प्रतियोगिताओं का साप्ताहिक आयोजन किया गया। प्राचार्य की अध्यक्षता में प्रतिदिन राष्ट्रगान और वन्दे मातरम् गीत के साथ कार्यक्रम की शुरुआत होती रही।

वन्दे मातरम् चित्रकला प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर मोनिका भट्ट, द्वितीय स्थान पर ओशी नेगी और तीसरे स्थान पर अंजलि ठाकुर, चतुर्थ स्थान में मुस्कान अग्रहरि, रश्मि जोशी पंचम स्थान पर रहीं। ऐपण प्रतियोगिता में ओशी नेगी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। क्विज प्रतियोगिता में मुस्कान अग्रहरि, रिया पांडेय, सावन मेहता और खुशबू परगाई की टीमों ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त किया।महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो. (डॉ.) सीमा श्रीवास्तव ने विजेताओं के नामों की घोषणा की और सभी प्रतिभागियों को पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किए। यहां प्रो. (डॉ.) ललित मोहन पाण्डेय, संयोजक डॉ. हेम चन्द्र पाण्डे एवं डॉ. प्रदीप मंडल, डॉ. इन्द्र मोहन पंत, डॉ. गीता तिवारी पाण्डेय, डॉ. मनोज कुमार जोशी, डॉ. सुनीता भंडारी, डॉ. संजय कांडपाल, डॉ. भारत सिंह डोबाल आदि रहे।

एलबीएस महाविद्यालय हल्दूचौड़ में पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र प्राप्त करते प्रतिभागी।

अमृत विचार

हल्द्वानी , शनिवार,15 नवंबर 2025

रुद्रपुर

बिहार में ऐतिहासिक जीत पर भाजपाइयों ने मनाया जश्न

आतिशबाजी और मिष्ठान वितरण कर जताई खुशी, विधायक अरोरा पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ कार्यालय पर जीत से गदगद दिखे, ढोल-नगाड़े बजाये

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए बीजेपी की अब तक की सबसे ऐतिहासिक जीत पर विधायक शिव अरोरा ने अपने कार्यालय पर पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ आतिशबाजी व मिष्ठान वितरण कर खुशी का इजहार किया।

शुक्रवार को कार्यक्रम के दौरान विधायक अरोरा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के करिश्मायी नेतृत्व व बिहार के मुख्यमंत्री नितीश कुमार की जनप्रिय नीति कुशल शासन पर भरोसा करते हुए बिहार की जनता ने यह अभूतपूर्व अब तक की सबसे बड़ी जीत हासिल की है। वहीं विधायक अरोरा पार्टी कार्यकर्ताओं के संग कार्यालय पर जीत से गदगद दिखे। इस दौरान उन्होंने खूब आतिशबाजी की और ढोल नगाड़ों पर जमकर झूमे और मिष्ठान खिलाकर कार्यकर्ताओं ने विधायक अरोरा को जीत की बधाई दी।

उन्होंने बताया कि बिहार विधानसभा चुनाव में वे मुजफरपुर जिले की औरई विधानसभा सीट पर प्रभारी बनकर गये थे जो काफी कठिन सीट मानी जा रही थी। मगर विधायक शिव अरोरा के कुशल प्रबंधन व सूझ बुझ के चलते औरई सीट भी भाजपा प्रत्याशी रमा निषाद ऐतिहासिक मतों के अंतर से जीती। उन्होंने कहा कि निश्चित रूप से औरई के देवतुल्य कार्यकर्ताओं के कठिन मेहनत व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जैसे नेतृत्व क्षमता की ताकत के चलते यह विजय हासिल हुई है।

इस अवसर पर भाजपा नेता सुरेश कोली, जिला महामंत्री तरुण दत्ता, वेद ठुकराल, उपेंद्र चौधरी, गुरबाज सिंह, राजेश बजाज, रोशन अरोरा, मंडल अध्यक्ष मुकेश पाल, धीरेश गुप्ता, जगदीश विश्वास, राजकुमार साह, हिमांशु शुक्ला, गजेंद्र प्रजापति, मोर सिंह, पार्षद पवन राणा, राजेंद्र राठौर, कैलाश राठौर, मुकेश रस्तोगी, राधेश शर्मा, पिंटू पाल, महेश कोली, चंद्रसेन चंदा, शंकर विश्वास, विष्णु सिंह, सतनाम सिंह, मनोज मदान आदि मौजूद रहे।

बिहार में जीत की खुशी पर कार्यकर्ताओं के साथ जश्न मनाते विधायक शिव अरोरा। ● अमृत विचार

खटीमा में जश्न मनाते भाजपा कार्यकर्ता। ● अमृत विचार

बाजपुर में भी भाजपा कार्यकर्ताओं ने जमकर जश्न मनाया

बाजपुर : बिहार विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी की ऐतिहासिक जीत से उत्साहित पार्टी कार्यकर्ताओं ने शुक्रवार को भगत सिंह चौक पर जमकर जश्न मनाया। कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को इस निर्णायक जीत पर हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि बिहार की जनता ने एक बार फिर विकास, सुशासन और स्थिरता के पक्ष में मतदान कर भाजपा पर अपना अटूट विश्वास जताया है। वहीं चौराहे पर ढोल-नगाड़ों की गूंज और आतिशबाजी के बीच कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे का मुंह मीठा कराकर जीत की बधाई दी। इस मौके पर दर्जा राज्यमंत्री (गन्ना) मंजीत सिंह राजू, भाजपा के पूर्व विधानसभा प्रत्याशी रहे राजेश कुमार, भाजपा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य मोहन पाल, विहिप गौरक्षा विभाग के प्रांत मंत्री यशपाल राजहंस, सांसद प्रतिनिधि योगेश मुनगली, जयराम सिंघल, स्तुति गुप्ता, बिट्टू चौहान, संदीप गुप्ता, रिंकू शर्मा, आशीष ठाकुर, तनिकेत पासी, नरेंद्र चौधरी, शुभम पांडेय, इदरीश अहमद आदि मौजूद रहे।

बाजपुर के भगत सिंह चौक पर खुशी मनाते भाजपाई। ● अमृत विचार

बिहार में एनडीए की भारी जीत पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने जताया हर्ष

खटीमा : बिहार के विधानसभा चुनाव में एनडीए को भारी बहुमत मिलने पर भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं ने मुख्य चौराहे पर एकत्रित होकर जमकर आतिशबाजी की और मिष्ठान वितरण किया। मिष्ठान वितरण करने वालों में नगर पालिकाध्यक्ष रमेश चंद्र जोशी, वरिष्ठ भाजपा नेता दान सिंह रावत, नगर अध्यक्ष जीवन धामी, पूर्व महामंत्री मनोज वाधवा, विवेक रस्तोगी, रणदीप पोखरिया, गोपाल बोरा, भवानी भंडारी, संतोष अग्रवाल, अमित पांडे, अंजू देवी, नीलू गुप्ता, नवल वाल्मीकि, बिमला बिष्ट, सूरज धामी, दीपक तिवारी, सतीश भट्ट, शशांक वर्मा आदि मौजूद रहे।

सिटी ब्रीफ

पुरानी रंजिश के चलते दो पक्षों में मारपीट

बाजपुर : पुरानी रंजिश के चलते दो पक्षों में मारपीट हो गई, जिसमें पति-पत्नी घायल हो गए। ग्राम महेशपुरा निवासी 24 वर्षीय राजकुमार व 22 वर्षीय सोनी का शुक्रवार की सुबह नौ बजे पड़ोसी परिवार से पुरानी रंजिश के चलते विवाद हो गया। विवाद इतना बढ़ गया कि दोनों पक्षों में जमकर मारपीट होने लगी। जिसमें राजकुमार घायल हो गया, जबकि उसकी पत्नी के भी चोटें आई हैं, जिसमें राजकुमार को पुलिस के माध्यम से सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां से चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार देकर उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया है। घायल सोनी ने बताया कि पड़ोसी परिवार के चलते उसके पुरानी रंजिश रखते हैं। पति राजकुमार सुबह मजदूरी करने के लिए गए थे कि पड़ोसियों ने उसके साथ गाली-गलौज व मारपीट कर दी।

पुलिस ने सीएससी सेंटरों का सत्यापन किया

बाजपुर : पुलिस ने शुक्रवार को ग्राम मुड़िया कलां, मुड़िया पिस्तौर, नगर पालिका के नजदीक संचालित सीएससी सेंटरों पर जाकर सत्यापन किया। सीओ विभव सैनी के नेतृत्व में टीम ने सेंटरों का निरीक्षण किया और इन सेंटरों पर दस्तावेजों को चेक किया गया।

कार्यालय नगरपालिका परिषद, नैनीताल

पत्रांक: 1483/X-6 **नोटिस** दिनांक: 14-11-2025

1. श्री लक्की गुप्ता पु० स्व० श्री राकेश गुप्ता निवासी ई-82 अवंतिका कालोनी, एम.डी.ए. मुरादाबाद, उ०प्र०।
2. श्री विवेक गुसाई पुत्र श्री अर्जुन सिंह गुसाई अधीकृत प्रतिनिधि इंडियन बैंक निवासी गली नं० 3, एच 63 गढवाली मोहल्ला लक्ष्मी नगर ईस्ट दिल्ली।
3. श्री देवेन्द्र श्रीवास्तव पु० श्री विरेन्द्र श्रीवास्तव एवं श्रीमती नताशा श्रीवास्तव पत्नी श्री देवेन्द्र श्रीवास्तव, श्री दिनेन्द्र श्रीवास्तव पुत्र श्री विरेन्द्र नाथ श्रीवास्तव निवासी 301/302/307 एलडिको ग्रीन अपार्टमेन्ट, रॉयल 1 एलडिको गौन गोमती नगर लखनऊ।

आपको नगर पालिका अधिनियम की धारा 147 की उपधारा (1), (2) व (3) के अधीन एतद् नोटिस द्वारा सूचित किया जाता है कि नगर पालिका परिषद नैनीताल के भवन और भूमि सम्पत्ति मूल्यांकन एवं कर निर्धारण सूची में क्षेत्र सं० 1 भवन से 242/3 अपर कैसल्टन कम्पा० तल्लीताल नैनीताल स्थित सम्पत्ति जो पालिका अभिलेखों में श्री देवेन्द्र श्रीवास्तव पु० श्री विरेन्द्र श्रीवास्तव एवं श्रीमती नताशा श्रीवास्तव पत्नी श्री देवेन्द्र श्रीवास्तव, श्री दिनेन्द्र श्रीवास्तव पुत्र श्री विरेन्द्र नाथ श्रीवास्तव के नाम से दर्ज चली आ रही है के सम्बन्ध में निम्नलिखित संशोधन और परिवर्तन करने का निश्चय किया गया है।

उक्त सम्पत्ति की प्रविष्टी मूल्यांकन एवं कर निर्धारण सूची में की जाये तथा इस सम्पत्ति में आपका नाम स्वामी के रूप में अंकित किया जाए तथा इस सम्पत्ति का वार्षिक मूल्यांकन एवं वार्षिक भवन कर व सफाई कर नियमानुसार निर्धारित किया जाना प्रस्तावित है।

पंजीकृत विकय लेखपत्र दिनांक 18-09-2025 की प्रमाणित प्रतियों एवं शपथ पत्र के आधार पर उक्त सम्पत्ति के स्वामित्व अधिकार का अन्तरण हो जाने के कारण मूल्यांकन सूची में अंकित श्री देवेन्द्र श्रीवास्तव पु० श्री विरेन्द्र श्रीवास्तव एवं श्रीमती नताशा श्रीवास्तव पत्नी श्री देवेन्द्र श्रीवास्तव, श्री दिनेन्द्र श्रीवास्तव पुत्र श्री विरेन्द्र नाथ श्रीवास्तव के स्थान पर श्री विवेक गुसाई पुत्र श्री अर्जुन सिंह गुसाई अधीकृत प्रतिनिधि इंडियन बैंक का नाम अंकित करने तथा श्री विवेक गुसाई पुत्र श्री अर्जुन सिंह गुसाई अधीकृत प्रतिनिधि इंडियन बैंक के स्थान पर अंतरित श्री लक्की गुप्ता पु० स्व० श्री राकेश गुप्ता का नाम अंकित किया जाना प्रस्तावित है।

अतः उपरोक्त प्रस्तावित संशोधन और परिवर्तन या मूल्य निर्धारण के सम्बन्ध में आपको कोई आपत्ति हो जो स्पष्ट तर्क संगत तथ्यों सहित अपनी आपत्ति लिखित रुप में स्वयं या अपने अभिकर्ता द्वारा इस नोटिस की तामील के दिनांक से एक माह के अंदर अधोहस्ताक्षरी को प्रेषित करें अन्यथा निर्धारित अवधि समाप्त होने वाले दिनांक के अगले दिन या उसके बाद संशोधन और परिवर्तन या मूल्य निर्धारण जैसी भी स्थिति हो का अधिप्रमाणिकरण कर दिया जायेगा।

अधिशासी अधिकारी
नगर पालिका परिषद, नैनीताल

उत्तराखण्ड पावर कार्पोरेशन लि०
कार्यालय अधिशासी अभियन्ता
विद्युत वितरण खण्ड
सितारगंज, ऊधमसिंह नगर

पत्रांक- 3418/ वि०वि०ख०(ख०) दिनांक : 14/11/2025

विद्युत बाधित सूचना

मुख्य प्रबन्धक, 220/132 के०वी० सितारगंज सब स्टेशन पावर ग्रिड कॉरपोरेशन ऑफ ईण्डिया, सितारगंज के पत्रांक PG/NR-3/STG/AM/OUTAGE-132KV Date 04-11-2025 के कम में दिनांक 16.11.2025 को 220/132 के०वी० सब स्टेशन का शट्डाउन चाहा गया है उपरोक्त क्रम में विद्युत वितरण खण्ड उपाकालि सितारगंज के समस्त श्रेणी के सम्मानित विद्युत उपभोक्ताओं को सूचित किया जाता है कि दिनांक 16.11.2025 को समय प्रातः 09:00 बजे से 17:00 तक सम्पूर्ण सितारगंज टाउन /ग्रामीण क्षेत्र तथा सिडकुल क्षेत्र के समस्त श्रेणी के विद्युत उपभोक्ताओं की विद्युत आपूर्ति आंशिक / पूर्ण रूप से बाधित रहेगी। कृपया सूचना जानें एंव उक्त समय पर अपने स्तर से वैकल्पिक व्यवस्था बनाये रखें। असुविधा के लिये खेद है।

राष्ट्रहित में बिजली बचायें।

(ई० सी० एस० बस्नेत)
अधिशासी अभियन्ता
विद्युत वितरण खण्ड उपाकालि
सितारगंज

अमृत विचार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें
9532374039 8077909468

सूचना

मेरा हाई स्कूल (वर्ष 2011)एवं इंटरमीडिएट (वर्ष 2013) उत्तराखंड विद्यालय शिक्षा परिषद से उत्तीर्ण के अंक पत्र एवं प्रमाण पत्र, स्नातक B.A(वर्ष 2016) एवं स्नाकोत्तर M.A (वर्ष 2018) एवं ITI के प्रमाण पत्र एवं अंक सूची जो कि उत्तराखंड तकनीकी शिक्षा बोर्ड से (वर्ष 2013- 15) में उत्तीर्ण की थी के मूल शैक्षिक अभिलेख एवं आधार कार्ड व पैन कार्ड वास्तव में कहीं खो गए हैं जो की काफी खोजबीन के बाद भी नहीं मिल पाए हैं। - **मोहित पाठक पुत्र श्री जगदीश चंद्र पाठक ग्राम सैंज, पो.डोबा, जिला अल्मोड़ा**

कार्यालय नगर निगम, अल्मोड़ा

पत्रांक : 1454/7-2(2025-26) **निविदा सूचना** दिनांक : 14/11/2025

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है नगर निगम, अल्मोड़ा में स्थित निम्नानुसार हाईटैक शौचालय की 03 वर्ष संचालन हेतु सील बंद निविदाएँ दिनांक 01.12.2025 को दोपहर 2:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। जो तदिदनांक को सायं 04:00 बजे कार्यालय में उपस्थित निविदादाताओं एवं उनके द्वारा अधिकृत प्रतिनिधियों के सम्मुख निविदा समिति द्वारा खोली जायेगी। निविदा संबंधी विस्तृत जानकारी / शर्तें नगर निगम, अल्मोड़ा के कर अनुभाग से प्राप्त की जा सकती है।

क्र०सं०	निविदा का नाम	धरोहर राशि	निविदा प्रपत्र मूल्य
1	हाईटैक शौचालय मुंशी हरि प्रसाद टम्टा धर्मशाला के सामने माल रोड अल्मोड़ा के आवंटन हेतु।	पचास हजार	1000+18% GST
2	माल रोड स्थित हाईटैक शौचालय अल्मोड़ा के आवंटन हेतु।	चालीस हजार	1000+18% GST

(रामजी शरण शर्मा)
नगर आयुक्त
नगर निगम, अल्मोड़ा

(अजय वर्मा)
महापौर
नगर निगम, अल्मोड़ा

नामांकन प्रकिया पूरी आज होगी जांच

खटीमा: त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के समय विकासखंड की ग्राम पंचायतों के 169 ऐसे वार्ड थे जिनपर किसी प्रत्याशी ने नामांकन पत्र दाखिल नहीं किया था। जिनपर शुरू हुई नामांकन प्रक्रिया में 161 वार्ड में सदस्य पदों के लिए 175 प्रत्याशियों ने नामांकन पत्र दाखिल किया। वहीं इस बार भी आठ वार्डों में किसी प्रत्याशी ने नामांकन पत्र दाखिल नहीं किया है। नामांकन पत्रों की जांच आज होगी।

विकासखंड की ग्राम पंचायतों के रिक्त पड़े 169 वार्डों के ग्राम पंचायत सदस्य पद के लिए बृहस्पतिवार को 65 और शुक्रवार की 110 सहित कुल 175 प्रत्याशियों ने नामांकन पत्र दाखिल किया। इस संबंध में पूछने पर एडीओ पंचायत शबनम कुरैशी ने बताया कि रिक्त पड़े 169 वार्डों में से 161 वार्डों के लिए 175 प्रत्याशियों ने नामांकन पत्र दाखिल किया है। उन्होंने बताया इस बार भी आठ वार्डों के लिए किसी भी प्रत्याशी ने नामांकन दाखिल नहीं किया है जो रिक्त रह जाएंगे। उन्होंने कहा कि शनिवार प्रातः 10 बजे से शाम पांच बजे तक नामांकन पत्रों की जांच की जाएगी जबकि 16 नवंबर को प्रातः 10 बजे से शाम तीन बजे तक नाम वापसी और उसके बाद कार्य समाप्ति तक प्रत्याशियों को चुनाव चिह्न आवंटित किए जाएंगे।

मुख्यमंत्री धामी की कड़ी फटकार का असर

संवाददाता, खटीमा

अमृत विचार: खटीमा-मझोला मार्ग के खस्ताहाल को देख निर्माण कार्य शुरू न करने पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने नेशनल हाईवे के अधिकारियों की कड़ी फटकार लगाई थी। जिसका असर शुक्रवार को नजर आया जब एनएच ने खटीमा-मझोला मार्ग का शुक्रवार को निर्माण कार्य शुरू कर दिया।

बता दें कि खटीमा-मझोला मार्ग के जीर्णोद्धार के लिए एक माह पूर्व टेंडर हो गया था लेकिन नेशनल अथार्टी ने कम शुरू नहीं किया था। गुरुवार को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी अपने दो दिवसीय दौरे पर इस मार्ग पर पहुंचे और स्थलीय निरीक्षण किया और इस राष्ट्रीय राजमार्ग के दुर्दशा को लेकर कड़ी नाराजगी जताते हुए एनएच के अधिकारियों को कड़ी फटकार भी लगाई तथा खटीमा मझोला राष्ट्रीय राजमार्ग की मरम्मत व सुधारीकरण के कार्य तत्काल शुरू करने के निर्देश दिए थे। वहीं एसकेएस निर्माण वाणिज्य प्राइवेट लिमिटेड कंपनी हरियाणा के साइड इंजीनियर भुवन गहतोड़ी ने बताया कि खटीमा-मझोला राष्ट्रीय मार्ग पर प्रथम चरण का कार्य शुक्रवार को शुरू कर दिया गया है। मिलिंग मशीन लगी हुई है जिससे स्क्रेपिंग का कार्य चल रहा है। दूसरे चरण में मझोला से चारूबेटा तक 9 किलोमीटर डब्ल्यूएमएम का कार्य किया जाएगा। इसके उपरांत मझोला से खटीमा तक 13 किलोमीटर सड़क का डीबीएम होगा और फिर बीसी किया जाएगा। उन्होंने बताया कि लगभग चार-पांच महीने में रोड निर्माण का कार्य पूरा हो जाएगा। साथ ही उन्होंने बताया कि कार्य शुरू हो गया है और लगातार चलता रहेगा। उन्होंने कहा कि मिलिंग मशीन, जेसीबी, रोलर, वाइब्रेटर आदि टेक्निकल मशीनें आ चुकी हैं। शेष मशीनें और संसाधन जल्द पहुंच जाएंगे। लगभग चार-पांच दिन में प्लांट पूरी तरह व्यवस्थित हो जाएगा। उसके बाद डब्ल्यूएमएम का कार्य भी तुरंत प्रारंभ हो जाएगा। साइड इंजीनियर गहतोड़ी ने कहा कि इस मामले में मुख्यमंत्री धामी का भी सख्त आदेश है।

खटीमा में मझोला मार्ग पर शुरू हुआ मार्ग के जीर्णोद्धार का काम। ● अमृत विचार

खटीमा में जनप्रतिनिधियों की समस्याएं सुनते मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सुनीं समस्याएं

खटीमा : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने खटीमा भ्रमण के दूसरे दिन शुक्रवार को अपने आवास नगला तराई और लोहियाहेड स्थित हेलीपेड पर पहुंची जनता से मिले और उनकी समस्याएं सुनीं। वहां पहुंचे जनप्रतिनिधियों ने भी सीएम को ज्ञापन सौंपकर अपनी समस्याएं रखीं। मुख्यमंत्री धामी ने जनता और जनप्रतिनिधियों द्वारा उठाई गई समस्याओं के तत्काल समाधान करने के लिए संबंधित अधिकारियों को संबोधित किया। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष रमेश चंद्र जोशी, दर्जा मंत्री फरजाना बेगम, जिलाधिकारी नितिन सिंह भदौरिया, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मणिकांत मिश्रा, वीसी जयकिशन, सीडीओ दिवेश शाशनी, अपर जिलाधिकारी पंकज उपाध्याय, एसपी सिटी डॉ. उत्तम सिंह नेगी, उप जिलाधिकारी तुषार सैनी, वरुण अग्रवाल, अमित पांडे, संतोष अग्रवाल, रणदीप पोखरिया, मनोज शाही आदि उपस्थित रहे।

दावाहीन खातों से 1.96 करोड़ लाभार्थियों को दिए

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: वित्तीय सेवा विभाग भारत सरकार और भारतीय रिजर्व बैंक के दिशा निर्देशों के क्रम में लीड बैंक कार्यालय की ओर से शुक्रवार को रुद्रपुर में एक वृहद शिविर का आयोजन किया गया। जिसका उद्देश्य खाताधारकों की दावाहीन जमा पूंजी व वित्तीय संपत्ति को चिन्हित कर उन तक पहुंचाना था।

शुक्रवार को शिविर में अग्रणी जिला प्रबंधक चिराग पटेल ने बताया कि जिले के बैंक ग्राहकों की दावाहीन खातों की कुल जमा राशि लगभग 58.56 करोड़ में से 1.96 करोड़ राशि लाभार्थियों ने प्राप्त की है।

इस दौरान महापौर विकास शर्मा ने बैंक अधिकारियों से लाभार्थियों को वित्तीय संपत्ति का लाभ लेने के लिए आगे भी सजग प्रयास जारी रखने की बात कही। शिविर में बैंक ऑफ बड़ौदा के डीजीएम पाल सिंह तोमर, एजीएम अंजनी कुमार सिंगल, भारतीय स्टेट बैंक से एजीएम संजीव कुमार, भारतीय रिजर्व बैंक से रजनीश सैनी एवं जिला सहकारी बैंक और उत्तराखंड ग्रामीण बैंक, भारतीय जीवन बीमा निगम के उच्चाधिकारी उपस्थित रहे। करीब 200 लोगों ने बढ़-चढ़कर उत्साह के साथ वित्तीय जागरूकता शिविर में प्रतिभाग किया।

खुलेआम शराब बेच रहे किशोर

रुद्रपुर: थाना ट्रांजिट कैंप इलाके में जहां मादक पदार्थों की खुलेआम तस्करी हो रही है। वहीं नशे के धंधे में अब कम आयु के किशोर भी दलदल में धंसते जा रहे हैं। इलाके की एक वीडियो वायरल होती है। जिसमें एक किशोर घर में बैठकर कच्ची शराब बेच रहा है। जैसे ही वीडियो वायरल हुई तो पुलिस ने तलाश तेज कर दी है। बताते चलें कि गुरुवार की शाम को थाना ट्रांजिट कैंप इलाके में सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होती है। वीडियो में एक 12 से 13 साल का किशोर घर में बेड पर बैठा है और हाथ में एक मोबाइल भी है। कुछ देर बाद एक व्यक्ति आता है और कच्ची शराब का पाउच मांगता है। किशोर ने बेड के पीछे हाथ डाला और एक पाउच निकाल कर दे दिया।

बयानबाजी के मामले ने पकड़ा तूल

संवाददाता, किच्छा

अमृत विचार: पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं विधायक तिलक राज बेहड़ के खिलाफ पूर्व जिला पंचायत उपाध्यक्ष संदीप चीमा की टिप्पणी से कांग्रेस में भारी आक्रोश है। वरिष्ठ कांग्रेसियों ने एकजुट होकर चीमा के बयान को अनुचित बताते हुए उनकी कड़ी निंदा की और उन पर पार्टी को कमजोर करने का आरोप लगाया।

निवर्तमान पालिका अध्यक्ष दर्शन कोहली और प्रदेश सचिव राजेश प्रताप सिंह सहित अन्य नेताओं ने प्रेस वार्ता में चीमा पर गंभीर आरोप लगाए। कोहली ने कहा कि हाई कमान ने कार्यकर्ताओं की राय को अनदेखा कर विधायक बेहड़ के विरोधियों को संगठन में अहम जिम्मेदारी दी है, जिससे पार्टी कमजोर हो रही है। राजेश प्रताप सिंह ने याद दिलाया कि बेहड़ ने ही चीमा को जिला पंचायत चुनाव जितवाकर राजनीति में मजबूत किया था, बावजूद इसके चीमा अनुचित बयानबाजी कर रहे हैं। जिला पंचायत सदस्य गुरदास कालरा ने कहा कि चीमा का गुस्सा जिला पंचायत टिकट कटने के कारण बाहर आ रहा है। वरिष्ठ नेताओं ने जिलाध्यक्ष के चयन में भी कार्यकर्ताओं की राय को नजरअंदाज करने का आरोप लगाया। इस घटनाक्रम से ऊधम सिंह नगर कांग्रेस की गुटबाजी खुलकर सामने आ गई है।

किच्छा में मीडिया से वार्ता करते वरिष्ठ कांग्रेसी। ● अमृत विचार

स्पर्धा न्यू ईरा पब्लिक स्कूल में वार्षिक एथलेटिक खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन

स्वस्थ रहने को क्रीड़ा प्रतियोगिता जरूरी

संवाददाता, दिनेशपुर

अमृत विचार: न्यू ईरा पब्लिक स्कूल दुर्गापुर में वार्षिक एथलेटिक खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। छात्र-छात्राओं ने खेल प्रतियोगिता में बढ़ चढ़कर प्रतिभाग किया। इस दौरान विजयी रहे प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया।

शुक्रवार को न्यू एरा पब्लिक स्कूल दुर्गापुर में विद्यालय व युवा कल्याण विभाग के तत्वावधान में आयोजित वार्षिक एथलेटिक खेल प्रतियोगिता का शुभारंभ क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी नवीन चंद्र व विद्यालय के प्रबंधक रविंद्रपाल सिंह ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस दौरान क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी नवीन चंद्र ने कहा कि छात्र-छात्राओं को शारीरिक व मानसिक रूप से स्वास्थ्य रहने के लिए शिक्षण के साथ खेल प्रतियोगिता का आयोजन जरूरी है। इस दौरान छात्र-छात्राओं ने 100 मीटर ,200 मीटर ,800 मीटर रेस और 400 मीटर की रिले रेस में प्रतिभा में प्रतिभाग किया। तत्पश्चात सांस्कृतिक कार्यक्रम व योग ड्रिल पिरामिड जस्ता किया। विद्यालय के प्रबंधक रविंद्रपाल सिंह ने जीवन में खेल के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रधानाचार्य रश्मित कौर व संचालन योगेंद्र सिंह ने किया। इस मौके पर सहप्रधानाचार्य हिमांशु बोरा, उप प्रधानाचार्य शिनपेंद्र सिंह चौहान, गायत्री देवी, ऋषभ सक्सेना, दीपक पांडे, नंदिनी कोरंगा, यादवेंद्र सिंह, ज्योनी देऊपा, यशोदा पुरोहित, भावना बिष्ट, प्रिया कार्की, हेमा मेहरा, रेनू बहुगुणा, नीरज नेगी आदि मौजूद रहे।

दिनेशपुर न्यू एरा पब्लिक स्कूल दुर्गापुर में वार्षिक एथलेटिक खेल प्रतियोगिता में विजयी प्रतिभागी। ● अमृत विचार

दिनेशपुर के व्यापारी राजपाल का निधन

संवाददाता, दिनेशपुर

अमृत विचार: प्रतिष्ठित व्यापारी समाजसेवी सतीश राजपाल (53) का उपचार के दौरान शुक्रवार की प्रातः हल्द्वानी में आकस्मिक निधन हो गया। निधन का समाचार सुनते ही परिवार में कोहराम मच गया। देवभूमि व्यापार मंडल ने शोक में आधे दिन बाजार बंद रखा। दोपहर तीन बजे नगर के मोक्ष धाम में अंत्येष्टि की गई। वह अपने पीछे पत्नी सीमा राजपाल, पुत्री दीक्षा राजपाल व पुत्र यश राजपाल को रोता बिलखता छोड़ गए।

सतीश (फाइल फोटो)।

सतीश राजपाल समाज सेवा, व्यापारियों के हितों के लिए संघर्षशील व धार्मिक कार्यों में बढ़ चढ़कर हिस्सा लेते थे। उनके निवास पर शोक व्यक्त करने वालों का तांता लगा रहा। शोक व्यक्त करने वालों में विधायक अरविंद पांडेय, भाजपा प्रदेश मंत्री गुंजन सुखीजा, नगर पंचायत पूर्व अध्यक्ष काबल सिंह विर्क, व्यापार मंडल अध्यक्ष राजेश नारंग, शिक्षक संघ ब्लॉक महासचिव मनोज राय उर्फ मुन्ना, व्यापारी नेता विशंभर लाल मिगलानी, अशोक कालड़ा, दीपक मक्कड़, गोपाल चक्रवर्ती, डॉ गौरव श्रीवास्तव, हिमांशु सरकार, पंकज गोयल उर्फ सोनू, केके गावा, हरजीत सिंह विर्क मौजूद रहे।

ब्रीफ न्यूज

बैंक खाते से एक लाख 30 हजार की धोखाधड़ी

काशीपुर : एक व्यक्ति के तीन बैंक खातों से यूपीआई के माध्यम से एक लाख 30 हजार की धोखाधड़ी के मामले में पुलिस ने प्राथमिकी पंजीकृत कर मामले की जांच शुरू की है। आवास विकास व हाल एसआर कार्पोरेशन श्यामपुरम बाजपुर रोड निवासी सतविन्द सिंह ने आईटीआई पुलिस को दी तहरीर में बताया कि बीती 9 अक्टूबर 2025 को शाम करीब 7 बजे उसके तीन बैंक एकाउंट से 3300, केनरा बैंक से 96,999 व एक्सीसी बैंक से 30 हजार, कुल 1 लाख 30 हजार 299 रुपये की यूपीआई के माध्यम से धोखाधड़ी की गई। ऑनलाइन साइबर थाने में इसकी रिपोर्ट दर्ज कराने के बाद पीड़ित ने आईटीआई पुलिस को तहरीर देकर अज्ञात व्यक्ति पर कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर प्राथमिकी पंजीकृत कर मामले की जांच शुरू की है।

संदिग्ध परिस्थिति में घर से नाबालिग लापता

काशीपुर : बिहार से अपनी बहन के घर आई एक नाबालिग संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई। पुलिस ने तहरीर के आधार पर गुमशुदगी दर्ज कर उसकी तलाश शुरू की है। मानपुर रोड निवासी एक व्यक्ति ने बताया कि उसकी पत्नी की 15 वर्षीय बहन अपने माता-पिता से नाराज होकर बिहार से उनके घर पर आयी थी। जो बीती एक नवंबर की सुबह 10 बजे बिना बताए घर से कहीं चली गई। तमाम संभावित स्थानों पर उसकी तलाश की गई, लेकिन उसका कहीं कुछ पता नहीं चल सका। पुलिस ने तहरीर के आधार पर नाबालिग की गुमशुदगी दर्ज कर उसकी तलाश शुरू की है।

एसपी सिटी ने किया कोतवाली सितारगंज का वार्षिक निरीक्षण

सितारगंज : एसपी सिटी डॉ. उत्तम नेगी ने कोतवाली सितारगंज का वार्षिक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कोतवाली में लंबित विवेचनाओं को पूरी करने के निर्देश दिए। शुक्रवार को कोतवाली पहुंचे एसपी सिटी डॉ. उत्तम नेगी ने सीसीटीएनएस कार्यालय, मालखाना, कर्मचारी बैरक, हवालात और भोजनालय आदि का बारीकी से निरीक्षण करते हुए सभी व्यवस्थाओं को परखा। निरीक्षण के बाद एसपी सिटी ने लंबित विवेचनाओं की जानकारी ली। उन्होंने लंबित विवेचनाओं को जल्द पूरी करने के निर्देश दिए। साथ ही, पोर्टलों को निरंतर चेक करने, शिकायतों का निस्तारण करने, समय पर वारंट तामील करने, अभिलेखों को दुरुस्त करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान एसएसआई विक्रम धामी समेत अन्य पुलिस अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

सहेली की तहरीर पर पति के खिलाफ केस

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: मधु मौत प्रकरण की गुत्थी सुलझाते हुए कोतवाली पुलिस ने मृतक की सहेली की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर लिया और अभियुक्त पति को भी गिरफ्तार कर पूछताछ शुरू कर दी है। अभियुक्त पर अपनी ही पत्नी को बेरहमी से पीटने का आरोप लगा है।

मधु (फाइल फोटो)।

जानकारी के अनुसार गांव भूरारानी दुर्गा कॉलोनी की रहने वाली विमला देवी ने बताया कि रायपुर छतीसगढ़ की रहने वाली मधु है और चार पहले ही अनिल राम नाम के युवक से शादी कर पड़ोस में आकर रहने लगी थी। पड़ोसी होने के नाते मधु से उसकी अच्छी मित्रता हो गई और मधु उसे भाभी कहकर बुलाती थी। बताया कि शादी के बाद से ही दोनों के बीच काफी लड़ाई झगड़े होते रहते थे।

12 नवंबर की सुबह 9 बजे मधु घर पर आई और पति द्वारा हाथापाई करने की शिकायत की। समझा बुझाकर वह उसे कमरे पर ले गई। जहां पैसों को लेकर एक बार फिर दंपति में हाथापाई होने लगी। हालात यह थे कि दोनों ही एक दूसरे पर सामान फेंककर मार रहे थे और अभियुक्त पति अनिल राम मधु के पेट व नाजुक हिस्सों पर प्रहार कर रहा था।

शैल परिषद के पदाधिकारियों ने महापौर को किया सम्मानित, बोले-जल्द होंगे अन्य मंदिरों के विकास कार्य

गोल्ज्यू मंदिर में सामुदायिक भवन का शिलान्यास

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: महापौर विकास शर्मा ने गंगापुर रोड स्थित गोल्ज्यू देवता मंदिर परिसर में निर्मित होने वाले सामुदायिक भवन का विधिवत भूमिपूजन व शिलान्यास किया। मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे महापौर ने पूजा-अर्चना कर ईंट रखते हुए और नारियल फोड़कर निर्माण कार्य का शुभारंभ किया। इस दौरान शैल परिषद के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने महापौर का जोरदार स्वागत किया स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया।

शुक्रवार कार्यक्रम के दौरान महापौर शर्मा ने कहा कि शैल परिषद की ओर से स्थापित गोल्ज्यू देवता मंदिर आज क्षेत्रवासियों की श्रद्धा का प्रमुख केंद्र बन चुका है। मंदिर परिसर में धार्मिक आयोजनों के दौरान सामुदायिक भवन की कमी लंबे समय से महसूस की जा रही थी, जिसे अब पूरा किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि नगर निगम शहर के प्रमुख ऐतिहासिक व धार्मिक स्थलों के संरक्षण, सौंदर्यीकरण और विकास के लिए निरंतर कार्य कर रहा है।

गोल्ज्यू मंदिर का शिलान्यास करते महापौर विकास शर्मा। ● अमृत विचार

उन्होंने कहा कि कई मंदिरों में निगम की ओर से विकास कार्य पूरे कराए जा चुके हैं, जबकि अन्य में भी तेजी से प्रगति की जा रही है। उन्होंने आश्वासन दिया कि शहर के समग्र विकास के साथ-साथ धार्मिक स्थलों के उन्नयन में भी कोई कमी नहीं छोड़ी जाएगी। धार्मिक पहचान को और अधिक सशक्त बनाने की योजना के तहत निगम जल्द ही इंदिरा चौक पर विशाल त्रिशूल स्थापित करने जा रहा है। इसका मॉडल भी तैयार हो चुका है। जल्द ही इसका काम शुरू होगा। इसके साथ ही डीडी चौक पर महादेव का डमरू स्थापित किया जाएगा। इसके अलावा अन्य प्रमुख चौराहों को भी धार्मिक प्रतीक-चिह्नों से सुसज्जित किया जाएगा, ताकि भगवान 'रूद्र' के नाम पर बसे इस शहर की अपनी विशिष्ट धार्मिक पहचान स्थापित हो सके।

इस अवसर पर नगर आयुक्त शिप्रा जोशी पांडे, वार्ड नंबर 12 की पार्षद महेंद्री शर्मा, अधिवक्ता दिवाकर पांडेय, गोपाल पटवाल, डीके दनाई, राजेंद्र बलौदी, संजीव बुधोरी, राजेंद्र बोरा, जगदीश बिष्ट, हरीश दनाई, दिनेश बम, गगन कांडपाल, लाल सिंह मेहरा आदि मौजूद रहे।

40 एकड़ जमीन से उजाड़े जाने के बाद आक्रोशित पीड़ित परिवार

पीड़ित परिवारों का धरना जारी, दिनेशपुर से पहुंचे बंगाली कल्याण समिति के पदाधिकारी

संवाददाता सितारगंज

अमृत विचार: शक्तिफार्म के नजदीक प्रहलाद पलसिया के 40 एकड़ जमीन से उजाड़े जाने से आक्रोशित पीड़ित परिवारों ने विपक्षी नेताओं के साथ शुक्रवार को भी धरना दिया। इस दौरान उन्होंने सरकार और मंत्री के ख़िलाफ़ जमकर नारेबाजी की।

आरोप लगाया कि सत्ता के दवाब में अधिकारियों ने प्रहलाद पलसिया की 40 एकड़ जमीन को चुपचाप मत्स्य विभाग को हस्तांतरित कर दिया। जबकि सिडकुल की कई एकड़ जमीन खाली पड़ी है। उन्होंने कहा कि वह उद्योगों के विरोधी नहीं है। लेकिन एक षडयंत्र के तहत लोगों को उजाड़ा जा रहा है। इसी तरह शक्तिफार्म के गांव राजनगर में भी अधिकारियों ने पट्टा निरस्त कर ज़मीन को चुपचाप डेयरी विभाग को हस्तांतरित कर दी। अब वहां भी उद्योग लगाने की तैयारी चल रही है।

वहीं, शुक्रवार को दिनेशपुर से बंगाली कल्याण समिति के पदाधिकारियों ने धरनास्थल पर पहुंचकर आंदोलन को समर्थन दिया। उन्होंने कहा कि पीड़ित परिवारों को उजाड़ने से पहले बसाना चाहिए था। इसके लिए बंगाली समिति हर स्तर पर संघर्ष करेगी। वहां आप पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सुभाष व्यापारी, बंगाली कल्याण समिति के प्रदेश सचिव नारायण हालदार, वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रियजीत राय, मनोरंजन साना, भाकियू (चढूनी) के प्रदेश अध्यक्ष गुरसेवक सिंह, प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सचिव नवतेज पाल सिंह, पूर्व जिला पंचायत सदस्य उत्तम आचार्य, नपं अध्यक्ष सुमित मंडल, रामचंद्र राय, संध्या राय, बसंती राय, दिव्या राय, विश्वजीत राय, संजीत राय आदि मौजूद रहे।

शक्तिफार्म के पास स्थित प्रहलाद पलसिया में धरने पर बैठे पीड़ित परिवारों के साथ विपक्षी नेता। ● अमृत विचार

बंगाली समाज के साथ नहीं होने देंगे अन्याय : पूर्व विधायक

सितारगंज : पूर्व विधायक नारायण पाल ने कहा कि विकास एक सतत प्रक्रिया है। लेकिन इस तरह लोगों को उजाड़ कर विकास कराना न्याय संगत नहीं है। सिडकुल में कई एकड़ जमीन खाली पड़ी है। वहां भी उद्योग लगाए जा सकता है। उन्होंने कहा कि डीएम और एसएसपी से वार्ता कर पीड़ित परिवारों के लिए समय मांगा है। उच्च न्यायालय के अधिवक्ताओं से भी परामर्श लिया है। पीड़ित परिवारों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े हैं। किन्हीं भी कीमत पर उन्हें उजाड़ने नहीं दिया जाएगा।

"चुनाव से पहले मंत्री ने हमें एक एकड़ जमीन, नौकरी और रहने की जगह देने का वादा किया था। लेकिन उन्होंने कोई भी वादा पूरा नहीं किया। हमसे हमारा खेत छीन लिया गया। अब हमारे घर पर भी बुलडोजर चलने को उतारू है। हमारे बच्चों की परीक्षा चल रही है। उन्हें प्रैक्टिकल की परीक्षा देने जाना था। इन सबके बीच उनकी परीक्षा छूट गई। -बसंती राय, पीड़ित

"हम करीब 40 साल से इस जमीन पर वास कर रहें हैं। मेरी दो जवान बेटियों है। अचानक से हमें इस जमीन से हटा दिया जा रहा है। अब हम कहां जाएंगे। हमारे पास ना कोई जमीन है और ना ही कोई घर है। विभाग की कार्रवाई से हम हम सड़क पर आ गए। - संध्या राय, पीड़ित

बिस्तर पर मृत अवस्था में मिला प्रॉपर्टी डीलर

रुद्रपुर, अमृत विचार: थाना ट्रांजिट कैंप में बिस्तर पर अचेत अवस्था में प्रॉपर्टी डीलर द्वारा पड़ा होने का मामला सामने आया है। आनन फानन में युवक को जिला अस्पताल ले जाया गया। जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

जानकारी के अनुसार गणेशपुर थाना ट्रांजिट कैंप निवासी 22 वर्षीय सिंटू दुबे उर्फ शिव नारायण दुबे प्रॉपर्टी डीलर का काम करता था। गुरुवार की शाम वह खाना खाकर अपने कमरे में सोने चला गया। शुक्रवार की सुबह जब मां विजय लक्ष्मी सफाई करने गई तो देखा कि युवक अचेत अवस्था में पड़ा है और आनन फानन में युवक को जिला अस्पताल ले जाया गया।

जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित किया। सूचना मिलते ही पुलिस ने घटनास्थल का मौका मुआयना किया तो पाया कि बिस्तर में उल्टी होने की गंदगी पड़ी हुई थी। प्रारंभिक पड़ताल में मौत हार्ट अटैक माना जा रहा है। बावजूद पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस मौत की असल वजह को जानने का प्रयास कर रही है। पुलिस पीएम रिपोर्ट का इंतजार कर रही है।

सरकारी भूमि पर कब्जे की सूचना पर पहुंची टीम

सरकारी भूखंड की भूमि का निरीक्षण करती जांच टीम। ● अमृत विचार

संवाददाता, रुद्रपुर

- प्राधिकरण व निगम की टीम ने की पैमाइश, कब्जा छोड़ने की कब्जेधारकों को दी चेतावनी

अमृत विचार: खेड़ा स्थित ईदगाह की चारदीवारी के समीप सरकारी भूमि पर कब्जा किए जाने की शिकायत मिलते ही प्राधिकरण और निगम की टीम भारी पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंची और पैमाइश कर कब्जा धारकों को जल्द अतिक्रमण हटाने का आदेश दिया। हिदायत दी कि यदि किसी ने भी नियमों का उल्लंघन किया तो कठोर कार्रवाई की जाएगी।

शुक्रवार की सुबह जिला विकास प्राधिकरण सचिव पंकज उपाध्याय और नगर आयुक्त शिप्रा जोशी पांडेय पुलिस फोर्स के साथ खेड़ा बस्ती स्थित ईदगाह मैदान पहुंची। जहां जांच टीम ने ढाई से तीन एकड़ भूमि का स्थलीय निरीक्षण किया। जांच में पाया कि सरकारी भूमि पर कुछ लोग घर बनाने की कोशिश कर रहे हैं जो कि पूर्णतया अतिक्रमण की श्रेणी में आता है। जिस पर सचिव के आदेश पर एसडीएम मनीष बिष्ट ने पटवारियों के साथ भूखंड की पैमाइश कराई और सरकारी भूमि की मुनादी कर रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि यह भूखंड सरकार की प्रॉपर्टी है और नियम के खिलाफ कब्जा गैरकानूनी है। उन्होंने अतिक्रमणकारियों को हिदायत दी कि यदि किसी ने भी कब्जा करने की कोशिश की या फिर अतिक्रमण नहीं हटाया तो जांच के बाद ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की जाएगी। इस मौके पर सीओ किच्छा भूपेंद्र सिंह धोनी, कोतवाल मनोज रतूड़ी पुलिस फोर्स के साथ मुस्तैद दिखे।

स्कूटी सवार मां बेटियों को कुचला

संवाददाता, गदरपुर

अमृत विचार: तेज रफ्तार कार की चपेट में आने से स्कूटी सवार एक महिला और उसकी दो पुत्रियों गंभीर रूप से घायल हो गई। जिसे आनन -फानन में सीएचसी पहुंचाया गया जहां चिकित्सकों ने उनकी गंभीर अवस्था को देखते हुए प्राथमिक उपचार के उपरांत उन्हें हायर सेंटर रेफर कर दिया।

छिंदर कौर पत्नी सुरजीत सिंह निवासी ग्राम झगड़पुरी स्कूटी पर अपनी दो पुत्रियों मनप्रीत और रजविंदर कौर के साथ अपनी अन्य बेटी से मिलने कल्याणपुर जा रही थी। इस दौरान स्कूटी मनप्रीत चला रही थी जब वह ग्राम नंदपुर के करीब पहुंचे तो उसी दौरान विपरीत दिशा से आ रही एक तेज रफ्तार सफेद रंग की होंडा सिटी कार ने

घायलों से जानकारी लेते पुलिसकर्मी।

उनकी स्कूटी को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में कार भी बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई दुर्घटना में छिंदर कौर और उनकी दोनों पुत्रियां गंभीर रूप से घायल हो गई। प्रभारी चिकित्साधिकारी डॉक्टर संजीव सरना के नेतृत्व में चिकित्सकों के द्वारा तीनों घायलों को हायर सेंटर ले जाने की सलाह दी गई।

ड्यूटी जा रहे व्यक्ति को मारी टक्कर, चालक पर केस

सितारगंज : ड्यूटी जा रहे व्यक्ति को टक्कर मारने वाले वाहन चालक के विरुद्ध केस दर्ज किया है। गांव गौरीखेड़ा निवासी रंजीत कौर ने बताया कि 29 अक्टूबर को उसके पति कबूल सिंह घर से ड्यूटी पर निकले थे। तभी रास्ते में पीछे से आए वाहन ने उन्हें साइड से टक्कर मार दी। जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गए। एंबुलेंस की मदद से उन्हें उप जिला अस्पताल सितारगंज में भर्ती कराया। हालत गंभीर होने पर डॉक्टरों ने उन्हें हायर सेंटर के लिए रेफर कर दिया। वहीं, हायर सेंटर ले जाते वक्त रास्ते में उनकी मृत्यु हो गई। मामले में पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक के विरुद्ध केस दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

दो मोबाइल लुटेरे गिरफ्तार छह मोबाइल बरामद

रुद्रपुर : थाना ट्रांजिट कैंप इलाके में सक्रिय मोबाइल लूट गिरोह पर नियंत्रण पाते हुए पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया और उनके पास से लूटे गए छह मोबाइल फोन बरामद किए। पुलिस ने अभियुक्तों को न्यायालय में पेश कर दिया। शुक्रवार को थाना ट्रांजिट कैंप प्रभारी मोहन चंद्र पांडेय ने बताया कि 12 नवंबर को फुलसुंगा निवासी संतोष कुमार सिंह ने मुकदमा दर्ज कराया था। जब वे घर जा रहे थे, तब अचानक बाइक सवार दो युवक आए और झपट्टा मारकर उनका मोबाइल लूट लिया। इस प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए पुलिस की टीम का गठन किया गया। 13 नवंबर को मिली सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने मोदी मैदान के पूर्वी छोर पर एक पेड़ के नीचे खड़े मालवीय नगर, शिमला बहादुर निवासी प्रिंस पांडेय और डाकखाना, ट्रांजिट कैंप निवासी शिवम गंगवार को गिरफ्तार किया और उनकी बाइक ज़ब्त कर ली। अभियुक्तों के कब्जे से लूटे गए छह मोबाइल भी बरामद किए गए।

मांगों को लेकर उपनल कर्मियों ने दिया धरना

- नगर निगम परिसर में सभा कर उठाई मांग
- मागें पूरी नहीं होने पर दी आंदोलन की चेतावनी

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: समान काम-समान वेतन को लेकर उपनल संविदा आउटसोर्स वाहन चालक संघ ने दूसरे दिन नगर निगम परिसर में धरना प्रदर्शन किया और प्रदेश सरकार ने दो सूत्रीय मांगों का समाधान करने का मुद्दा उठाया। आगाह किया कि यदि जल्द ही सरकार ने कोई निर्णय नहीं लिया तो अनिश्चितकालीन कार्य बहिष्कार शुरू कर दिया जाएगा।

शुक्रवार को धरना प्रदर्शन के दौरान संघ के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष मनोज कुमार ने बताया कि समान काम-समान वेतन और नियमितीकरण का मुद्दा पिछले कई वर्षों से उठ रहा है। वर्ष 2018 में अदालत का आदेश आने के बाद प्रदेश सरकार ने आश्वासन दिया था कि संघ व सरकार में कोई टकराव नहीं होगा। साथ ही जल्द ही एक सूत्रीय मुद्दे का समाधान किया जाएगा। उन्होंने बताया कि कई वर्ष बीत जाने के बाद भी शासन ने अपना वादा नहीं निभाया और वादाखिलाफी करते हुए कर्मियों की भावनाओं को ठेस पहुंचाया है। उन्होंने कहा कि 10 नवंबर से देहरादून में संघ धरना प्रदर्शन कर रहा है। उन्होंने आगाह किया कि यदि जल्द ही मांग पूर्ण नहीं हुई तो अनिश्चितकालीन कार्य बहिष्कार किया जाएगा। इस अवसर पर ललित मोहन सिंह बिष्ट, कमान सिंह, नीरज रौतेला, अनिल कुमार, सुनील कुमार, प्रतीक कुमार, नवीन चंद्र, महेश सिंह, दया सिंह, करम सिंह दानू, चंद्रमोहन आदि रहे।

नगर निगम में धरने को संबोधित करते वक्ता। ● अमृत विचार

रामपुर बॉर्डर पर अभियुक्त को छोड़ने के लिए ले जाती पुलिस। ● अमृत विचार

गुंडा एक्ट का बदमाश हरजीत जिला बदर

रुद्रपुर : थाना ट्रांजिट कैंप इलाके में शराब की बिक्री और चोरी के मामलों में लिप्त चल रहे अभियुक्त के खिलाफ जिला बदर की कार्रवाई की गई। पुलिस ने मुनादी कर रामपुर बॉर्डर पर छोड़ दिया। आवास विकास चौकी प्रभारी प्रकाश चंद्र ने बताया कि थाना ट्रांजिट कैंप इलाके में आवास विकास वार्ड-पांच जगतपुरा निवासी हरजीत सिंह उर्फ भाऊ जो कि पिछले काफी समय से इलाके में कच्ची शराब और चोरी की घटनाएं कर चुका है। जिसके खिलाफ गुंडा एक्ट भी कार्रवाई की गई। बावजूद आदतन अभियुक्त ने अपराध का रास्ता नहीं छोड़ा। प्रकरण में एडीएम प्रशासन और एसएसपी को जिला बदर की कार्रवाई की रिपोर्ट भेजी गई। गुरुवार को अनुमति मिलने के बाद अभियुक्त हरजीत सिंह उर्फ भाऊ के खिलाफ यूपी गुंडा अधिनियम की धारा तीन व उपधारा तीन के तहत जिला बदर की कार्रवाई की और रामपुर बॉर्डर पर ढोल नगाड़ा बजाकर छह माह के लिए जिला बदर कर दिया।

हालात — मंडी परिसर में सैकड़ों ट्रॉलियां धान लेकर कई दिनों से खड़ी हैं

अनाज मंडी में धान न बिकने से किसान परेशान

संवाददाता, बाजपुर

अमृत विचार: अनाज मंडी बाजपुर में इन दिनों किसानों की परेशानियां लगातार बढ़ती जा रही हैं। मंडी परिसर में सैकड़ों ट्रॉलियां धान लेकर कई दिनों से खड़ी हैं, लेकिन खरीद न होने के कारण किसानों को अपनी उपज बिकने का इंतजार करना पड़ रहा है।

आरएफसी के क्रय केंद्र पर कुछ मात्रा में धान की तौल अभी चल रही है, जिससे किसानों को उम्मीद बनी हुई है। हालांकि, एक-दो दिन में पोर्टल बंद होने की आशंका के चलते आरएफसी केंद्र पर भी तौल रुकने की संभावना बन गई है। इससे किसान भारी चिंता में हैं। किसानों का कहना है कि यदि पोर्टल बंद होते ही तौल प्रक्रिया रुक गई, तो मंडी में खड़ी उनकी उपज का क्या होगा। वहीं अधिकारी भी इस स्थिति को लेकर असमंजस में बताए जा रहे हैं। किसानों ने बताया कि लगातार प्रतीक्षा करने के बावजूद उनके ट्रालियों का नंबर नहीं आ पा रहा है। ऐसे में मौसम बदलने और धान खराब होने का भी खतरा बढ़ गया है। बताते चलें कि बाजपुर में इस वर्ष आरएफसी और सहकारिता विभाग के क्रय केंद्रों पर एक अक्टूबर से धान की खरीद शुरू हुई थी, लेकिन निर्धारित खरीद लिमिट समय से पहले ही पूरी हो गई। बावजूद इसके किसानों की बड़ी मात्रा में धान अभी भी मंडी परिसर में पड़ा है। किसानों का कहना है कि इस बार कई किसानों को अपने धान की तौल के लिए लंबा इंतजार करना पड़ा, लेकिन कोटा पूरा होने के कारण खरीद बंद हो गई। किसानों ने मांग की है कि सरकार तुरंत क्रय कोटा बढ़ाए, ताकि मंडी में फंसा धान खरीदा जा सके। चेतावनी दी कि यदि समय रहते लिमिट को नहीं बढ़ाया गया और पोर्टल बंद कर दिया गया, तो वह बड़े आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। भाकियू के प्रदेशाध्यक्ष कर्म सिंह पड्डा, ब्लाक अध्यक्ष प्रताप सिंह संधू एवं अन्य किसान नेताओं ने कहा कि धान की तौल न होने से उनकी आर्थिक स्थिति प्रभावित हो रही है, इसलिए समस्या का तत्काल समाधान आवश्यक है।

बाजपुर अनाज मंडी परिसर में खड़ीं धान से लदी ट्रॉलियां। ● अमृत विचार

फाइल डाउनलोड कराई खाते से उड़ाए एक लाख

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचार: बैंक कर्मचारी बन फोन पे का पासवर्ड बदलने के नाम पर साइबर ठग ने एपीके फाइल डाउनलोड कराकर उसके खाते से एक लाख रुपये की रकम उड़ा ली। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने प्राथमिकी पंजीकृत की है।

आईटीआई पुलिस को दी तहरीर में पाकीजा कॉलोनी जसपुर खुर्द निवासी मो. सलीम ने बताया कि उसका चैती चौराहा स्थित बैंक आफ बड़ौदा में एक खाता है। बीती 19 सितंबर 2025 को उसके मोबाइल पर एक अज्ञात व्यक्ति ने कॉल कर खुद को बैंक का कर्मचारी बताकर उससे फोन पे का पासवर्ड बदलने के बारे में बताया। बताया कि उसके द्वारा नया पासवर्ड देने पर तीन दिन बाद 22 सितंबर को तीन ट्रांजेक्शन के माध्यम से 10 हजार, 10 हजार व 80 हजार कुल एक लाख रुपये उसके खाते से कट गये। बैलेंस चेक करने पर इसकी जानकारी हुई। फोन चेक करने पर अज्ञात व्यक्ति द्वारा भेजी गई आरटीओ चालान अपडेट 2025 नाम की एपीके फाइल उसके फोन पर इंस्टाल हुई मिली, जिससे उसके मोबाइल को हैक कर साइबर धोखाधड़ी की गई। जिसकी बीती 23 नवंबर को एनसीआरपी पोर्टल पर शिकायत भी दर्ज कर ली गई है। पीड़ित ने पुलिस से रकम वापस दिलाने की मांग की है।

अमृत विचार

हल्द्वानी , शनिवार,15 नवंबर 2025

खटीमा के सिटी कॉन्वेंट में आयोजित कार्यक्रम में मौजूद बच्चे व शिक्षक। ● अमृत विचार

विद्या मंदिर में सांस्कृतिक कार्यक्रम करने वाले बच्चों के साथ शिक्षक। ● अमृत विचार

ग्रीनवुड स्कूल में बाल मेले का शुभारम्भ करते भाजपा जिलाध्यक्ष कमल जिन्दल।

ग्रीनवुड स्कूल में बाल मेले की धूम

सितारगंज : ग्रीनवुड सीनियर सेकेंडरी स्कूल में बाल मेले का आयोजन किया गया। जिसका शुभारम्भ जिलाध्यक्ष कमल कुमार जिन्दल द्वारा फीता काटकर किया गया। साथ ही विशिष्ट अतिथि के रूप में नगर पालिका चेयरमैन सुखदेव सिंह तथा मंडल अध्यक्ष मुकेश सनवाल, कोतवाल सुंदरम शर्मा भी मौजूद रहे। बच्चों ने बाल मेले में विभिन्न प्रकार के व्यंजनों के स्टाल्स एवं गेम्स के स्टाल्स लगा रखे थे। इनमें पंजाब से मक्के की रोटी, सरसों का साग और लस्सी, इटली का पिज़्ज़ा, फ्रूट चाट, पिज़्ज़ा, कस्टर्ड, गुजरात का ढोकला, दक्षिण भारत का इडली-सांभर एवं डोसा, दिल्ली की चाट और गोलगप्पे, आइस क्रीम सबसे ज्यादा पसंद की गयी। कार्यक्रम में न्यू सुखमनी हॉस्पिटल के अनुभवी एवं प्रशिक्षित डॉक्टरों तथा स्टाफ द्वारा हेल्थ चेक अप कैंप लगाया गया। जिसमें मेले में आने वाले अभिभावकों की नि:शुल्क बीपी एवं शुगर की जांच की गयी। प्रबन्धक गोपाल सिंह बिष्ट ने कहा कि ग्रीनवुड स्कूल में समय-समय पर कुछ न कुछ नवीन एवं रचनात्मक कार्यक्रम होते रहते हैं जो विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए अति आवश्यक है। इस प्रधानाचार्य डॉ. पुनीत गोयल, एसडी गौतम, सचिन गंगवार, रजविन्दर कौर, मनीष गोयल, रवि अग्रवाल, मुकेश चंद्र पन्त, सुनीता गोयल, प्रमोद मलकानी, हिमान्शी भट्ट, बिशन दत्त जोशी, रजनीश कुमार, सौरभ सिंह आदि मौजूद रहे।

बाल दिवस पर किसान इंटर के छात्रों ने लगाई दौड़

मिनी मैराथन के बालक वर्ग में सुधांशु प्रथम, 100 से अधिक छात्र-छात्राओं को ट्रैक सूट बांटे, विजेताओं को बांटे गए मेडल

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचार: किसान इंटर कॉलेज कुंडेश्वरी के तत्वावधान में बाल दिवस पर मिनी मैराथन दौड़ का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यालय की प्रधानाचार्या, शिक्षक-शिक्षिकाओं समेत सैकड़ों की संख्या में छात्र-छात्राओं ने भाग लिया।

शुक्रवार को विद्यालय में एनसीसी, एयर विंग, समेत 100 से अधिक छात्र-छात्राओं को प्रधानाचार्या डॉ. किरन सिंह समेत अतिथियों ने ट्रैक सूट भेंट किए गए। इसके बाद मैराथन दौड़ का शुभारंभ ग्राम प्रधान पायल चौधरी तथा प्रधानाचार्या डॉ. किरन सिंह ने संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाकर किया। दौड़ कुंडेश्वरी शहीद चौक से शुरू होकर पथरी मंदिर होते हुए पुनः कुंडेश्वरी स्थित शहीद चौक पर समाप्त हुई। दौड़ के बालक वर्ग में सुधांशु प्रथम, दीपक द्वितीय, विभव तृतीय तथा नितिन चतुर्थ स्थान पर रहे। वहीं बालिका वर्ग में जानकी प्रथम, सोनम तोमर द्वितीय तथा आकांक्षा तृतीय स्थान पर रहीं। शिक्षक-शिक्षिकाओं में गुरप्रीत सैनी तथा सीमा शर्मा प्रथम, उमेश कुमार द्वितीय तथा विकास कुमार तृतीय रहे। सभी विजेताओं को अतिथियों ने मेडल प्रदान कर पुरस्कृत किया। यहां प्रबंध समिति कोषाध्यक्ष यश चौधरी, पूर्व भाजपा ग्रामीण मंडल अध्यक्ष परविंदर विर्क, मंगल सिंह रावत, एनसीसी अधिकारी लेफ्टिनेंट नरेंद्र यादव, कौशलेश गुप्ता, हेम चन्द्र पंत, गौरव शर्मा आदि मौजूद रहे।

कुंडेश्वरी में हरी झंडी दिखाकर मैराथन दौड़ का शुभारंभ करते अतिथि। ● अमृत विचार

जयंती पर याद किए गए चाचा नेहरू

खटीमा : नगर और ग्रामीण क्षेत्रों के स्कूलों में धूमधाम से प्रथम प्रधानमंत्री चाचा जवाहरलाल नेहरू का जन्मदिवस ''बाल-दिवस'' के रूप में मनाया गया। नोज़गे पब्लिक स्कूल में प्रबन्ध निर्देशिका सुरेंद्र कौर और प्रधानाचार्य आरिज अल्वी ने नेहरू के चित्र पर पुष्प अर्पित कर याद किया। बच्चों और अभिभावकों ने स्वादिष्ट पकवानों का आनन्द उठाया। सिटी कॉन्वेंट स्कूल में रंगारंग कार्यक्रमों और उत्साह से भरे भव्य बाल मेले का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय संस्थापक मोहन चंद्र उपाध्याय, प्रबंधक प्रवीण उपाध्याय, एजुकेशनल डायरेक्टर तिलक उपाध्याय, प्राचार्य शुभ्रा सक्सेना, एडमिन ऑफिसर राजेश जोशी ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस अवसर पर छात्रों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रम, नृत्य, समूह गीत, कोरस, नाटिकाएं दर्शकों के लिए मुख्य आकर्षण रहीं। अलक्ष्या पब्लिक स्कूल में कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय की अध्यक्षा जया चुफाल, सहायक प्रबंध निदेशक प्रोजेश गोस्वामी, प्रबंधक विनोद बोहरा, प्रधानाचार्य अजय बोहरा और उपप्रधानाचार्य विनोद चंद ने सरस्वती मां की प्रतिमा और प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू के चित्र पर माल्यार्पण कर किया। इस दौरान कुमाऊंनी, गढ़वाली छबेली, झोड़ा, चाचरी संगीत पर आधारित प्रस्तुति दी। सरस्वती एकेडमी, बिगराबाग में बच्चों द्वारा आकर्षक बाल मेले का आयोजन किया गया। शुभारंभ चेयरपर्सन ज्योति पाल ने पंडित जवाहरलाल नेहरू एवं मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर किया। पीएमश्री केन्द्रीय विद्यालय में विद्यार्थियों के लिए मिनी स्पोर्ट्स डे में खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। बाल मेले में ख़ेम चंद, गोपाल सिंह बिष्ट, संजीव कुमार टांक मौजूद रहे।

डायनेस्टी में केक काटकर मनाया बाल दिवस

खटीमा : डायनेस्टी मॉडर्न गुरुकुल एकेडमी छिनकी फॉर्म में आज बाल दिवस धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रबंधन समिति द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। प्रबंधन ने बच्चों के साथ केक काटकर पंडित जवाहरलाल नेहरू का जन्मदिवस मनाया। प्रबंध निदेशक धीरेंद्र चंद्र भट्ट ने सभी विद्यार्थियों व अध्यापकों को संबोधित करते हुए कहा कि बच्चे बगीचे में कलियों की तरह हैं। इस अवसर पर डायरेक्टर प्रेमा भट्ट, प्रधानाचार्य चंद्रकांत पनेरु, मनीष चंद, विक्टर आईवन, हरीश भट्ट, अशोक जोशी, दिगंबर भट्ट आदि मौजूद रहे।

जयंती पर कांग्रेसियों ने पं नेहरू को किया याद

दिनेशपुर : देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की 136 वीं जयंती पर कांग्रेस कार्यालय में उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। इस दौरान आयोजित विचार गोष्ठी में पं. जवाहरलाल नेहरू के विराट व्यक्तित्व कृतित्व पर प्रकाश डाला गया। कांग्रेस प्रदेश महामंत्री ममता हालदार ने कहां पंडित नेहरू ने देश को गुलामी की बेड़ियों से आजादी दिलाने में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के साथ खड़े होकर निर्णायक भूमिका निभाई। युवा नेता मोहित चौहान कमांडो ने कहा कि पं. नेहरू महान स्वतंत्रता सेनानी, महालेखक, विचारक, कुशल प्रशासक और आधुनिक सोच के विराट व्यक्तित्व रहे। कोपा पूर्व प्रधान मनोज देवराड़ी ने कहा कि पंडित नेहरू देश ही नहीं विश्व के महान नेता रहे। वरिष्ठ नेता केके गावा ने कहा कि पं. नेहरू ने प्रथम प्रधानमंत्री के रूप में किए गए अद्वितीय कार्यों को हमेशा याद रखा जाएगा। गोष्ठी की अध्यक्षता कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष चंदन सिंह नयाल व संचालन जिला उपाध्यक्ष नित्यानंद मंडल ने किया।

पंडित जवाहरलाल नेहरू के चित्र पर माल्यार्पण के दौरान मौजूद पूर्व दर्जा राज्य मंत्री।

राप्रावि में बाल दिवस पर हुए रंगारंग कार्यक्रम

रुद्रपुर/शांतिपुरी : बाल दिवस पर राज्यकीय प्राथमिक विद्यालय शांतिपुरी छोटे बच्चों ने रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किये। इससे पूर्व पंडित जवाहरलाल नेहरु के चित्र पर माल्यार्पण कर पुष्पांजलि अर्पित की गयी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व दर्जा राज्य मंत्री डॉ.गणेश उपाध्याय रहे। शुक्रवार को कार्यक्रम के दौरान पूर्व दर्जा राज्य मंत्री ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि पंडित जवाहरलाल नेहरू देश के प्रथम प्रधानमंत्री व आधुनिक भारत के निर्माता थे। गांधी जी के साथ इस देश की आजादी में बढ़-चढ़कर भाग लिया और 9 साल जेल में रहे। उन्होंने कहा कि मैंने भी इसी विद्यालय से शिक्षा ग्रहण किया और आप लोगों के साथ बैठकर पुराने समय की बातें ताजा हो गई हैं। इस दौरान उन्होंने बच्चों को कॉपियां व मिष्ठान वितरण किया। साथ ही आंगनबाड़ी के बच्चों को चॉकलेट दी। इस अवसर पर प्रधान अध्यापक भगत सिंह मेहता, आशा पांडे, धीरेंद्र सिंह बनकोटी, दिव्या पांडेय, आंगनबाड़ी सहायिका कमला चौहान, दीपा नयाल समेत कई प्राइमरी पाठशाला की छात्र-छात्राएं उपस्थित रहीं।

दिनेशपुर में पं. जवाहरलाल नेहरू को याद करते कांग्रेसी। ● अमृत विचार

किच्छा के नालंदा स्कूल में कार्यक्रम प्रस्तुत करते नन्हे मुन्ने बच्चे। ● अमृत विचार

बाल दिवस पर नालंदा स्कूल में विशाल बाल मेला

किच्छा : प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की जयंती (बाल दिवस) के अवसर पर नगर स्थित नालंदा सीनियर सेकेंडरी स्कूल में एक विशाल बाल मेले का भव्य आयोजन किया गया। मेले का शुभारंभ मुख्य अतिथि विधायक तिलक राज बेहड़, विंग कमांडर एचके राय, चाणक्य लॉ कॉलेज की प्राचार्य दीपांशी जोशी, मेडिसिटी हॉस्पिटल के कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. अभिषेक सकवारिया और विद्यालय के डायरेक्टर डॉ. राहुल किशोर एवं डॉ. मृदुला किशोर ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। बाल मेले में बच्चों द्वारा लगाए गए दर्जनों रचनात्मक स्टॉल आकर्षण का मुख्य केंद्र रहे। मेधावी छात्रों ने विभिन्न विषयों पर वर्किंग प्रोजेक्ट प्रस्तुत किए, जबकि प्री-प्राइमरी वर्ग ने जंगल थीम पर सुंदर प्रदर्शनी सजाई। गेम स्टॉल, आर्ट क्राफ्ट, ए-आई एप्लीकेशन मॉडल और छात्रों द्वारा प्रस्तुत ऐपण कला की अभिभावकों ने विशेष सराहना की। इस दौरान बच्चों ने रंगारंग कार्यक्रम, नृत्य एवं नाट्य प्रस्तुतियां भी दीं। लक्की ड्रा के माध्यम से विजेता प्रतिभागियों को आकर्षक पुरस्कार दिए गए। डायरेक्टर डॉ. मृदुला किशोर ने बताया कि विद्यालय बच्चों की प्रतिभा को निखारने के लिए ऐसी गतिविधियां नियमित रूप से आयोजित करता है। उन्होंने बालिकाओं के लिए मार्शल आर्ट प्रशिक्षण का भी उल्लेख किया।

दिशा स्कूल में छोटे-छोटे बच्चों ने मनाई चाचा नेहरू की जयंती

किच्छा : नगर स्थित दिशा पब्लिक स्कूल में विद्यालय की प्रबंधिका अंजिता सिंह ने पंडित नेहरू के चित्र पर माल्यार्पण किया। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नेहरू का बच्चों से खास लगाव रहा, इसीलिए उनकी जयंती को बाल दिवस के रूप में मनाते हुए उनको देश के बच्चे चाचा नेहरू के नाम से पुकारते थे। मौके पर बच्चों द्वारा उल्टा पुल्टा गेम कंपटीशन, फैंसी ड्रेस कंपटीशन सहित कई रोमांचक गेम प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग किया गया। मौके पर प्रियंका मिश्रा, ज्योति शर्मा, ममता नेगी, पलक, खुशबू, प्रीति, अनीता, खुशी, शालिनी, पूजा, नेहा, एलिस आदि मौजूद रहे।

नानकमत्ता में निरीक्षण करते उपजिलाधिकारी। ● अमृत विचार

बिरसा मुंडा जयंती समारोह में शामिल होंगे सीएम

नानकमत्ता : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी शनिवार को नानकमत्ता साहिब पहुंचेंगे, जहां वे आदिवासी नायक बिरसा मुंडा की जयंती समारोह में शामिल होंगे। गुरुनानक इंटर कॉलेज में आयोजित होने वाले इस भव्य कार्यक्रम की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण करने पहुंचे उपजिला अधिकारी रविन्द्र जोयनन्ठा ने बताया कि बिरसा मुंडा, जो ब्रिटिश शासन के दौरान आदिवासी समुदाय के प्रमुख स्वतंत्रता सेनानी और समाज जागरण के प्रतीक थे, उनकी जयंती पर विविध सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी जाएंगी। इस मौके पर थारू जनजाति के कलाकार पारंपरिक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करेंगे। कार्यक्रम में क्षेत्र के जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में स्थानीय लोग भी शामिल होंगे।

शांतिपुरी में ग्रामीणों को स्वास्थ्य एवं जागरूकता की जानकारी देते डॉ. संतोष।

ग्रामीणों को दिए आपातकालीन स्वास्थ्य टिप्स

शांतिपुरी : शांतिपुरी किसान सेवा सहकारी समिति के प्रांगण में शुक्रवार को ग्रामीणों को एसडीआरएफ की ओर से शिविर का आयोजन कर स्वास्थ्य जागरुकता एवं आपातकालीन सुरक्षा टिप्स दिए गए। शिविर में उपस्थित डॉक्टर संतोष पांडे ने ग्रामीणों को सर्प दंश व दूसरे जहरीले कीड़ों से सावधानियां तथा आग बुझाने के सुरक्षित तरीकों के बारे में जानकारी दी। इस दौरान प्रधान दीपा कांडपाल, क्षेत्र पंचायत सदस्य सरोजनी कार्की, मोहन जोशी, सौरभ पंडा, हेमा जोशी, विमला जोशी, दीपा कोरंगा, मनोज चंदोला, डॉ. संतोष पांडेय आदि मौजूद रहे।

इनर व्हील ने वितरित की खाद्य सामग्री

काशीपुर : बाल दिवस पर इनरव्हील क्लब ऑफ़ काशीपुर द्वारा शुक्रवार को सरस्वती विद्या मन्दिर इंटर कॉलेज जैतपुर घोसी में बच्चों को हॉट मील डे योजना के अंतर्गत भोजन कराया गया। साथ ही अन्य खाद्य सामग्री भी वितरित की गई। इस मौके पर क्लब अध्यक्ष डॉ. दीपिका गुड़िया आत्रेय, सचिव निमिषा अग्रवाल, सी जी आर निधि अग्रवाल, उपाध्यक्ष ऋचा अग्रवाल, पूजा अग्रवाल आदि मौजूद रहे।

संस्कृत छात्र स्पर्धा में दिखाई प्रतिभा

सुल्तानपुर पट्टी : पीएमश्री एसएन शर्मा राजकीय इंटर कॉलेज में उत्तराखंड संस्कृत अकादमी ने संस्कृत छात्र स्पर्धा 2025-26 का भव्य आयोजन किया। पूर्व नगर पंचायत चेयरमैन जुम्मा भारती ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। ब्लॉक के सभी विद्यालयों के कनिष्ठ वर्ग के छात्र-छात्राओं ने छह स्पर्धाओं—संस्कृत नाटक, समूहगान, समूह नृत्य, वाद-विवाद, आशु भाषण और श्लोक उच्चारण में उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। छात्रों के उत्कृष्ट नाटक और नृत्य प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। प्रतियोगिता का दूसरा चरण कल 15 नवंबर को वरिष्ठ वर्ग के लिए होगा, जिसके बाद विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए जाएंगे।

सुल्तानपुर पट्टी के कॉलेज में कार्यक्रम का शुभारंभ करते अतिथि। ● अमृत विचार

किच्छा में पूर्व पीएम पंडित नेहरू की जयंती मनाते कांग्रेसी। ● अमृत विचार

स्कूलों में बच्चों ने किए सांस्कृतिक कार्यक्रम

किच्छा : पूर्व प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू का जन्म दिवस बाल दिवस के रूप में धूमधाम से मनाया गया। नगर के सभी विद्यालयों में बाल दिवस के अवसर पर कार्यक्रमों का आयोजन कर छोटे-छोटे बच्चों ने तमाम संस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। नगर स्थित सेंट पीटर सीनियर सेकेंडरी स्कूल में प्रधानाचार्य फादर एलेक्सांडर मोंटेरो ने दीप प्रज्ज्वलित एवं पंडित नेहरू के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मौके पर उप प्रधानाचार्य सिस्टर लूसिया, सिस्टर सिल्वी, सिस्टर बसंती, रुक्मणी, राज अरोड़ा, एनल बर्नार्ड, मनीष थापा, भानू पांडे आदि मौजूद रहे। इधर नगर के ग्राम छिनकी स्थित सेंट मेरी हायर सेकेंडरी स्कूल में भी बच्चों ने बाल दिवस को धूमधाम से मनाते हुए चाचा नेहरू को याद किया। विद्यालय की प्रधानाध्यापिका गुलिस्ता अंसारी सहित अन्य शिक्षक-शिक्षिकाओं ने चाचा नेहरू के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया। मौके पर हुमा रहमान, गुलिस्ता, शबीना, इल्मां, कशिश, अर्शी मौजूद रहे।

कार्यक्रम | संघर्षशील, संयमित और अनुशासित रहने की सीख दी

तीन दिनी एथलेटिक्स प्रतियोगिता का शुभारंभ

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचार: राधे हरि राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में कुमाऊं विश्वविद्यालय की अंतर महाविद्यालयी एथलेटिक्स प्रतियोगिता का तीन दिवसीय भव्य उद्घाटन हुआ। पूर्व भारतीय ओलंपिक संघ के महासचिव एवं फेंसिंग एसोसिएशन के सचिव राजीव मेहता ने मुख्य अतिथि के रूप में दीप प्रज्ज्वलित कर इस महाकुंभ का विधिवत शुभारंभ किया।

शुक्रवार को शुभारंभ कार्यक्रम में मुख्य अतिथि राजीव मेहता ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए उन्हें संघर्षशील, संयमित और अनुशासित रहने की सीख दी। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो. सुमिता श्रीवास्तव ने की। प्रो. श्रीवास्तव ने विश्वविद्यालय का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसी प्रतियोगिताएं छात्रों में खेल भावना, नेतृत्व क्षमता और आत्मविश्वास को बढ़ावा देने में अत्यंत सहायक होती हैं। महाविद्यालय के क्रीड़ा अधिकारी डॉ. सुदर्शन कुमार ने समस्त खिलाड़ियों का स्वागत किया। उद्घाटन समारोह में महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने आकर्षक सांस्कृतिक कार्यक्रम और योग विभाग ने योगासन की शानदार प्रस्तुति दी, जबकि एनसीसी कैडेट्स ने मार्च पास्ट में अग्रणी भूमिका निभाई। तीन दिवसीय इस प्रतियोगिता में कुमाऊं विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों से आए खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। प्रतियोगिता का संचालन डॉ. नीरज शुक्ला और डॉ. रूचि कुलश्रेष्ठ द्वारा किया गया। इस अवसर पर कुमाऊं विश्वविद्यालय नैनीताल के क्रीड़ा अधिकारी डॉ. संतोष कुमार, पूर्व क्रीड़ा अधिकारी डॉ. नागेंद्र शर्मा, अंतर्राष्ट्रीय धावक सुरेश पांडे और महेश फर्त्याल आदि उपस्थित रहे।

काशीपुर राधेहरि महाविद्यालय में खेल का शुभारंभ करते अतिथि। ● अमृत विचार

चकबन्दी पूर्ण कराने को लेकर भेजा पत्र

काशीपुर: ग्राम जुड़का में पिछले 30 वर्षों से चल रही चकबन्दी प्रक्रिया पूर्ण न होने से किसानों को हो रही कठिनाईयों को लेकर ग्राम थोनपुरी निवासी सामाजिक कार्यकर्ता अमनदीप सिंह ने मुख्यमंत्री को पत्र भेजा है। बता दें कि सीएम हेल्पलाइन पर बीती 14 जुलाई 2022 व 6 मई 2025 शिकायत करने के बाद भी मामले का निस्तारण नहीं हो सका है। अब उन्होंने पत्र भेजकर उक्त प्रक्रिया को पूर्ण कराकर कृषि भूमि के चक किसानों को दिलाने की मांग की है जिससे चकबन्दी विभाग द्वारा किये जा रहे शोषण से गरीब किसानों को मुक्ति मिल सके। समाजसेवी अमनदीप सिंह ने अब मुख्यमंत्री को पत्र भेजकर उक्त प्रक्रिया को जल्द से जल्द पूर्ण करने की मांग की है।

पर्यावरण मित्रों को बांटी सुरक्षा किट

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचार: नगर निगम के पर्यावरण मित्रों की लंबित वर्दी और स्वास्थ्य सुरक्षा किट वितरण की मांग आज पूरी हो गई। नगर निगम सभागार में आयोजित विशेष कार्यक्रम में महापौर दीपक बाली ने 347 पर्यावरण मित्रों में से प्रथम चरण में 190 कर्मियों को वर्दी और स्वास्थ्य सुरक्षा किट वितरण किया। कार्यक्रम के दौरान मुख्य नगर आयुक्त रविंद्र बिष्ट , ब्लाक प्रमुख चंद्रप्रभा, स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अमरजीत साहनी, पार्षद, अधिकारी, भाजपा पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में पर्यावरण मित्र उपस्थित रहे।

महापौर दीपक बाली ने कहा कि शहर की सफाई व्यवस्था सिर्फ निगम या सफाई कर्मियों की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक के सहयोग से ही काशीपुर को स्वच्छ और अग्रणी शहर बनाया जा सकता है।

महापौर ने बताया कि मानसून के दौरान पर्यावरण मित्रों के भीगने की शिकायत के बाद रेनकोट उपलब्ध कराए गए थे। अब वर्दी वितरण के साथ बेहतर गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सुरक्षा किट भी प्रदान की गई है, जिसमें थर्मामीटर, बैंडेज, विटामिन ट्यूब, सैनिटाइजर, डिटॉल, दर्द निवारक स्प्रे, ग्लूकोज, पानी की बोतल सहित कई आवश्यक सामग्रियां शामिल हैं। इस अवसर पर पार्षद गुरविंदर सिंह चंडोक, संजय शर्मा, दीपा पाठक, वैशाली गुप्ता, पुष्कर बिष्ट, राशिद फारूखी, बीना नेगी, सीमा सागर आदि मौजूद रहे।

काशीपुर में पर्यावरण मित्रों को वर्दी वितरण करते मेयर व ब्लॉक प्रमुख।

ब्रीफ न्यूज

लापता हुए ग्रामीण का सप्ताह भर बाद भी नहीं लगा सुराग

सुरेश प्रसाद।

टनकपुर : एक सप्ताह पूर्व घर से रहस्यमय ढंग से लापता हुए ग्रामीण का एक सप्ताह बाद भी कोई सुराग नहीं लग पाया है। परिजनों ने इसकी सूचना टनकपुर कोतवाली व चल्थी पुलिस चौकी को दी है। परिजनों ने कहा है कि श्यामलाताल के सियाला गांव निवासी सुरेश प्रसाद उर्फ हवलदार दा 7 नवंबर से घर से लापता है। उन्हें कई जगह व रिश्तेदारों के वहां भी खोजबीन की लेकिन उनका कोई सुराग नहीं लग पा रहा है। सुरेश प्रसाद के घर में पत्नी व तीन बच्चे हैं जिनका रो-रो कर बुरा हाल है। परिजनों ने सुरेश प्रसाद की खोजबीन के तेज प्रयास किए जाने की मांग की है।

रानीखेत महाविद्यालय में प्रतियोगिताओं का आयोजन

रानीखेत :सिखों के नवम गुरु, गुरु तेग बहादुर के शहीदी दिवस के उपलक्ष्य में राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, रानीखेत में शुक्रवार को हिंदी, गृह विज्ञान और इतिहास विभागों के संयुक्त तत्वावधान में निबंध, काव्य पाठ एवं चित्रकला प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य, प्रोफेसर पुष्पेश पांडे ने दीप प्रज्वलित कर किया। प्रतियोगिताओं में 42 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। संचालन डॉ. सुमिता गड़कोटी हिंदी विभाग, डॉ. पारुल बोरा एवं डॉ. नीतिका गृह विज्ञान विभाग तथा डॉ. दीपा पांडे इतिहास विभाग ने किया।

महिला अपराधों की रोकथाम को रहें गंभीर

एसएसपी ने दिए घर-घर वेरीफिकेशन के दिए निर्देश, पुलिस लाइन में मासिक अपराध गोष्ठी का आयोजन

- उत्कृष्ट कार्य करने वाले 14 कार्मिकों को किया गया सम्मानित

संवाददाता, अल्मोड़ा

अल्मोड़ा पुलिस लाइन में शुक्रवार को आयोजित मासिक अपराध गोष्ठी में मौजूद पुलिस अधिकारी और कार्मिक। ● अमृत विचार

अमृत विचारः वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देवेंद्र पींचा ने शुक्रवार को पुलिस कार्यालय अल्मोड़ा सभागार में मासिक अपराध गोष्ठी के तहत अपराधों की कार्रवाई की समीक्षा की। एसएसपी ने दिल्ली में हुए ब्लास्ट घटना के दृष्टिगत समस्त थाना प्रभारियों को सतर्क रहने के निर्देश दिए।

एसएसपी ने बीते माह के अपराधों की समीक्षा करते हुए लंबित विवेचनाओं, मुकदमों, शिकायतों, वारंट, नोटिस आदि का समय पर निस्तारण करने और वांछित अभियुक्तों की शीघ्र गिरफ्तारी करने के निर्देश दिए। दिल्ली में हुए ब्लास्ट घटना के दृष्टिगत समस्त थाना प्रभारियों व थानाध्यक्षों को सतर्क करते हुए जनपद में एंट्री और एग्जिट प्वाइंटों, संदिग्ध स्थानों पर सघन चेकिंग अभियान चलाने के निर्देश दिए। साथ ही जनपद में संदिग्धों की तलाश करने के लिए सघन चेकिंग व वेरिफिकेशन ड्राइव चलाने व आपराधिक तथा संदिग्ध गतिविधियां मिलने पर कड़ी वैधानिक कार्रवाई करने के लिए निर्देशित किया गया। कहा कि लापरवाही बरतने वाले मकान मालिकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। एसएसपी ने महिलाओं के प्रति होने वाले अपराधों पर संवेदनशील होकर त्वरित कार्रवाई करने को कहा। साथ ही सख्त हिदायत दी कि किसी भी प्रकार की लापरवाही सामने आने पर संबंधित के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए गठित टीम के अधिकारियों को जिले के सभी थाना क्षेत्रों में सड़क दुर्घटना संभावित स्थानों को चिह्नित करने के निर्देश दिए। इसके अलावा उन्होंने नशे के विरुद्ध जीरो टालरेन्स नीति अपनाते हुए अवैध मादक पदार्थों की तस्करी, बिक्री व भण्डारण करने वालों के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही करने, यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्ती से निपटने के निर्देश दिए।

हेड कांस्टेबल अवधेश कुमार को उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित करते एसएसपी।

उत्कृष्ट कार्य करने वालों को किया सम्मानित

अपराध गोष्ठी के दौरान एसएसपी देवेंद्र पींचा ने उत्कृष्ट कार्य करने वाले पुलिस कार्मिकों को सम्मानित किया। देघाट थाना क्षेत्र में बुजुर्ग को डिजिटल अरेस्ट करने वाले साइबर ठग को राजस्थान से गिरफ्तार करने तथा कोतवाली रानीखेत क्षेत्र में हुई चोरी का खुलासा कर अभियुक्त को देहरादून से गिरफ्तार करने में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले एसओजी अल्मोड़ा में तैनात हेड कांस्टेबल अवधेश कुमार को पुलिस ऑफिसर ऑफ द मंथ चुना गया। साथ ही पुरस्कृत कर सम्मानित किया गया। इसके अलावा 14 अधिकारी, कर्मचारी गणों की कार्यों की सराहना कर प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया।

ये लोग रहे मौजूद : सीओ गोपाल दत्त जोशी, सीएफओ नरेंद्र सिंह कुंवर, सीओ दूरसंचार राजीव टम्टा, कोतवाल योगेश चंद्र उपाध्याय, यातायात प्रभारी दरबान सिंह मेहता, निरीक्षक दूरसंचार उमाशंकर पांडे, प्रभारी निरीक्षक जानकी भंडारी, पीआरओ व प्रभारी साइबर सैल राहुल राठी समेत कई पुलिस अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

जिलाधिकारी ने कानून व्यवस्था की समीक्षा की

- राजस्व वसूली, परिवहन व खाद्य सुरक्षा पर कड़े निर्देश

संवाददाता, बागेश्वर

अमृत विचारः जिलाधिकारी आकांक्षा कोंडे ने विभिन्न विभागों की मासिक समीक्षा की। उन्होंने अभियोजन, पुलिस, परिवहन, आबकारी, खाद्य सुरक्षा, पूर्ति, तथा राजस्व वसूली सहित विभिन्न विभागों की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने राजस्व वसूली में तेजी लाने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने थानों एवं राजस्व पुलिस क्षेत्रों के अंतर्गत लंबित मामलों के शीघ्र निस्तारण और प्रभावी फॉलो-अप हेतु निर्देशित किया। साथ ही सभी एसडीएम को पुलिस के साथ संयुक्त अभियान चलाकर अवैध शराब, परिवहन, ओवरलोडिंग और नियम उल्लंघन पर कठोर कार्रवाई करने के निर्देश दिए। परिवहन विभाग को नियमित रूप से प्रवर्तन की कार्यवाही करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि नियमों का उल्लंघन करने वालों पर चालानी कार्यवाही की जाए। ।त्ज्व् को भारी वाहनों का नगर में आवागमन, ड्रिंक एंड ड्राइव पर नियंत्रण, लाउड हॉर्न पर रोक तथा विशेष रूप से टैक्सी चालकों द्वारा शराब पीकर वाहन चलाने की घटनाओं पर कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए।पूर्ति विभाग को खाद्यान्न गुणवत्ता की सतत निगरानी, नियमित सैंपलिंग तथा उचित मूल्य दुकानों के व्यापक निरीक्षण के निर्देश दिए गए। खाद्य सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए खाद्य सुरक्षा विभाग को नियमित निरीक्षण, गुणवत्ता परीक्षण और लगातार सैंपलिंग सुनिश्चित करने को कहा गया। खनन एवं आबकारी विभाग को अवैध खनन और अवैध शराब के विरुद्ध सतत अभियान चलाने के निर्देश दिए। ळैज् संग्रहण में सुधार हेतु नए पंजीकरण बढ़ाने और अनुपालन सुधारने के निर्देश भी जारी किए गए। अपर जिलाधिकारी एनएस नबियाल ने बैठक में श्रम विभाग को अपनी कल्याणकारी योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार कर स्टॉल स्थापित करने और अधिकाधिक श्रमिकों को योजनाओं से लाभान्वित करने के निर्देश दिए गए। बैठक में अपर जिलाधिकारी एनएस नबियाल, उपजिलाधिकारी प्रियंका रानी, अनिल कुमार चन्याल, ललित मोहन तिवारी, प्रभारी ज्येष्ठ अभियोजन अधिकारी ललित मोहन आर्या सहित शासकीय अधिवक्ता एवं अन्य विभागों के अधिकारियों व पटल सहायक मौजूद रहे।

मोबाइल नेटवर्क संबंधी समस्याएं शीघ्र करें हल

संवाददाता, टनकपुर/ चम्पावत

चम्पावत में बैठक लेते डीएम मनीष कुमार। ● अमृत विचार

अमृत विचारः जिलाधिकारी मनीष कुमार की अध्यक्षता में जिला कार्यालय सभागार चम्पावत में जिला टेलीकॉम समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जनप्रतिनिधियों एवं आमजन ने प्रतिभाग किया। सभी ने अपने-अपने क्षेत्रों में नेटवर्क संबंधी समस्याओं एवं कमजोर कवरेज की जानकारी साझा की।

डीएम ने बीएसएनएल सहित सभी टेलीकॉम सेवा प्रदाताओं को आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने दूरसंचार सेवाओं की समग्र समीक्षा करते हुए कहा कि जिले का कोई भी क्षेत्र नेटवर्क कवरेज से वंचित न रहे। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी टेलीकॉम ऑपरेटर तथा जिला स्तरीय अधिकारी अपने-अपने कार्यक्षेत्रों में स्थित शैडो एरिया (कम या शून्य नेटवर्क वाले क्षेत्र) की पहचान कर, उसकी विस्तृत रिपोर्ट अनिवार्य रूप से प्रस्तुत करें। बीएसएनएल अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि वे अपने सभी लंबित सर्वे कार्य 15 दिनों के भीतर पूर्ण कर उसकी रिपोर्ट प्रस्तुत करें। जिलाधिकारी ने सभी उपजिलाधिकारियों, खंड विकास अधिकारियों एवं विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिन शासकीय/अर्ध-शासकीय स्थलों जैसे विद्यालय, पंचायत भवन, सीएससी केंद्र आदि में नेटवर्क उपलब्ध नहीं है, उनकी विस्तृत जानकारी लोकेशन कोऑर्डिनेट सहित तत्काल उपलब्ध कराई जाए, ताकि समस्या समाधान की कार्रवाई तेजी से की जा सके। बैठक में अपर जिलाधिकारी कृष्णा नाथ गोस्वामी, जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी देवेन्द्र पटवाल, ई-डिस्ट्रिक्ट मैनेजर तनुज रावल, बीएसएनएल, एयरटेल और जियो के प्रतिनिधि, विभिन्न क्षेत्रों से आए जनप्रतिनिधि तथा अन्य विभागीय अधिकारी मौजूद रहे।

बालिकाओं को कानूनी जानकारियां दी

बागेश्वर : बाल कल्याण समिति द्वारा राबाइंका बागेश्वर में जागरूकता शिविर आयोजित किया गया। इस दौरान बालिकाओं को नशे के खिलाफ जागरूकता की शपथ दिलाई। सरकार के नशा मुक्त भारत अभियान के तहत राबाइंका बागेश्वर में प्रधानाचार्य शोभा टम्टा की अध्यक्षता में जागरूकता शिविर आयोजित किया गया। इस दौरान बच्चों को बाल अधिकार, बाल कल्याण की योजनाओं की जानकारी देने के साथ ही नशे के खिलाफ अभियान की जानकारी दी। समिति के अध्यक्ष कैलाश बोरा ने जेजे एक्ट व नशे से होने वाले नुकसान की जानकारी दी। जिला बाल संरक्षण अधिकारी संजय उपाध्याय ने चाइल्ड लाईन आदि की जानकारी दी। प्रधानाचार्य शोभा टम्टा ने समिति का आभार व्यक्त किया। संचालन पिंकी गोस्वामी ने किया। इस दौरान समिति के सदस्य अशोक लोहुमी, नवीन चंद्र, मंजू नगरकोटी, भारती खेतवाल समेत विजय कुमार रहे।

आश्वासन के बाद आंदोलन समाप्त

सवाददाता, रानीखेत

भयेड़ी में आंदोलनकारियो से वार्ता करते संयुक्त मजिस्ट्रेट।

अमृत विचार : भयेड़ी पम्पिंग योजना के कार्य में निरंतरता की मांग को लेकर 18 दिनों से चल रहा क्रमिक अनशन बीती देर शाम प्रशासन और जल निगम के लिखित आश्वासन के बाद समाप्त हो गया।

रानीखेत संयुक्त मजिस्ट्रेट गौरी प्रभात और तहसीलदार धरना स्थल पर पहुंचे। जहां उन्होंने जल निगम रानीखेत के अधीक्षण अभियंता अशोक कटारिया एवं अधिशासी अभियंता हिमांशु वर्मा के साथ अनशनकर्ताओं तथा स्थानीय जनप्रतिनिधियों से विस्तारपूर्वक वार्ता की। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि भयेडी पम्पिंग योजना जनहित से जुड़ी अत्यंत महत्वपूर्ण परियोजना है और इसके कार्यों को किसी भी स्थिति में बाधित नहीं होने दिया जाएगा। वार्ता के दौरान अधिकारियों ने अनशनकारियों को आश्वस्त किया कि भयेडी पम्पिंग योजना का कार्य ग्रीष्म ॠतु से पूर्व पूरा कर लिया जाएगा। इसके साथ ही खराब एवं क्षतिग्रस्त पम्पिंग लाइनों की मरम्मत का कार्य भी प्राथमिकता से प्रारंभ करने के निर्देश दे दिए गए हैं। प्रशासन ने यह भी कहा कि योजना की प्रगति की नियमित समीक्षा उच्च स्तर पर की जाएगी ताकि समयसीमा का पालन सुनिश्चित हो सके। अधिकारियों के आश्वासन के उपरांत अनशनकर्ताओं ने 13 नवंबर की देर शाम अपना क्रमिक अनशन समाप्त कर दिया। प्रशासन ने आंदोलनकारियों द्वारा सहयोग एवं संवाद पर आधारित समाधान को प्राथमिकता देने के लिए धन्यवाद व्यक्त किया।

बोनाफाइड हाईस्कूल को पुस्तकें भेंट करते भोलानाथ। ● अमृत विचार

पूर्वजों के चरणों में पुस्तकें भेंट कार्यक्रम शुरू

बैरती (अल्मोड़ा) : बोनाफाइड पब्लिक हाईस्कूल चौखुटिया द्वारा क्षेत्र के विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले बच्चों के लिए पुस्तकालय का निर्माण किया गया है। विद्यालय द्वारा "पूर्वजों के चरणों में " कार्यक्रम के तहत इस पुस्तकालय की स्थापना की गई है। क्षेत्र के प्रबुद्धजन, पुस्तक प्रेमी तथा विद्यालय के बच्चे इस अभियान से जुड़कर विद्यालय को निशुल्क पुस्तकें भेंट कर रहे हैं। सामाजिक कार्यकर्ता भोलानाथ ने अपने पूर्वजों की स्मृति में विद्यालय को पुस्तकें भेंट की। संस्था की प्रधानाचार्य श्रीमती नीलम बड़ूनी और अनुशासन हेड श्रीमती राधा लोहनी प्रशासक श्रीमती मधु कांडपाल और विनीता, बबीता रौताण व शिक्षकों ने अभिभावकों व सभी पुस्तक प्रेमियों तथा बच्चों का आभार व्यक्त किया स्कूल के प्रबंध कार्यकर्ता पुष्कर कांडपाल ने कहा कि बच्चों से पुस्तकें भेंट लेने का मुख्य उद्देश्य युवाओं को किताबों से जोड़ना व बुजुर्गों के प्रति सम्मान जागृत करना है।

बाल दिवस पर प्रथम प्रधानमंत्री पं. नेहरू का भावपूर्ण स्मरण

संवाददाता, अल्मोड़ा

अल्मोड़ा में पंडित नेहरू के चित्र पर पुष्प अर्पित करते कांग्रेसी। ● अमृत विचार

अमृत विचारः जिला कांग्रेस कार्यालय में भारत के प्रथम प्रधानमंत्री और महान स्वतंत्रता सेनानी पंडित जवाहरलाल नेहरू की 136वीं जयंती बाल दिवस के रूप में श्रद्धापूर्वक मनाई गई। मौके पर कार्यकर्ताओं ने पंडित नेहरू द्वारा राष्ट्र-निर्माण में किए गए ऐतिहासिक योगदानों पर प्रकाश डाला।

शुक्रवार को चौघानपाटा स्थित जिला कार्यालय में वक्ताओं ने पंडित नेहरू के व्यक्तित्व, उनके विचारों और भारत की आधुनिक नींव रखने में उनके योगदान की चर्चा की। उन्होंने कहा कि चाचा नेहरू की नीतियों ने देश को वैज्ञानिक, लोकतांत्रिक और प्रगतिशील दिशा दी। कार्यक्रम की अध्यक्षता महिला कांग्रेस की नगर अध्यक्ष दीपा साह व संचालन महानगर अध्यक्ष ताराचंद जोशी ने किया। यहां पूर्व पालिकाध्यक्ष प्रकाश चंद्र जोशी, आनंद सिंह बगड़वाल, तारा चंद्र शाह, पार्षद हेम तिवारी, पूर्व राज्य मंत्री पूरन रौतेला, नगर उपाध्यक्ष एनडी पांडे, शरद चंद्र शाह, निजाम कुरैशी, पार्षद दीपक कुमार रहे।

बनबसा में छात्रों को सम्मानित करते लेफ्टिनेंट कर्नल राणा करण सिंह।

बाल दिवस और खेल दिवस धूमधाम से मनाया गया

बनबसा : केंद्रीय विद्यालय नंबर 1 आर्मी कैंट में बाल दिवस और खेल दिवस धूमधाम से मनाया गया। मुख्य अतिथि लेफ्टिनेंट कर्नल राना करण सिंह ने खेल महोत्सव का उद्घाटन करते हुए खेल मीट के शुभारंभ की घोषणा की। छात्रों ने विभिन्न खेल स्पर्धाओं में अपने कौशल का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में प्राचार्य सीएस पिलखवाल ने अतिथियों का स्वागत किया गया। कार्यक्रम में शिक्षक दिनेश आर्या, खेल शिक्षक बीसी पुरोहित, अजय कुमार, त्रिलोक सिंह, रश्मि मोर्या, प्राथमिक शिक्षक आरएल शर्मा, योग प्रशिक्षक शालू जोशी आदि रहे।

राजकीय महाविद्यालय में बाल दिवस धूमधाम से बनाया

बनबसा : राजकीय महाविद्यालय में बाल दिवस पर सवतन्त्र भारत के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू के जन्मदिवस पर वृक्षारोपण एवं परिक्षेत्र की सफाई की गई। वहीं महाविद्यालय में एक कार्यशाला का आयोजन भी किया गया। प्रभारी प्राचार्य डॉ. राजीव कुमार सक्सेना ने आजादी के आंदोलन में जवाहर लाल नेहरू के योगदान पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. भूप नारायन दीक्षित ने बताया कि अपने समय के उच्चकोटी के कानूनविद व बड़े परिचार से ताल्लुक रखने के वावजूद पंडित नेहरू ने देश की आजादी के लिए अपनी धन सम्पदा को त्याग कर आजादी के लिए जेल जाना स्वीकार किया। यह भी बताया कि बच्चों के प्रति स्नेह के कारण पंडित नेहरू को ' 'चाचा नेहरू' ' कहा जाता है।

बाल दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

टनकपुर : राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, नैनीताल के निर्देशन में तथा जिला जज एवं अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण चम्पावत अनुज कुमार संगल के मार्गदर्शन में सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण भवदीप रावत द्वारा राष्ट्रीय बाल दिवस के अवसर पर राजकीय इंटर कॉलेज दिगालीचौड़, लोहाघाट में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बच्चों से बच्चा व्यापार, यौन दुर्व्यवहार, बाल विवाह, बाल श्रम, कुपोषण, स्वास्थ्य एवं शिक्षा से जुड़ी चुनौतियों के बारे में जानकारी दी गई। साथ ही शिक्षा का अधिकार कानून, किशोर न्याय अधिनियम 2015, बाल श्रम निषेध कानून, फैक्ट्री अधिनियम 1948, बाल विवाह की कानूनी स्थिति, तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा नि :शुल्क कानूनी सहायता सेवाओं के बारे में भी बताया गया। बच्चों को उनके अधिकारों की जानकारी दी। इस अवसर पर प्रधानाचार्य डॉ. सुधाकर जोशी, विद्यालय स्टाफ तथा लोग मौजूद रहे।

बैठक | भाजपा जिला कार्यालय में हुई कार्यकर्ताओं की बैठक, प्रदेश उपाध्यक्ष राजेंद्र सिंह बिष्ट का किया स्वागत

बूथ स्तर पर समितियों की मजबूती जरूरी : बिष्ट

संवाददाता, अल्मोड़ा

भाजपा जिला कार्यालय में बैठक के दौरान मौजूद कार्यकर्ता। ● अमृत विचार

अमृत विचारः भाजपा जिला कार्यालय अल्मोड़ा में शुक्रवार को पार्टी कार्यकर्ताओं की बैठक आयोजित की गई। बैठक में भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं जनपद प्रभारी राजेंद्र सिंह बिष्ट के प्रथम बार आगमन पर कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथियों ने दीप जलाकर किया। इसके उपरांत वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने पर कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों ने सामूहिक रूप से वंदे मातरम् का गान किया। जिलाध्यक्ष महेश नयाल ने प्रदेश संगठन द्वारा दिए गए कार्यक्रमों एवं हाल ही में संपन्न आयोजनों की समीक्षा प्रस्तुत की। साथ ही सभी कार्यकर्ताओं से पार्टी की गतिविधियों को सरल ऐप पर अपलोड करने का आग्रह किया। पूर्व विधायक कैलाश शर्मा ने जिला प्रभारी की संगठनात्मक क्षमता की प्रशंसा करते हुए आगामी पदयात्राओं एवं प्रदेश स्तरीय कार्यक्रमों में अधिक से अधिक सहभागिता की अपील की। जिला प्रभारी राजेंद्र सिंह बिष्ट ने कहा कि संगठन को जमीनी स्तर पर सशक्त बनाना आवश्यकता है। बूथ स्तर पर समितियों का गठन, समीक्षा व मजबूती सर्वोच्च प्राथमिकता है। आगामी विधानसभा चुनाव में जिले की सभी सीटें भाजपा की झोली में डालना हमारा लक्ष्य है। प्रत्येक कार्यकर्ता को अनुशासन, संगठन और विचारधारा के साथ निरंतर सक्रिय रहकर कार्य करना चाहिए। उन्होंने कहा कि भाजपा आज विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी है और इसकी मजबूती कार्यकर्ताओं की सक्रियता पर निर्भर करती है। कार्यक्रम के अंत में भाजपा को बिहार चुनाव में मिली विजय पर जिला प्रभारी की मौजूदगी में कार्यकर्ताओं द्वारा मिष्ठान वितरण किया गया। बैठक का संचालन जिला महामंत्री दर्शन रावत व प्रकाश भट्ट ने किया। बैठक में दर्जा राज्य मंत्री गंगा बिष्ट, पूर्व जिलाध्यक्ष ललित लटवाल, रवि रौतेला, रमेश बहुगुणा, राजीव गुरुरानी, महापौर अजय वर्मा, गिरीश खोलिया, गोपाल जीना रहे।

मांगों को लेकर उपनल कर्मियों का कार्यबहिष्कार

अल्मोड़ा : मांगों का लंबे समय से निराकरण नहीं होने से नाराज उपनलकर्मी कार्यबहिष्कार पर चले गए हैं। शुक्रवार को वन विभाग और बेस अस्पताल के उपनल कर्मियों ने कार्यबहिष्कार कर विरोध जताया। मौके पर उपनल कर्मियों ने कहा कि लंबे समय से उनकी मांगों का अनदेखा किया जा रहा है। समान कार्य समान वेतन, नियमितीकरण, कर्मचारियों के पद सृजित करने आदि मांगों के पूरा नहीं होने पर उपनल कर्मियों में आक्रोश व्याप्त है। शुक्रवार से मेडिकल कॉलेज के उपनल कर्मचारी भी कार्यबहिष्कार पर चले गए हैं। बेस अस्पताल के बाहर कर्मचारियों ने प्रदर्शन कर विरोध जताया। कहा कि अब तक कर्मचारियों के पद स्वीकृत नहीं किए गए हैं। इस कारण कर्मचारियों के मानदेय में समय-समय पर रोक लगा दी जाती है। कर्मचारियों ने पद सृजित करने, समान कार्य समान वेतन आदि की मांग की। यहां नंदन नयाल, बलवीर सिंह, लक्ष्मण सिंह, खष्टी बल्लभ, दीवान सिंह, चंदन सिंह, पूरन सिंह सिराड़ी आदि रहे।

कार ने छात्र को मारी टक्कर, हंगामा

- चौघानपाटा में वन वे व्यवस्था को तोड़ सड़क में घुसा कार चालक
- सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने बमुश्किल शांत कराया मामला

संवाददाता, अल्मोड़ा

कार से बच्चे को टक्कर लगने के बाद हंगामा करते लोग। ● अमृत विचार

अमृत विचारः चौघानपाटा के समीप शुक्रवार को एक कार चालक ने वनवे में घुस स्कूल से लौट रहे छात्र को टक्कर मार दी। चालक की लापरवाही से स्थानीय लोगों ने हंगामा शुरू कर दिया। वहीं, दुर्घटना में घायल हुए स्कूली बच्चें को जिला अस्पताल ले जाया गया। जहां घायल का उपचार किया गया।

नगर की माल रोड पर रविवार को छोड़ अन्य दिन वन-वे यातायात व्यवस्था लागू रहती है। ऐसे में शुक्रवार दोपहर को एक वाहन वन-वे में घुस आया। वाहन ने चौघानपाटा से कुछ दूरी पर स्कूल की छुट्टी के बाद घर लौट रहे छात्र को टक्कर मार दी। जिससे बच्चा घायल हो गया। आसपास मौजूद लोग घायल बच्चे को जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां बच्चें का उपचार किया गया। इधर, घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। लोगों ने वन-वे का हवाला देकर चालक की लापरवाही पर हंगामा शुरू कर दिया। बीच सड़क पर लोगों की भीड़ जुटने से जाम की स्थिति भी पैदा हो गई। काफी देर तक सड़क के दोनों तहफ वाहनों की लंबी कतार लगी रही। बाद में मौके पर पहुंची पुलिस ने बमुश्किल मामले को शांत कराया।

अमृत विचार

शनिवार, 15 नवंबर 2025

हम उस बच्चे को आसानी से माफ कर सकते हैं, जो अंधेरे से डरता है। जीवन की असली त्रासदी तब होती है, जब लोग प्रकाश से डरते हैं।
-सुकरात, दार्शनिक

उच्च शिक्षित आतंकी

उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल की यह चिंता कि पढ़े-लिखे लोग भी अब आतंकवाद की ओर आकर्षित हो रहे हैं, केवल एक राजनीतिक टिप्पणी नहीं, बल्कि हमारी शिक्षा प्रणाली, सामाजिक वातावरण और डिजिटल युग के सम्मिलित संकट का गहरा संकेत है। यह चिंता इसलिए भी उचित है, क्योंकि पिछले एक दशक में वैश्विक स्तर पर ऐसे अनेक उदाहरण सामने आए हैं, जहां इंजीनियरिंग, चिकित्सा, विज्ञान और उच्च शिक्षा संस्थानों से जुड़े युवाओं ने कट्टरवाद या हिंसक विचारधाराओं का रास्ता अपनाया। प्रश्न यह है कि जिस शिक्षा से तार्किकता, विवेक, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और मानवता की अपेक्षा की जाती है, वह क्यों कई बार इन अपेक्षाओं को पूरा नहीं कर पाती? शिक्षा का लक्ष्य अभी भी डिग्री देना है, दृष्टिकोण नहीं। हम गुणात्मक सोच, नैतिक शिक्षा, संवैधानिक मूल्य, वैज्ञानिक मानसिकता और सामाजिक जिम्मेदारी को पाठ्यक्रम के केंद्र में नहीं रख पाए हैं, सो मूल्य-तटस्थ पढ़ाई को दोषी ठहराना उचित नहीं। दोष उस सामाजिक और वैचारिक वातावरण में है, जिसमें विद्यार्थी पनपता है। यदि घर, समुदाय, विश्वविद्यालय परिसर और डिजिटल स्पेस लगातार किसी विशेष विचारधारा, भय, असुरक्षा या शत्रु-कल्पना को पोषित कर रहे हो, तो शिक्षा का तटस्थ ज्ञान उसके सामने कमजोर पड़ने से अत्यंत कुशाग्र, तकनीकी दक्ष और सफल पेशेवर भी कट्टर विचारों के शिकंजे में फंस जाते हैं।

विज्ञान पढ़ना और वैज्ञानिक दृष्टिकोण रखना दो अलग बातें हैं। यदि सामाजिक परिवेश किसी व्यक्ति को भय, अस्मिता या 'दूसरे' के प्रति नफरत से भर दे, तो पढ़ा-लिखा भी भावनात्मक जाल में फंस सकता है। डिजिटल दुनिया की भ्रामक सूचनाएं, षड्यंत्र-थ्योरियां और लक्षित दुष्प्रचार युवा दिमागों को लगातार प्रभावित कर रही हैं। सोशल मीडिया एल्गोरिद्म अपने लाभ हेतु व्यक्ति को उसी सामग्री की ओर धकेलता है, जो उसकी मानसिकता को भाए। उसके गुस्से, असंतोष और पूर्वाग्रहों को मजबूत करे। सूचना की अधिकता और ज्ञान की कमी अक्सर विवेक को कुंद कर देती है। राष्ट्रभक्ति और मानवीयता किसी डिग्री का अनिवार्य उप-उत्पाद नहीं हैं, वे संस्कार, संवाद और विवेक से विकसित होती इसलिए एक कुशल पेशेवर, डॉक्टर, इंजीनियर या शोधकर्ता स्वाभाविक रूप से देशभक्त, तार्किक और उदार विचारों वाला नागरिक भी होगा इसकी कोई गारंटी नहीं। सरकार और समाज को इसके लिए मिलकर प्रयास करना होगा। शिक्षा में वैज्ञानिक दृष्टिकोण, संविधान-परक नागरिकता और सामाजिक नैतिकता अनिवार्यतः शामिल हो। कट्टरता रोकने में परिवार, समुदाय, शैक्षणिक संस्थानों समन्वित भूमिका निभाएं। युवाओं को रोजगार, अवसर और सकारात्मक सामाजिक उद्देश्य उपलब्ध कराए जाएं, क्योंकि बेरोजगारी कट्टरवाद की उर्वर भूमि है। विद्यालयों-महाविद्यालयों में इस तरह का भी पाठ्यक्रम हो, जो विभिन्न माध्यमों द्वारा दुष्प्रचार को समझने में सक्षम बनाए। डिजिटल प्लेटफार्मों पर भ्रामक सामग्री और नफरत फैलाने वाले तंत्रों पर कठोर निगरानी हो। राज्यपाल की चिंता इसलिए समीचीन है, क्योंकि आतंकवाद अब केवल सामाजिक हाशिए से नहीं, बल्कि शिक्षित वर्ग से भी पोषण पा रहा है। इसे रोकना केवल सुरक्षा एजेंसियों का कार्य नहीं, यह समाज, शिक्षा और शासन तीनों की साझा जिम्मेदारी है।

आतंक के पनाहगार धरती के भगवान खतरनाक संकेत

विवेक सक्सेना
अयोध्या

देश में डॉक्टरों के रूप में उभरता आतंकवाद चुनौती के रूप में सामने आ रहा है। यह "व्हाइट कॉलर टेरर" का नया रूप है, जहां दिमागी योजना से रक्तपात और तबाही को अंजाम देने की साजिशें रची जा रही हैं। समाज जिस वर्ग को जीवन की रक्षा और सेवा का आदर्श मानता था, वही आतंक के लिए हथियार बन रहा है। आतंकवाद का यह रूप समाज की नींव को अंदर तक हिला सकता है, जिस पर समाज और सुरक्षा एजेंसियों का गंभीर ध्यान जरूरी है।

देश के किसी न किसी हिस्से से पुलिस की ओर से रह-रहकर किसी आतंकी माड्यूल का भंडाफोड़ करने, आतंकियों को गिरफ्तार करने और उनके पास से विस्फोटक-हथियार बरामद करने की खबरें आती ही रहती हैं। इसका यह मतलब नहीं कि आतंकी खतरा कम हो रहा है। सच यह है कि वह दिन-प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है, क्योंकि अब सम्मानित पेशे वाले भी आतंकी बन रहे हैं। हाल ही में देश के कई राज्यों जम्मू-कश्मीर, हरियाणा, गुजरात व यूपी में डॉक्टरों की आतंकवादी गतिविधियों में संलिप्तता उजागर हुई है। ये आतंकवादी न केवल हथियार, बल्कि जैविक विष और केमिकल अटैक की भी योजनाएं बना रहे थे। राजधानी दिल्ली में लाल किले के पास, जिस कार में भीषण धमाका हुआ और 12 लोग मारे गए, उस कार का चालक भी डॉक्टर उमर मोहम्मद था। पुलवामा का उमर उन तीन डॉक्टरों कश्मीर का डॉ. मुजम्मिल, डॉ. आदिल और लखनऊ की डॉ. शाहीन का सहयोगी निकला। जम्मू-कश्मीर में डॉक्टर मुजम्मिल अहमद गनी को एके-56 व विस्फोटक के साथ पकड़ा गया, उसका संबंध जैश-ए-मोहम्मद, अंसार गजवात-उल-हिंद से है।

हरियाणा में डॉ. मुझमिल शकील के ठिकाने से 3000 किलो अमोनियम नाइट्रेट और अवैध हथियार मिले। इसी संगठन से जुड़ी फरीदाबाद से गिरफ्तार लखनऊ की डॉक्टर शाहीन भारत में जैश-ए-मोहम्मद की महिला भर्ती शाखा का नेतृत्व कर रही थी। उसकी कार में एके-47 मिली। गुजरात में पकड़े गए डॉ. अहमद सैयद ने चीन से मेडिकल की पढ़ाई की है। वह अरंडी के बीज से बेहद घातक जहर राइसिन बनाने की तैयारी कर रहा था, जिससे सामूहिक नरसंहार किया जा सके। इनके और साथियों की भी तलाश की जा रही है। हैरानी नहीं कि उनके संपर्क में और भी ऐसे डॉक्टर निकलें, जो आतंकी हों।

इन तमाम घटनाओं ने स्पष्ट किया है कि अब आतंकवाद बंदूकधारी या सीमापार प्रशिक्षण तक सीमित नहीं रहा, बल्कि शिक्षित वर्ग, विज्ञान, मेडिकल, डिजिटल जैसे क्षेत्रों तक पहुंच चुका है। धमाकों, जैविक हमलों, साइबर हैकिंग और नकली पहचान से आतंकी अपने नेटवर्क को सहजता से फैला रहे हैं। यह पहली बार नहीं है जब किसी आतंकी साजिश और घटना में किसी डॉक्टर का नाम सामने आया हो। इसके पहले भी कई डॉक्टर आतंक की राह पर चलते पकड़े जा चुके हैं। पुणे के डॉक्टर अदनान अली सरकार को एनआईए ने 2023 में गिरफ्तार किया था। वह शहर का प्रतिष्ठित डॉक्टर था, लेकिन खूंखार आतंकी समूह आइएसआईएस के लिए काम कर रहा था।

ऐसे में यह कहना बिल्कुल गलत है कि अशिक्षित, गरीब परिस्थितिवश लोग आतंकी बनते हैं। दो-तीन दशकों में न जाने कितने ऐसे मुस्लिम युवकों ने आतंकी बनना पसंद किया है, जो उच्च शिक्षित थे। कुछ तो मजहबी उन्माद से इतना अधिक भर गए कि उन्होंने किसी नाम से खुद का आतंकी गुट बना लिया। मेडिकल या इंजीनियरिंग की पढ़ाई करते हुए आतंकी बनने वालों के बारे में यह नहीं कहा जा सकता कि वे प्रताड़ित थे या फिर आर्थिक तंगी से जूझ रहे थे। वे चाहते तो खुशहाल जिंदगी जी सकते थे, लेकिन उन पर आतंकी बनने का भूत सवार हुआ। ऐसा क्यों हुआ, इस मुद्दे पर विवाद होता रहता है, लेकिन इसमें तो कोई विवाद ही नहीं कि मजहब की आड़ लेकर या फिर उसके सहारे ही आतंक के रास्ते पर चला जाता है। इस गंभीर समस्या का सामना तभी संभव है, जब सरकारी तंत्र के साथ मुस्लिम समाज का राजनीतिक, धार्मिक नेतृत्व यह देखने को तैयार होगा कि उसके पढ़े-लिखे युवा भी आतंक का पाठ क्यों पढ़ रहे हैं? निस्संदेह वह ऐसा तभी कर पाएगा, जब आतंक पर राजनीतिक रोटियां सेंकने वालों के बहकावे में नहीं आएगा।

ऐसे में इस खतरे का सामना करने के लिए पारंपरिक खुफिया तंत्र के साथ-साथ डिजिटल निगरानी, मेडिकल रिकॉर्ड की कड़ी जांच और शिक्षित वर्ग में राष्ट्रहित की जागरूकता तथा नैतिक मूल्य बढ़ाने की बहुत आवश्यकता है। डॉक्टरों के रूप में उभरते आतंकवाद पर समाज को जितना जल्दी और मजबूत प्रतिरोध दर्ज करना होगा, उतना ही देश की सुरक्षा को बचाना संभव होगा। भारत को उन्नत खुफिया समन्वय, तकनीकी क्षमताओं और अंतर्राष्ट्रीय साझेदारी के माध्यम से अपने आतंकवादरोधी सुरक्षा पहलुओं को मजबूत करने की आवश्यकता है।

आतंकवाद के नए रूपों, जैसे अकेले हमला करने वाले और स्वतंत्र रूप से काम करने वाले कट्टरपंथी व्यक्तियों से निपटने के लिए यूएपीए और एनएसए के तहत प्रावधानों को मजबूत करने से सरकार को अधिक सक्रिय रूप से प्रतिक्रिया करने में मदद मिलेगी। इसकी भी अनदेखी नहीं की जा सकती कि भारत सहित विश्व में जितनी आतंकवादी घटनाएं हुई हैं, ज्यादातर में स्थानीय लोगों का सहयोग रहा है। सुरक्षा व्यवस्था से जुड़े हर व्यक्ति के साथ भारत के सभी नागरिकों को हर क्षण जागरूक और सक्रिय रहने की आवश्यकता है। पता नहीं कौन हमारे आसपास जिहादी मानसिकता से लैस होकर भयानक हिंसा का षड्यंत्र रच रहा हो। एक राष्ट्र के नाते भारत का संकल्प आतंकवाद का समूल नाश करना है। इस संकल्प को बल तब मिलेगा, जब हर नागरिक आतंक के खिलाफ लड़ी जा रही लड़ाई में सजगता का परिचय दे और आतंक के मामलों में कोर्ट भी त्वरित निर्णय लें।

> सुरक्षा व्यवस्था से जुड़े हर व्यक्ति के साथ भारत के सभी नागरिकों को हर क्षण जागरूक और सक्रिय रहने की आवश्यकता है। पता नहीं कौन हमारे आसपास जिहादी मानसिकता से लैस होकर भयानक हिंसा का षड्यंत्र रच रहा हो।

सोशल फोरम

शारीरिक विकास के लिए खेल के मैदान आवश्यक

एक चीते को जीवित रहने के लिए कितने वर्ग किलोमीटर का इलाका चाहिए। इसकी जानकारी हमें है। एक शेर को कितना इलाका घूमने फिरने के लिए चाहिए। इसकी भी जानकारी है। हम इन शिकारी

तजिंदर सिंह
जमशेदपुर, झारखंड

जानवरों के लिए जंगल में शिकार की व्यवस्था भी करते हैं। ताकि इनके सर्वाइवल के चांस बढ़ जाएं, लेकिन एक छोटे बच्चे को खेलने-कूदने के लिए कितनी जगह चाहिए। उसके सही शारीरिक विकास के लिए स्कूल में खेल के मैदान के साथ खेल-कूद अनिवार्य होना चाहिए। इन सब बातों की कोई चिंता हमें नहीं।

पहले तो फ्लैट कल्चर और घनी बसी बस्तियों में खेल-कूद के लिए जगह ही नहीं। बच्चे बेचारे सड़कों सीढ़ियों छतों पर खेलते नजर आते हैं। उस पर बरसात के कुकुरमुत्तों की तरह गली- मोहल्ले में उग आए स्कूलों में भी बच्चों के शारीरिक विकास की कोई व्यवस्था नहीं। घने इलाकों की एक बिल्डिंग में चलने वाले इन स्कूलों के साथ कोई मैदान ही नहीं। एक फैक्ट्री खोलने के लिए दस तरह के नियमों का पालन और सरकारी अनुमति जरूरी है, लेकिन जिस फैक्ट्री में देश की भावी पीढ़ी तैयार होगी, उसके लिए कोई नियम कायदे ही नहीं। कोई न्यूनतम नियमों के पालन की बाध्यता ही नहीं।

कुछ दिन पहले सुप्रीम कोर्ट ने अपने निर्णय में कहा कि शिक्षा कोई व्यापार नहीं, लेकिन अफसोस देश के न्यायविदों व शिक्षाविदों की सोच से अलग हमारे देश के कर्णधार नेताओं ने शिक्षा को व्यापार बना डाला। सरकारी स्कूलों को बंदकर लोगों को प्राइवेट शिक्षा लेने के लिए बाध्य किया जा रहा है। स्कूल-कॉलेजों की फीस बढ़ाई जा रही है। एक आम और खास बच्चे में हम बचपन की शिक्षा से ही अंतर पैदा कर दे रहे हैं। इससे आखिर समतामूलक समाज का निर्माण कैसे होगा? वैसे केवल सरकार को दोष देना भी सही नहीं। हम सरकारी जमीनें घेर धर्म स्थल तो बना सकते हैं, लेकिन कोई मैदान, लाइब्रेरी, जिम नहीं बना सकते। पूजा-पाठ का अपना महत्व हो सकता है। फिर भी इसके फायदे बहस का विषय हैं, लेकिन शारीरिक गतिविधियों के फायदे से कोई इंकार नहीं कर सकता। खेल-कूद से केवल शरीर का ही नहीं, बल्कि दिमाग का भी विकास होता है। हम अपनी हार, अपनी कमियों को स्वीकारने और उसके आगे जीत के लिए प्रयास करने की प्रेरणा भी पाते हैं। हारने पर प्रतिद्वंद्वी के प्रति कटुता लाने के बजाय हम और बेहतर करने के लिए प्रेरित होते हैं।

-फेसबुक वॉल से

प्रसंगवश

आत्मनिर्भरता और सामाजिक अस्मिता के प्रतीक बिरसा मुंडा

हमारा स्वतंत्रता संग्राम देश के उन असंख्य बलिदानियों के त्याग और समर्पण की कहानी बयां करता है, जिन्होंने अपना जीवन, घर-परिवार, सुख-चैन और जवानी सब कुछ देश के लिए समर्पित कर दिया। ऐसे ही महान क्रांतिकारियों में एक नाम है भगवान बिरसा मुंडा, आज उनकी 150 वीं जयंती के अवसर पर आवश्यक है कि हम राष्ट्र प्रेम, सामाजिक अस्मिता, प्रकृति संरक्षण एवं आत्मनिर्भरता के उनके संदेशों को जन-जन तक पहुंचाएं और उनके आदर्शों का अनुपालन करें। भगवान बिरसा मुंडा भारत के इतिहास में अदम्य साहस, जनजातीय अस्मिता, आत्मनिर्भरता, प्रकृति संरक्षण और स्वाभिमान के प्रतीक के रूप में पूजे जाते हैं। उनका जन्म 15 नवंबर 1875 को बंगाल प्रेसीडेंसी, वर्तमान में झारखंड के उलिहातू गांव, जिला खूंटी में मुंडा

त्रिवेंद्र सिंह रावत
सांसद, हरिद्वार

जनजाति में हुआ था। होश संभालने के बाद से ही उनका ध्यान समाज की गरीबी पर केंद्रित रहा, क्योंकि आदिवासियों का जीवन कई अभावों से भरा हुआ था, जिसका फायदा ईसाई मिशनरी उठा रही थी और उनकी गरीबी को ईश्वरीय प्रकोप कहकर, उन्हें भात खिलाने तथा कपड़े देने के नाम पर उनका धर्म परिवर्तन किया जा रहा था। 20 वर्ष की उम्र में उन्होंने समाज को धर्म और संस्कृति से जुड़ने की सलाह देने के साथ ही मिशनरियों के कु-चक्र से बचने के लिए भी प्रेरित किया। धीरे-धीरे समाज में उनका प्रभाव बढ़ने लगा, जिससे घबराई ब्रिटिश हुकूमत में उन्हें कई बार गिरफ्तार किया। वर्ष 1895 में अंग्रेजों की लागू की गई जमींदारी प्रथा और राजस्व-व्यवस्था के खिलाफ लड़ाई के साथ-साथ जल, जंगल-जमीन की लड़ाई का संघर्ष मात्र विद्रोह नहीं था। यह आदिवासी अस्मिता, स्वायतत्ता, आत्मनिर्भरता और संस्कृति को बचाने का संग्राम था। पिछले सभी विद्रोह से सीखते हुए, बिरसा मुंडा ने पहले सभी आदिवासियों को संगठित किया और अंग्रेजों के खिलाफ महाविद्रोह 'उलगुलान' छेड़ा।

'उलगुलान' विद्रोह के माध्यम से ब्रिटिश शासन और जमींदारी शोषण से त्रस्त आदिवासी समाज को उन्होंने संगठित किया और अपने अधिकारों के लिए संघर्ष का आह्वान किया। बिरसा मुंडा ने आदिवासियों को अपनी संस्कृति, परंपरा और धर्म की रक्षा का संदेश दिया। उनका प्रसिद्ध नारा- "अबुआ दिसुम, अबुआ राज" यानी हमारा देश, हमारा राज, आज भी आत्मनिर्भर और विकसित भारत के लिए प्रासंगिक है। वर्ष 1899-1900 में उनके नेतृत्व में 'उलगुलान' आंदोलन चला, जो अंग्रेजों के खिलाफ एक जनविद्रोह था। इस आंदोलन ने आदिवासी समाज में जागृति और स्वाभिमान की नई लहर पैदा की। इस दौरान उन्हें कई यातनाएं झेलनी पड़ी और अंततः बंदी गृह में ही 25 वर्ष की आयु में उन्होंने आखिरी सांस ली। अपने अल्पजीवन के कालखंड में उन्होंने सामाजिक सुधार, आत्मगौरव और प्रकृति संरक्षण का जो संदेश दिया, वह आज भी प्रासंगिक है। आज समाज उन्हें स्नेहपूर्वक "धरती आबा" अर्थात पृथ्वी पिता के रूप में पूजता है। भारत सरकार ने समाज के निर्माण में और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण में उनके योगदान को स्मरण करते हुए 10 नवंबर 2021 को भगवान बिरसा मुंडा के जन्मदिवस 15 नवंबर को "जनजातीय गौरव दिवस" के रूप में घोषित किया था। भगवान बिरसा मुंडा के नाम से कई योजनाएं एवं कार्यक्रम केंद्र सरकार द्वारा संचालित किए जा रहे हैं, जिनमें धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान, प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाअभियान, जिसे 'पीएम-जनमन' भी कहते हैं, भगवान बिरसा मुंडा स्वरोजगार योजना के अलावा मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र एवं झारखंड सहित कई राज्य सरकारों द्वारा विभिन्न प्रकार की योजनाएं उनके नाम से संचालित हैं।

आमने

बिहार में जो खेल एसआईआर ने किया है वो प. बंगाल, तमिलनाडु, यूपी और बाकी जगह पर अब नहीं हो पाएगा, क्योंकि इस चुनावी साजिश का अब भंडाफोड़ हो चुका है। अब आगे हम ये खेल, इनको नहीं खेलने देंगे। सीसीटीवी की तरह हमारा 'पीपीटीवी' मतलब 'पीडीए प्रहरी' चौकन्ना रहकर भाजपाई मंसूबों को नाकाम करेगा। भाजपा दल नहीं छल है।
-अखिलेश यादव
पूर्व सीएम, उप्र

सामने

बिहार में जंगलराज, कट्टावाद, परिवारवाद ये सब हार चुका है और सुशासन, विकास और गरीब कल्याण जीत चुका है। इसके लिए बिहार की एक-एक जनता का दिल से आभार है और वहां कार्यकर्ताओं को भी बधाई देते हैं, उन्होंने बहुत मेहनत की है। अखिलेश यादव अब इससे भी बुरी हार यूपी में हारेंगे।
-केशव प्रसाद मौर्य
डिप्टी सीएम, उप्र

आधी आबादी का आशीर्वाद फिर नीतीश सरकार

अमित नारायण
सीएमडी, नारायना मेडिकल कॉलेज, कानपुर

बिहार के मतदाताओं ने फिर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) को प्रचंड बहुमत के साथ सत्ता सौंप दी। 2020 के चुनाव में तीसरे नंबर की पार्टी बन चुकी जनता दल यूनाइटेड (जदयू) को मतदाताओं ने सिर माथे पर बिठाते हुए न सिर्फ पहले दूसरे नंबर पर पहुंचा दिया, बल्कि मुख्यमंत्री बनने का ख्वाब सजा रहे लालू के लाल तेजस्वी यादव की राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) को तीसरे स्थान पर ढकेल दिया। बिहार की सत्ता में राजग को पुनः काबिज कराने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के साथ पूरी ताकत झोंक दी थी।

जीविका दीदी के खाते में चुनाव से ठीक पहले 10-10 हजार रुपये की आर्थिक मदद भेजने का नीतीश कुमार का फैसला मास्टर स्ट्रोक साबित हुआ। महिलाओं ने उनके पक्ष में झूमकर वोट डाला। परिणाम स्वरूप पलायन और बेरोजगारी का मुद्दा पीछे छूट गया। भारत निर्वाचन आयोग ने चुनाव के बाद, जो आंकड़ा जारी किया था वह काफी चौंकाने वाला था। पहले चरण में 65.08 प्रतिशत मतदाताओं ने वोट डाले थे। इनमें से 69.04 प्रतिशत महिलाओं की भागीदारी थी। दूसरे चरण में 69.20 प्रतिशत मतदाओं ने मतदान किया था इसमें भी महिला मतदाताओं की भागीदारी 74.56 प्रतिशत थी। इन्हीं महिला मतदाताओं ने चुनाव का रुख नीतीश कुमार के पक्ष में मोड़ दिया। भारी मतदान के बाद माना जा रहा था कि मतदाता नीतीश की सरकार बदलने के लिए घरों से निकले थे। एंटी-इनकंबेंसी की आंधी चली और इस बार तेजस्वी यादव का मुख्यमंत्री बनने का सपना पूरा हो जाएगा, लेकिन नीतीश कुमार ने एंटी- इनकंबेंसी के असर को खत्म करने के लिए ही लाभार्थी परक योजनाएं लागू कर विपक्ष की हर चाल को नाकाम कर दिया। 10-10 हजार रुपये खाते में आने का ही परिणाम था कि जीविका दीदी खुद नीतीश के लिए वोट मांगने घरों से निकल पड़ीं, उन्होंने हर एक मतदाता के घर जाकर सरकार की खूबियों को गिनाया। नीतीश सरकार के पक्ष में उनके समर्थन से भाजपा और जदयू इस बात से आश्वस्त हो गईं थीं कि सत्ता में उनकी वापसी तय है। न जाति मुद्दा होगा न अपराध।

बिहार में पहली बार महिलाओं को पंचायतों और नगर निकायों में 50 प्रतिशत आरक्षण दिया। इससे भी महिलाएं खुश थीं। 14 लाख से अधिक लड़कियों को साइकिलें भी दीं। इससे महिला शिक्षा का स्तर बढ़ा। बेटियां नीतीश के इस काम से खुश हैं, तो शराबबंदी से महिलाओं ने नीतीश को पूरा आशीर्वाद दिया। परिणाम स्वरूप तेजस्वी यादव का 'माई बहिन' योजना, हर परिवार के एक सदस्य को नौकरी का वादा फीका पड़ गया। उनके इस अविश्वसनीय वादे का मजाक खुद बेरोजगार युवाओं ने ही बनाया। रैलियों में अपार भीड़ देख महागठबंधन के नेता अति उत्साहित नजर आए थे। उन्हें लगा था कि राहुल गांधी के वोट चोरी के मुद्दे को भुना ले गए हैं, पर यह उनका भ्रम साबित हुआ। तेज प्रताप यादव की नई पार्टी बनाना और महागठबंधन के नेताओं में आपसी तालमेल का अभाव भी तेजस्वी यादव के मुख्यमंत्री बनने के सपने की राह में दीवार बना।

हालांकि उनके इस सपने की राह की सबसे बड़ी दीवार महिलाएं और युवा मतदाता बने। चुनाव में जाति की दीवार भी टूटी। इसका सबसे बड़ा श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को भी जाता है। योगी आदित्यनाथ ने यहां भी बंटेंगे तो कटेंगे का नारा दिया और यह हिट हुआ। खासकर युवा मतदाताओं में। महागठबंधन के नेताओं ने बेरोजगारी और पलायन के मुद्दे पर उन्हें अपने पक्ष में मोड़ने का पूरा प्रयास किया। इन युवाओं की भीड़ तेजस्वी यादव और राहुल गांधी की रैलियों में उमड़ने भी लगी थी, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी और योगी आदित्यनाथ के राष्ट्रवाद से जुड़ने के आह्वान ने उनके मन को पूरी तरह से बदल दिया और रैलियों में उमड़ी भीड़ को महागठबंधन के नेता वोट में बदल नहीं पाए। नीतीश कुमार की बीमारी का मुद्दा विपक्ष ने खूब उठाया था, लेकिन इसे मतदाताओं ने हल्के में लिया। नीतीश कुमार को भाजपा मुख्यमंत्री नहीं बनाएगी, यह भी मुद्दा विरोधी दलों ने खूब उछाला, लेकिन इसका कोई लाभ नहीं मिला। चुनाव से पहले एआईएमआईएम प्रमुख ओवैसी ने महागठबंधन का हिस्सा बनने की कोशिश की, लेकिन बिना ओवैसी के ही सत्ता में वापसी के अति आत्मविश्वास के कारण तेजस्वी यादव और राहुल गांधी का अति आत्मविश्वास उन्हें ले डूबा। प्रशांत किशोर की जनसुराज को सीट तो एक भी नहीं मिली। वह वोट कटवा बनकर रहे गए।

बिहार की राजनीति में भ्रष्टाचार, बेरोजगारी और पलायन का मुद्दा उठाकर किंगमेकर बनने की सोच रहे प्रशांत किशोर बड़े दंभ से दावा करते हैं कि उनके गढ़े नारों और बनाए गए मुद्दों के दम पर न सिर्फ केंद्र की सत्ता में भाजपा काबिज हुई, बल्कि कई राज्यों में भाजपा विरोधी दलों की भी सरकार बनीं, लेकिन बिहार के मतदाताओं के मन-मिजाज को पीके भी भांप नहीं पाए और एक सीट भी उन्हें नहीं मिली। पीएम मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और राजग के हर नेता ने अपनी रैली में जंगल राज का भय दिखाया। यह भी चुनाव में राजग की जीत का टर्निंग प्वाइंट बना। साथ ही एसआईआर के दौरान फर्जी मतदाताओं का नाम कटना भी राजग के लिए फायदेमंद रहा। बाकि काम तो नीतीश सरकार की जन कल्याणकारी योजनाएं, सुशासन बाबू की उनकी छवि ने काम किया।

> यह भी चुनाव में राजग की जीत का टर्निंग प्वाइंट बना। साथ ही एसआईआर के दौरान फर्जी मतदाताओं का नाम कटना भी राजग के लिए फायदेमंद रहा।

सामयिकी

क्यों ढह रही है संयुक्त राष्ट्र की नैतिक दीवार

द्वितीय विश्व युद्ध की राख से जब मानवता ने नई सुबह की तलाश की, तब संयुक्त राष्ट्र उस आशा की किरण बनकर उभरा था, जो विश्व को युद्ध, वैमनस्य और हिंसा से मुक्ति दिलाने का स्वप्न संजोए था। यह संस्था मानवीय एकता, न्याय और शांति का प्रतीक बननी थी, पर समय के प्रवाह में इसके आदर्श धूमिल पड़ गए। आज जब गाजा की गलियां खून से रंगी हैं, यूक्रेन युद्ध की राख ठंडी नहीं हुई और जलवायु परिवर्तन मानव अस्तित्व को चुनौती दे रहा है, तब संयुक्त राष्ट्र की मौन भूमिका विश्व-नैतिकता पर प्रश्नचिह्न बन गई है। वह संगठन, जिसे वैश्विक विवेक की आवाज होना था, अब शक्तिशाली देशों की कूटनीतिक कठपुतली बनकर रह गया है।

संयुक्त राष्ट्र की संरचना में ही उसकी सबसे बड़ी कमजोरी छिपी है। इसका सबसे शक्तिशाली अंग संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद, पांच स्थायी सदस्यों के वर्चस्व में है। अमेरिका, रूस, चीन, ब्रिटेन और फ्रांस को 'वीटो पावर' प्राप्त है, जिसके चलते ये देश किसी भी प्रस्ताव को अपने हितों के अनुसार रोक सकते हैं। यह शक्ति असमानता का प्रतीक बन चुकी है। विश्व राजनीति के इस क्लब में अधिकांश देशों की भूमिका 'सुनने' की है, निर्णय लेने की नहीं। भारत, जापान, जर्मनी, ब्राजील और अफ्रीकी देशों जैसे प्रभावशाली राष्ट्र, जो जनसंख्या, अर्थव्यवस्था और योगदान की दृष्टि से बराबरी पर हैं, उन्हें आज भी स्थायी सदस्यता से वंचित रखा गया है। यह एक ऐसे संगठन के लिए नैतिक विडंबना है, जो स्वयं को लोकतंत्र, समानता और न्याय का रक्षक कहता है। सुरक्षा परिषद की यह वीटो संस्कृति वैश्विक न्याय की राह में सबसे बड़ी बाधा बन चुकी है। यूक्रेन युद्ध इसका ज्वलंत उदाहरण है, जहां रूस के आक्रमण के विरुद्ध लाए गए प्रस्ताव वीटो के कारण ठंडे बस्ते में चले गए। इसी तरह, गाजा में निरंतर होते मानवीय संकट पर भी परिषद असहाय दिखी, क्योंकि अमेरिका ने इस्राइल के विरुद्ध प्रस्तावों को रोक दिया। इस तरह पांच स्थायी सदस्यों की स्वार्थपरता ने विश्व-न्याय की अवधारणा को खोखला कर दिया है। संयुक्त राष्ट्र के गठन का आदर्श "समानता पर आधारित सहयोग" था, परंतु वास्तविकता में वह धीरे-धीरे अमेरिकी प्रभाव की छाया बन गया।

नृपेन्द्र अभिषेक नृप
स्तंभकार

संयुक्त राष्ट्र के बजट का लगभग 22 प्रतिशत अमेरिका देता है। आर्थिक रूप से सबसे बड़ा योगदानकर्ता होने के कारण उसका प्रभाव इतना गहरा है कि नीतिगत निर्णयों में भी उसका झुकाव स्पष्ट दिखता है। संयुक्त राष्ट्र महासचिवों की नियुक्ति से लेकर विभिन्न एजेंसियों की दिशा तय करने तक, अमेरिकी नीति-निर्धारण का प्रभुत्व सर्वविदित है। यही कारण है कि जब अमेरिका अंतर्राष्ट्रीय कानूनों का उल्लंघन करता है, जैसे इराक युद्ध या इजराइल को दी जाने वाली अंधी समर्थन नीति तब संयुक्त राष्ट्र मौन साध लेता है। उसकी निर्बलता दरअसल उसकी निर्भरता से उपजी है। यह संस्था अब उस ताकतवर देश की कठपुतली लगती है, जिसे कभी विश्व-नैतिकता का प्रहरी होना चाहिए था। संयुक्त राष्ट्र तभी पुनर्जीवित होगा, जब वह राष्ट्रों की कठपुतली नहीं, बल्कि उनके विवेक की आवाज बनेगा। यदि उसका रूपांतरण नहीं हुआ, तो आने वाले दशकों में वह केवल इतिहास की एक स्मारक संस्था बनकर रह जाएगा। एक ऐसी याद के रूप में, जो कभी मानवता के सपनों से जन्मी थी, पर अपनी ही जटिलताओं में खो गई। परंतु यदि वह आत्ममंथन कर सका, तो वही संस्था फिर से वह दीप बन सकती है, जो युद्धरत विश्व में शांति की किरणें बिखेर दे- "मानवता की सामूहिक आत्मा" के रूप में।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं मकान नं.197/1, समता आश्रम गली, रामपुर रोड, हल्द्वानी, जिला नैनीताल, उत्तराखंड-263139 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक - अमित शर्मा*** 05946292618 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UTTHIN/2021/79698, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र नैनीताल होगा)।

राजस्थान के किले
जीवंत संस्कृति की विरासत

राजस्थान अपनी समृद्ध और जीवंत सांस्कृतिक विरासत के लिए जाना जाता है, जिसमें भव्य किले और महल, अद्वितीय कलाकृतियां, हस्तशिल्प और 'घूमर' व 'कालबेलिया' जैसे प्रसिद्ध लोक नृत्य इसे पूरी दुनिया में चर्चित करते हैं। यहां के किले स्थापत्य भव्यता, जटिल नक्काशी और विभिन्न स्थापत्य शैलियों के मिश्रण के लिए भी जाने जाते हैं। यहां कई ऐसे किले हैं, जो भारत नहीं, बल्कि विदेशी पर्यटकों के बीच खासे प्रसिद्ध हैं। उन्हें देखने के लिए हर मौसम में विदेशों से बड़े पैमाने पर पर्यटक आते हैं। राजस्थान के जैसलमेर शहर में एक किला है, जो लोगों के आकर्षण का केंद्र है। त्रिकुटा हिल पर बने जैसलमेर किला अपनी बेहतरीन संरचना के लिए दुनियाभर में प्रसिद्ध है। अगर आप घूमने के शौकीन हैं, तो इस किले को देखने जरूर जाएं।

डॉ. विकास शुक्ला
कानपुर

1156 में स्थापित हुआ किला

जैसलमेर किले की स्थापना वर्ष 1156 में भाटी राजपूत महाराजा रावल जैसल ने कराया था। 1294 के आसपास इस साम्राज्य पर अलाउद्दीन खिलजी ने आक्रमण किया था और उसकी सेना ने इसे करीब नौ साल तक घेर कर रखा। 1551 के आसपास रावल लूनाकरण के शासन के दौरान, किले पर अमीर अली ने हमला किया था। इसके बाद ही तत्कालीन महाराजा ने अपनी पुत्री की शादी अकबर से कर दी थी। मुगलों का संरक्षण मिलने से किला बच गया था। यह किला दुनिया के सबसे बड़े रेगिस्तान में स्थापित किला है। यह राजस्थान का दूसरा अति प्राचीन किला भी है। यह किला 1762 तक मुगलों के नियंत्रण में रहा, उसके बाद महारावल मूलराज ने किले पर नियंत्रण कर लिया। दिसंबर 1818 में ईस्ट इंडिया कंपनी और महारावल मूलराज के बीच संधि हुई थी। इसमें तय हुआ था कि किले का नियंत्रण मूलराज के पास ही रहेगा। 1820 में मूलराज की मृत्यु के बाद, उनके पोते गज सिंह को किले का नियंत्रण विरासत में मिला था।

- पीले बलुआ पत्थर से निर्मित यह किला यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल है। पर्यटक विशेष रूप से यहां सूर्यास्त देखने आते हैं। सूर्य की किरणें पूरे किले की शोभा बढ़ातीं हैं। पीली दीवारें, सूरज की किरणों से मानों नहा सी जाती हैं। इस खूबसूरती के कारण ही इसे सोनार किला या स्वर्ण किला भी कहा जाता है। यहां कुछ हवेलियां भी हैं, जिनमें पटवाओं की हवेली, नथमल की हवेली, सलाम सिंह की हवेली शामिल हैं। इस किले में राजपुताना और इस्लामी शैली एक साथ दिखती है।
- **उदयपुर का किला**– उदयपुर का किला अब सिटी पैलेस के नाम से जाना जाता है। यह पिछोला झील के किनारे स्थित है। इसका निर्माण 16 वीं शताब्दी में राजा उदयसिंह द्वितीय ने कराया था। इसके अंदर कई भव्य महल व एक भगवान जगदीश का मंदिर भी है।
- **चित्तौड़ किला**– ऐतिहासिक किले का निर्माण मौर्य वंश के राजा चित्रांगद ने सातवीं शताब्दी में करवाया था। इस किले पर मौर्य, गुहिलवंश, परमार, सोलंकी आदि अनेक वंशों ने शासन किया। 1174 ई. के आसपास पुनः गुहिलवांशियों ने इस पर अधिकार कर लिया था। इस किले को 2013 में यूनेस्को द्वारा विश्व धरोहर का दर्जा प्रदान दिया गया है
- **मेहरानगढ़ किला**–जोधपुर में स्थित मेहरानगढ़ किला 124 मीटर की ऊंचाई पर एक पहाड़ी पर स्थित है। इसकी नींव जोधपुर के 15 वें शासक राव जोधा ने 1459 में रखी थी। बाद महाराज जसवंत सिंह ने 1638 से 78 के मध्य किले के निर्माण कार्य को पूरा करवाया। 10 किलोमीटर लंबी दीवार किले को घेरे हुए है। किले के अंदर कई भव्य महल स्थित हैं, जिनमें मोती महल, फूल महल, शीश महल, सिलेह खाना आदि शामिल हैं।
- **सिटी पैलेस**– महाराजा सवाई जय सिंह ने 1729 से 1732 के मध्य किले का निर्माण कराया था, अब इसे सिटी पैलेस के रूप में जाना जाता है। यह एक राजस्थानी व मुगल शैलियों की मिश्रित रचना है। यहां घूमने के लिए बड़े पैमाने पर पर्यटक आते हैं।
- **उम्मेद भवन**– उम्मेद भवन राजस्थान की शान है। इसका निर्माण राठौर राजवंश के शासक राजा उम्मेद सिंह ने बनवाया था। इसके निर्माण की योजना

- **हवा महल**– जयपुर स्थित जल महल के समीप ही हवा महल है। 799 में महाराजा सवाई प्रताप सिंह ने इसकी स्थापना कराई थी। यह एक पांच मंजिला इमारत है। इसका आकार मधुमक्खी के छत्ते की तरह दिखता है।

तैयार करने के लिए वास्तुकार हेनरी लोनचेस्टर को चुना गया था। महल के तीन हिस्से हैं। एक में उम्मेद होटल है, तो दूसरा हिस्सा शाही परिवार के पास है, जबकि तीसरे हिस्से में संग्रहालय स्थापित है।

- **रणथंभौर किला**–सवाई माधोपुर में स्थित रणथंभौर किला की स्थापना राजा सज्जन वीर सिंह ने कराया था। दो पहाड़ियों के मध्य में स्थित यह किला अपनी वास्तुकला के लिए प्रसिद्ध है। इस दुर्ग की सबसे अधिक ख्याति हम्मीर देव चौहान के शासनकाल 1282-1301 में रही। 1301 में इस किले पर अलाउद्दीन खिलजी ने कब्जा कर लिया। इसके पश्चात 18 वीं सदी के मध्य तक इस पर मुगलों का अधिकार रहा।
- **आमेर का किला** – जयपुर से 11 किलोमीटर की दूरी पर पहाड़ी के ऊपर आमेर का किला स्थित है। इसकी स्थापना का कार्य 1592 में राजा मानसिंह प्रथम ने करवाया था। यह लाल बलुआ पत्थर और संगमरमर से बना है, जिसमें हिंदू और मुगल वास्तुकला का मिश्रण दिखता है। किले के प्रमुख आकर्षणों शीश महल (आईना महल), दीवान-ए-आम, दीवान-ए-खास, और सुख निवास शामिल हैं।

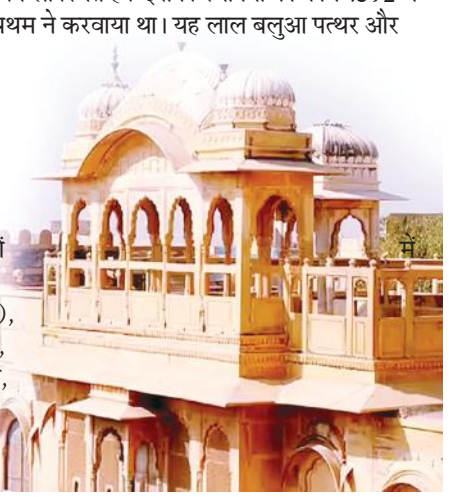

आपबीती

हम रखते थे शिक्षकों के अजूबे निक नेम

उत्तर प्रदेश सैनिक स्कूल, लखनऊ में मेरा एडमिशन वर्ष 1987 में हुआ था, जिसे अब मनोज पांडे पीवीसी कहा जाता है। हम लोग हॉस्टल में रहते थे। हमारे दिन की शुरुआत सुबह 5:30 से हो जाती थी। इसके बाद छह बजे पीटी के लिए सब लोग लाइन में लग जाते थे। हमें रोजाना दो से तीन किलोमीटर की दौड़ लगानी पड़ती थी। पीटीआई की निगरानी में 6:45 बजे तक व्यायाम भी करते थे। इसके बाद हम अपने-अपने हाउस में लौट जाते थे। वहां स्नान आदि करने के बाद स्कूल यूनिफॉर्म पहनकर 7:30 बजे तक मेस के लिए मार्च करते थे। असेंबली हॉल में 8:15 बजे प्रिंसिपल, शिक्षक और कैडेट्स की उपस्थिति में असेंबली शुरू होती थी। फिर नौ बजे से शैक्षणिक क्लासेस शुरू हो जाती थी, जो दोपहर 1:30 तक चलती थी।

- स्कूल में छह से सात क्लासेस होती थीं, जिसके बाद सारे कैडेट्स मार्च करते हुए मैच के लिए प्रस्थान करते थे। लंच अमूमन 2:00 तक चलता था। इसके बाद कैडेट संबंधित हाउस में चले जाते थे। 4:00 तक रिलैक्स टाइम होता था। 4:30 से 6:00 तक गेम पीरियड होता था। हम लोग फुटबॉल, वालीबॉल, हॉकी, क्रिकेट, बास्केटबॉल जैसे खेल खेलते थे। उसके बाद सब अपने-अपने हाउस के लिए प्रस्थान कर जाते थे। नहाने धोने के बाद 6:30 से आठ के बीच ट्रिप क्लासेस चलती थी। रात आठ बजे डिनर के लिए वापस मेस जाना पड़ता था। रात 10:30 के बाद कमरे की सारी लाइट बंद कर दी जाती थी, जो कि सोने का समय होता था।
- सैनिक स्कूल की रूटीन हुआ करती थी कि हम रोज का शेड्यूल पूरा करने में ही निहाल हो जाते थे। रोज सुबह-सुबह उठना हमारे लिए अग्नि परीक्षा के समान था। हम उस दौरान सोने के लिए एक-एक मिनट चुराने की कोशिश करते थे। मेरा हाउस किदवई हाउस के नाम से जाना जाता था, जो की कानपुर रोड से लगा हुआ था। पूरी रात ट्रकों की आवाज से हमारा हॉस्टल गूंजता रहता था, लेकिन दिनभर की थकान के आगे ट्रकों की आवाज एक म्यूजिक की तरह लगती थी। जिस वर्ष मैं सैनिक स्कूल में एडमिशन लिया, उस समय स्कूल में रैगिंग चरम सीमा पर थी। सीनियर-जूनियर का रिश्ता ऐसा था, जैसे युद्ध में दो योद्धा आमने-सामने हों, जिसमें एक योद्धा शेर के समान और दूसरा बकरी के समान। हम लोग जहां भी सीनियर्स को देखते थे, रुक जाते थे।
- सैनिक स्कूल ने जिम्मेदार नागरिक बनाने के लिए क्रेडिट की ट्रेनिंग शुरू किया गया था। यहां हर एक्टिविटी के पीछे अनुशासन, ऑल राउंड पर्सनैलिटी डेवलपमेंट करने की ट्रेनिंग दी जाती है। ऐसे में स्कूल के अनुशासन को संभालने की जिम्मेदारी सीनियर बैच के कैडेट 11 और 12 क्लास के कैडेट की हुआ करती थी। हर हाउस में, जो अच्छे सीनियर्स होते थे, उनकी देखरेख में हम लोगों को रखा जाता था। ऐसे में स्कूल के भीतर होने वाली अलग-अलग प्रतियोगिताओं में संबंधित हाउस की जीत की जिम्मेदारी भी इन्हीं सीनियर्स के कंधों पर होता था। लंच के बाद के समय हमारी एनसीसी की हफ्ते में 2 से 3 दिन परेड हुआ करती थी। मैं आर्मी वेंकटरारेड था आर्मी विंग के इंस्ट्रक्टर उन दिनों आरपी शुक्ला हुआ करते थे। वह हमारे केमिस्ट्री टीचर भी हुआ करते थे। उनको जब पहली बार एनसीसी की ड्रेस में देखें, तो बड़ा अचंभा हुआ। मैं तुरंत पहचान भी नहीं पाया, वह उस समय के सबसे अनुशासित शिक्षक हुआ करते थे। सीनियर्स के द्वारा हम लोगों को पता चला कि कुछ टीचरों के निक नेम भी हैं। उस समय जो हमारे रजिस्ट्रार हुआ करते थे, उनका नाम सब लोग रज्जो कहकर पुकारते थे। उसी समय के प्रिंसिपल को पिल्लू नाम से बुलाते थे। बहरहाल, मुझे इन नाम से इत्तेफाक नहीं था। सातवीं क्लास में हमारे रूम में चंदन जायसवाल और मयंक मयूर साथ-साथ रहते थे। चंदन जायसवाल जौनपुर का रहने वाला था और मयंक मयूर महोबा का बाद में मयंक मयूर का सिलेक्शन एनडीए के थ्रू एयर फोर्स में हुआ, जो की कश्मीर में प्लेन एक्सरसाइज में हादसा होने के दौरान वीरगति को प्राप्त हुआ। सैनिक स्कूल में सितंबर और अक्टूबर माह में हर साल लखनऊ से दूर जाया करता था। हम लोग पूरा उत्तराखंड घूमे। आठवीं क्लास में पूरा राजस्थान, जिसमें जयपुर, जोधपुर इत्यादि जबकि नवीं क्लास में हम लोगों का टूर बॉम्बे और पुणे गया।
- उस समय दूरदर्शन में हर रविवार एक सीरियल आता था, जिसका नाम परमवीर चक्र विजेता था। स्कूल की तरफ से हर हॉस्टल में एक रूम एलॉटेड था, जिसको एंटी रूम कहा जाता था। सीनियर हाउस टंडन हाउस में मनोज पांडे (कैप्टन मनोज पाण्डेय, कारगिल में वीरगति) था और मैं किदवई हाउस में था। हर रविवार हम लोग बड़े चाव से परमवीर चक्र विजेता सीरियल को देखा करते थे। एक बार मुझे याद है कि एक सीरियल को देखते हुए बड़ी जोर से मनोज पांडे चिल्लाता हुआ पीछे की तरफ आया कि मैं भी परमवीर चक्र विजेता बनूंगा, जबकि उसको मालूम था की परमवीर चक्र ज्यादातर लोगों को मरणोपरांत ही मिलता है। उसकी देशभक्ति और देश निष्ठा स्कूल के समय से ही दिखाई देती थी। वह सभी कैडेट से बिल्कुल अलग था चाहे पढ़ाई हो, चाहे देश सेवा का जज्बा सब में वह हमेशा अव्वल रहता था। मुझे गर्व है कि वह छह वर्ष तक सैनिक स्कूल में मेरा साथी रहा, मेरा बैचमेट रहा। वर्ष 1993 में इंटरमीडिएट होने के बाद हम लोग पास आउट हुए, लेकिन कितने दिनों में जितने भी स्कूल मैंने देखे हैं सैनिक स्कूल जैसा अनुशासन मुझे कहीं नहीं मिला। आज भी सैनिक स्कूल में बिताए हुए छह वर्ष रह-रह कर याद आते हैं। मेरा मानना है कि आज के युवाओं को सैनिक स्कूल जैसा अनुशासन देना चाहिए। कक्षा 10 के बोर्ड के बाद फिल्म देखने का भी शौक चढ़ा। ऐसा शौक चढ़ा की रात को दीवार फांदकर हजरतगंज पहुंच जाते थे, जो की स्कूल से 15 किलोमीटर दूर था।

-संदीप पांडेय
अधिवक्ता, उच्च न्यायालय लखनऊ

लव बर्ड्स

पहली नजर में ही दे बैठे दिल

पहली बार हम दोनों 2012 में कॉलेज में एक छात्र संघ के इलेक्शन कैंपेन के दौरान मिले। मैं पहली मुलाकात में ही रोशनी को दिल दे बैठा था। फिर हम दोनों के बीच बातचीत का सिलसिला शुरू हुआ। कुछ समय बाद मैंने एक दोस्त के जरिए रोशनी से अपने दिल की बात कहलवाई, लेकिन बात नहीं बनी। रोशनी ने कोई जवाब नहीं दिया। वक्त तेजी से बीतने लगा। हम दोनों की पढ़ाई पूरी हुई और मैं नौकरी के सिलसिल में दूसरे शहर चला गया। पहले के मुकाबले हम दोनों में बातें भी कम हो गईं, लेकिन वो कहते हैं, जिनका मिलना मुकद्दर में होता है, वो मिलकर ही रहते हैं। कुछ समय बाद रोशनी को भी इस प्यार का एहसास हुआ।

एक दिन रोशनी ने मुझे फोन किया। हम दोनों में एक बार फिर बातों का सिलसिला शुरू हुआ, पर इस बार दोस्ती प्यार में बदल चुकी थी। दोबारा शुरू हुई बातचीत में अधिक निकटता थी। बातचीत का सिलसिला जैसे-जैसे आगे बढ़ने लगा, रोशनी का केयरिंग नेचर, छोटी-छोटी आदतें, बातें सब पंसद आने लगीं और तय कर लिया कि रोशनी से ही शादी करूंगा। अपने प्यार को सफल करते हुए हम दोनों ने 2020 में वैलेंटाइन डे वाले दिन यानी 14 फरवरी 2020 को शादी के बंधन में बंधे और जीवनभर के लिए एक- दूसरे के हो गए।

-अभिषेक और रोशनी पटेल, बरेली

बाजार	सेंसेक्स ↑	निफ्टी ↑
बंद हुआ	84,562.78	25,910
बढ़त	84.11	30.90
प्रतिशत में	0.10	0.12

सोना 1,29,400 प्रति 10 ग्राम

चांदी 1,64,800 प्रति किलो

अमृत विचार

हल्द्वानी, शनिवार, 15 नवंबर 2025

www.amritvichar.com

बिजिनेस ब्रीफ

अदाणी समूह असम में 63,000 करोड़ रुपये का निवेश करेगा

नई दिल्ली। अदाणी समूह असम में दो प्रमुख बिजली परियोजनाओं के निर्माण के लिए लगभग 63,000 करोड़ रुपये का निवेश करेगा। इसमें पूर्वोत्तर का सबसे बड़ा निजी कोयला आधारित संयंत्र और नयी पंप-भंडारण आधारित पनबिजली परियोजनाएं शामिल हैं। समूह ने एक बयान में कहा कि उसे असम में दो बड़ी बिजली परियोजनाओं के लिए राज्य सरकार से परियोजना आवंटन पत्र मिला हुआ है। अदाणी पावर लिमिटेड डीबीएफओओ मॉडल के तहत 3,200 मेगावाट के नए अत्याधुनिक तापीय बिजली संयंत्र के निर्माण के लिए लगभग 48,000 करोड़ रुपये का निवेश करेगी।

भारत बिस्कॉफ के लिए बन सकता है शीर्ष बाजार : लोटस बेकरीज

नई दिल्ली। बेल्जियम की बहुराष्ट्रीय 'स्नैक फूड' कंपनी लोटस बेकरीज को उम्मीद है कि आने वाले वर्षों में भारत उसके शीर्ष बाजारों में से एक होगा। कंपनी ने मोंडेलेज के साथ साझेदारी में अपनी 'बिस्कॉफ कुकी' बृहस्पतिवार को पेश की थी। लोटस बेकरीज के सीईओ जैन बूने ने ऑनलाइन संवाददाता सम्मेलन में कहा, उम्मीद है कि भारत, 'बिस्कॉफ' के लिए शीर्ष तीन व शीर्ष चार देशों (बाजारों) में से एक बन जाएगा। उन्होंने बताया कि 'बिस्कॉफ' दुनिया भर के 80 से अधिक देशों में बेची जाती है। अमेरिका सबसे बड़ा बाजार है, उसके बाद ब्रिटेन और फ्रांस का स्थान आता है।

पीएम-किसान की 21वीं किस्त जारी करेंगे प्रधानमंत्री

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 19 नवंबर को पीएम-किसान योजना की 21वीं किस्त जारी करेंगे। इसके तहत पात्र किसानों को सालाना 6,000 रुपये प्रदान किए जा रहे हैं। पीएम किसान सम्मान निधि योजना, 24 फरवरी, 2019 को शुरू की गई थी जो एक केंद्र सरकार की योजना है। इसमें प्रत्येक पात्र किसान को 6,000 रुपये की वार्षिक वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। कृषि मंत्री ने एक बयान में कहा कि प्रधानमंत्री 19 नवंबर, 2025 को पीएम-किसान की 21वीं किस्त जारी करेंगे।

थोक मुद्रास्फीति अक्टूबर में 1.21% गिरकर 27 माह के निचले स्तर पर

दालों और सब्जियों के साथ विनिर्मित वस्तुओं की कीमतों में कमी का असर

नई दिल्ली, एजेंसी

दालों और सब्जियों जैसे खाद्य पदार्थों की कीमतों में गिरावट के साथ ईंधन और विनिर्मित वस्तुओं की कीमतों में नरमी से थोक मुद्रास्फीति में अक्टूबर में गिरावट दर्ज की गई और यह 27 महीने के निचले स्तर शून्य से नीचे 1.21 प्रतिशत रही।

थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित मुद्रास्फीति पिछले साल सितंबर में 0.13 प्रतिशत और अक्टूबर 2024 में 2.75 प्रतिशत रही थी। उद्योग मंत्रालय ने बयान में कहा, अक्टूबर 2025 में मुद्रास्फीति में गिरावट की मुख्य वजह खाद्य पदार्थों, कच्चे पेट्रोलियम व प्राकृतिक गैस, बिजली, खनिज तेलों और मूल धातुओं के विनिर्माण आदि की कीमतों में नरमी रही। इंडिया रेटिंग्स एंड रिसर्च के कार्यकारी निदेशक पारस जसराय ने कहा, वित्त वर्ष 2025-26 के बाकी समय में अनुकूल तुलनात्मक आधार से थोक मुद्रास्फीति में गिरावट का दौर जारी रहने की उम्मीद है। ऐसे में इंडिया रेटिंग्स का अनुमान है कि नवंबर 2025 में थोक मुद्रास्फीति में गिरावट एक प्रतिशत से कम रहेगी। माल एवं सेवा कर (जीएसटी) की दरों में 22 सितंबर से प्रभावी कटौती के बाद डब्ल्यूपीआई आधारित मुद्रास्फीति में अपेक्षा के अनुरूप गिरावट आई है।

कर दरों को युक्तिसंगत बनाने के तहत दैनिक उपयोग की वस्तुओं पर जीएसटी दरों में कटौती की गई जिसके तहत चार-स्तरीय कर ढांचे को घटाकर पांच और 18 प्रतिशत की दो श्रेणी में लाया गया। कर कटौती से वस्तुओं की कीमतें कम हुईं तथा पिछले वर्ष की अनुकूल मुद्रास्फीति आधार के कारण थोक और खुदरा मुद्रास्फीति दोनों में कमी आई। अक्टूबर में खुदरा मुद्रास्फीति 0.25 प्रतिशत के सर्वकालिक निम्न स्तर पर रही जो जीएसटी दरों में कटौती और पिछले साल के उच्च आधार के कारण कम हुई। सितंबर में खुदरा या उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति 1.44 प्रतिशत थी। यह आंकड़े पिछले सप्ताह जारी किए गए थे। खुदरा मुद्रास्फीति पर नजर रखने वाले भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने इस महीने की शुरुआत में नीतिगत दर रेपो को 5.5 प्रतिशत पर अपरिवर्तित रखा था। खुदरा और थोक मूल्य सूचकांक मुद्रास्फीति में गिरावट से आरबीआई पर तीन से पांच दिसंबर को होने वाली अगली मौद्रिक नीति समीक्षा बैठक में रेपो दरों में कटौती करने का दबाव बनेगा।

सितंबर की तुलना में लगभग 3% ज्यादा गिरावट

थोक मूल्य सूचकांक के आंकड़ों के अनुसार, खाद्य वस्तुओं की महंगाई दर सितंबर में 5.22 प्रतिशत के मुकाबले अक्टूबर में 8.31 घटी। प्याज, आलू, सब्जियों और दालों की कीमतों में गिरावट देखी गई। सब्जियों की महंगाई दर में अक्टूबर में 34.97 प्रतिशत की गिरावट आई जबकि सितंबर में यह 24.41 प्रतिशत थी। दालों में अक्टूबर में 16.50 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई, जबकि आलू और प्याज में यह क्रमशः 39.88 प्रतिशत और 65.43 प्रतिशत रही। विनिर्मित उत्पादों के मामले में मुद्रास्फीति सितंबर के 2.33 प्रतिशत से घटकर 1.54 प्रतिशत हो गई। ईंधन और बिजली की कीमतें अक्टूबर में 2.55 प्रतिशत कम हुईं जबकि पिछले महीने इनमें 2.58 प्रतिशत की गिरावट आई थी।

सेंसेक्स और निफ्टी मामूली बढ़त के साथ बंद

मुंबई, एजेंसी

स्थानीय शेयर बाजार शुक्रवार को शुरुआती गिरावट से उबरकर मामूली बढ़त के साथ बंद हुए। मानक सूचकांक बीएसई सेंसेक्स 84 अंक चढ़ा जबकि एनएसई निफ्टी में 31 अंक की तेजी रही। निवेशकों ने निचले स्तर पर प्रमुख कंपनियों के शेयरों में लिवाली की, जिससे बाजार बढ़त में रहा।

इस दौरान एफएमसीजी (दैनिक उपयोग का सामान बनाने वाली कंपनियों के शेयर), बैंकिंग और दूरसंचार क्षेत्र के शेयरों में लिवाली हुई। कारोबार की शुरुआत में 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 449.35 अंक यानी 0.53 प्रतिशत की गिरावट के साथ 84,029.32 पर खुला। एनएसई निफ्टी 138.35 अंक यानी 0.53 प्रतिशत की गिरावट के साथ 25,740.80 पर खुला। हालांकि, दोनों प्रमुख सूचकांकों ने बाद में सुधार दर्ज किया और लगातार चौथे दिन बढ़त के साथ बंद हुए। बीएसई सेंसेक्स 84.11 अंक यानी 0.10 प्रतिशत बढ़कर 84,562.78 पर और एनएसई निफ्टी 30.90 अंक यानी 0.12 प्रतिशत चढ़कर 25,910.05 पर बंद हुआ।

● एफएमसीजी और बैंकिंग शेयरों की लिवाली से संभला बाजार

सोना 1,500 रुपये टूटा, चांदी भी फिसली

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में शुक्रवार को सोने की कीमत 1,500 रुपये टूटकर 1,29,400 रुपये प्रति 10 ग्राम रही। सर्राफा संघ के अनुसार, 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत बृहस्पतिवार के बंद भाव 1,30,300 रुपये प्रति 10 ग्राम से 1,500 रुपये घटकर 1,28,800 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) रह गई। सर्राफा बाजार में पिछले कारोबारी सत्र में 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 1,30,900 रुपये 10 ग्राम पर बंद हुआ था। शुक्रवार को चांदी की कीमतें भी 4,200 रुपये गिरकर 1,64,800 रुपये प्रति किलो (सभी करों सहित) रह गईं।

निर्यात संबंधी प्रावधानों और ऋण भुगतान की अवधि में कई बदलावों की घोषणा

मुंबई, एजेंसी

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने अमेरिकी आयात शुल्क की मार झेल रहे निर्यातकों को बड़ी राहत देते हुए निर्यात संबंधी प्रावधानों और ऋण भुगतान की अवधि में बदलावों की घोषणा की है।

केंद्रीय बैंक के मुताबिक फेमा नियमों के तहत दी गई राहत के कारण अब निर्यातकों को निर्यातित वस्तुओं/सॉफ्टवेयर/सेवाओं के निर्यात मूल्य की पूरी राशि स्वदेश लाने के लिए नौ महीने की जगह 15 महीने का समय मिलेगा। इस समय की गणना निर्यात की तारीख से की जाती है। इसके लिए 13 सितंबर को एक गजट अधिसूचना जारी की गई थी। इसके अलावा, आयातक से अग्रिम राशि प्राप्त करने के बाद निर्यात करने के लिए एक साल की जगह अब तीन साल का समय मिलेगा। यदि समझौते में उल्लेखित तारीख तीन साल से अधिक है तो वही तारीख मान्य होगी।

आरबीआई ने प्रभावित सेक्टरों के निर्यातकों के लिए सावधि ऋण और कार्यशील पूंजी ऋण के ब्याज के भुगतान के लिए मोरेटोरियम/भुगतान लंबित करने के लिए शुक्रवार को एक निर्देश जारी किया है। यह निर्देश उन्हीं मामलों में लागू होगा जहां 1 सितंबर 2025 से 31 दिसंबर 2025 के बीच भुगतान देय है। साथ ही, बैंकों को इस अवधि के लिए कार्यशील पूंजी सुविधा के तहत अर्हता शक्ति की पुनर्गणना का अधिकार दिया गया है।

● अमेरिकी टैरिफ की मार झेल रहे निर्यातकों को मिली बड़ी राहत

इन सेक्टरों को फायदा

प्रभावित सेक्टरों में मछलियों और अन्य बिना रीढ़ वाले समुद्री जीवों का निर्यात, जैव रसायन, प्लास्टिक और उससे बनी वस्तुएं, रबड़ और उनसे बनी वस्तुएं, चमड़े की वस्तुएं, यात्रा से संबंधित वस्तुएं, हैंड बैग, परिधान, कालीन और जूते-चप्पल शामिल हैं। प्राकृतिक या कृत्रिम हीरे-जवाहरात, सोना-चांदी, गहने, एल्युमीनियम, लोहे-इस्पात के सामान, परमाणु रिएक्टर, बॉयलर, मशीनरी और मैकेनिकल एप्लायंस, बिजली चालित मशीनें और उपकरण, रेलवे या ट्रामवे के रोलिंग स्टॉक को छोड़कर दूसरे वाहन तथा उनके कलपुर्जों के निर्यातकों को भी राहत मिलेगी।

देश के विदेशी मुद्रा भंडार में 2.7 अरब डॉलर की और गिरावट

मुंबई। देश का विदेशी मुद्रा भंडार सात नवंबर को समाप्त सप्ताह में 2.69 अरब डॉलर घटकर 687.03 अरब डॉलर रहा। पिछले कुछ सप्ताह से विदेशीमुद्रा भंडार में लगातार गिरावट का रुख बना हुआ है।

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के मुताबिक पिछले सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार 5.62 अरब डॉलर घटकर 689.73 अरब डॉलर रह गया था। शुक्रवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, सात नवंबर को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार का प्रमुख घटक विदेशी मुद्रा आस्तियां 2.45 अरब डॉलर घटकर 562.14 अरब डॉलर रह गईं। डॉलर के संदर्भ में व्यक्त विदेशी मुद्रा आस्तियों में विदेशी मुद्रा भंडार में रखे गए यूरो, पाउंड व येन जैसी गैर-अमेरिकी मुद्राओं के मूल्यवृद्धि या मूल्यह्रास का प्रभाव शामिल होता है। आरबीआई ने बताया कि सप्ताह के दौरान स्वर्ण भंडार का मूल्य 19.5 करोड़ डॉलर घटकर 101.53 अरब डॉलर रहा।

फ्लिपकार्ट ने 1,000 रुपये से कम के उत्पादों के लिए शून्य कमीशन मॉडल शुरू किया

नई दिल्ली। ई-कॉमर्स क्षेत्र की प्रमुख कंपनी फ्लिपकार्ट ने शुक्रवार को 1,000 रुपये से कम कीमत वाले सभी उत्पादों के लिए शून्य कमीशन मॉडल पेश किया।

कंपनी के एक बयान के अनुसार, यह नया मॉडल फ्लिपकार्ट के किफायती दामों पर सामान उपलब्ध कराने वाले मंच शॉप्सी पर भी लागू किया गया है। अब शॉप्सी पर सभी उत्पादों पर कमीशन नहीं लगेगा, चाहे कीमत कुछ भी हो। फ्लिपकार्ट ने कहा, इस नई व्यवस्था के तहत

● एमएसएमई को मिलेगा सहारा और कम कीमत होने से ग्राहकों को लाभ

1,000 रुपये से कम मूल्य वाले उत्पाद सूचीबद्ध करने वाले सभी योग्य विक्रेताओं से कमीशन शुल्क नहीं लिया जाएगा।

इस पहल का उद्देश्य सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) का समर्थन करना, उन्हें ग्राहकों को सस्ता सामान उपलब्ध कराने में मदद करना और साथ ही व्यापार करने की लागत को अधिक कुशलतापूर्वक प्रबंधित करना है। कंपनी ने कहा कि इस कदम से विक्रेताओं के लिए व्यापार करने की लागत लगभग 30 प्रतिशत तक कम हो सकती है। फ्लिपकार्ट के वरिष्ठ उपाध्यक्ष एस चौधरी ने कहा कि एमएसएमई क्षेत्र भारत की जीडीपी में लगभग 30 प्रतिशत योगदान देता है और फ्लिपकार्ट का उद्देश्य इस क्षेत्र का समर्थन करना, बाधाओं को दूर करना और अधिक क्षेत्रीय ब्रांडों को डिजिटल अर्थव्यवस्था में भरोसे के साथ प्रवेश करने में सक्षम बनाना है।

राष्ट्रीय

बिहार चुनाव: इधर जीत का जश्न, उधर सन्नाटा

पटना की एक ही सड़क के दोनों ओर राजग और राजद के कार्यालयों में अलग-अलग नजारा

पटना, एजेंसी

बिहार विधानसभा चुनाव के नतीजे शुक्रवार को जैसे-जैसे स्पष्ट होते गए, राजनीतिक गतिविधियों के केंद्र पटना का वीरचंद पटेल मार्ग दो बिल्कुल अलग-अलग दुनिया में बंट गया। एक ओर केसरिया और हरे रंग की खुशी थी तो दूसरी ओर मायूसी पसरी हुई थी। एक ओर भाजपाऔर जदयूकार्यालयों में ढोल-नगाड़ों, पटाखों और लड्डुओं की खुशबू के साथ उत्सव का माहौल था तो दूसरी ओर राजद मुख्यालय में सन्नाटा पसरा हुआ था।

राजग की स्पष्ट बढ़त के बीच भाजपा प्रदेश कार्यालय में जश्न चरम पर पहुंच गया था। पार्टी के कार्यकर्ता शहर के अलग-अलग इलाकों से पहुंचे। पटाखों की रोशनी में परिसर के रंग बदलते रहे, कभी केसरिया, कभी भूरा, तो कभी गुलाल का लाल। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के मुखौटे लगाए कार्यकर्ता हर बार बड़े एलईडी स्क्रीन पर भाजपा के आंकड़े बढ़ते ही नाच उठते। मोदी का परिवार के नारों के बीच महिलाएं भारत माता की जय और 'नरेन्द्र मोदी ज़िंदाबाद' का जयघोष कर रही थीं। ढोल की थाप इतनी तेज थी कि पटाखों की आवाज़ भी धीमी पड़ गई।

कुछ दूरी पर जदयू कार्यालय में भी जश्न का रंग गहरा था। रुझानों के बीच ढोल, हरे गुलाल और पटाखों के साथ माहौल उत्साही हो उठा जहां नीतीश कुमार का विशाल पोस्टर हवा में लहराता दिखा। उधर, राजद कार्यालय में माहौल एकदम अलग था। शुरुआती रुझान दोपहर तक बड़ी हार का संकेत देने लगे। 2020 में सबसे बड़ी पार्टी बनने वाली राजद के लिए ये नतीजे गहरा झटका रहे। पूर्व छात्र नेता निशांत यादव ने कहा, हम बहुत निराश हैं। हम तेजस्वी यादव को मौका देना चाहते थे, लेकिन रुझान हमारे पक्ष में नहीं हैं।

पटना में भाजपा के कार्यालय पर एनडीए के कार्यकर्ताओं ने जमकर जश्न मनाया।

हम ऐसे चुनाव में नहीं जीत सके जो शुरू से निष्पक्ष नहीं था: राहुल

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने शुक्रवार को बिहार विधानसभा चुनाव के नतीजे को चौंकाने वाला करार दिया और कहा कि विपक्षी गठबंधन एक ऐसे चुनाव में जीत हासिल नहीं कर सका, जो शुरू से ही निष्पक्ष नहीं था। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, मैं बिहार के उन करोड़ों मतदाताओं का हार्दिक आभार व्यक्त करता हूं, जिन्होंने महागठबंधन पर विश्वास जताया। बिहार का यह परिणाम वाकई चौंकाने वाला है। हम एक ऐसे चुनाव में जीत हासिल नहीं कर सके, जो शुरू से ही निष्पक्ष नहीं था। उन्होंने लिखा कि यह संविधान और लोकतंत्र की रक्षा की लड़ाई है। राहुल ने कहा, कांग्रेस पार्टी और विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' इस परिणाम की गहराई से समीक्षा करेंगे और लोकतंत्र को बचाने के अपने प्रयासों को और अधिक प्रभावी बनाएंगे।

नतीजे जमीनी हकीकत नहीं दिखाते: दीपांकर

नई दिल्ली। भाकपा (माले) लिबरेशन के महासचिव दीपांकर भट्टाचार्य ने कहा कि बिहार चुनाव के नतीजे राज्य की ज़मीनी हकीकत से मेल नहीं खाते। भट्टाचार्य ने कहा, ये नतीजे बिल्कुल अस्वाभाविक हैं; ये बिहार की जमीनी हकीकत से बिल्कुल मेल नहीं खाते। उन्होंने कहा, दो दशक से सत्ता में रही सरकार 2010 के अपने प्रदर्शन को दोहरा रही है, यह समझ से परे है। उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि बिहार में मतदाता सूचियों के एसआईआर के बाद 7.42 करोड़ मतदाता थे और चुनाव के बाद जारी निर्वाचन आयोग के प्रेस नोट में यह आंकड़ा 7,45,26,858 बताया गया है। उन्होंने कहा, 3,00,000 से अधिक की बढ़ोतरी! ये 'अतिरिक्त 2 एबी' कहां से आए। क्या आयोग इसका स्पष्टीकरण देगा।

बिहार की जनता के फैसले का सम्मान : खरगे

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने शुक्रवार को कहा कि बिहार की जनता में राज्य विधानसभा चुनाव में जो फैसला दिया है कांग्रेस उसका सम्मान करती है। खरगे ने यहां जारी बयान में कहा हम बिहार की जनता के फ़ैसले का सम्मान करते हुए, ऐसी ताक़तों के खिलाफ़ अपनी लड़ाई जारी रखेंगे जो संवैधानिक संस्थाओं का दुरुपयोग कर लोकतंत्र को कमज़ोर करने में जुटी हैं। हम चुनाव के परिणामों का गहराई से अध्ययन करेंगे और नतीजों के कारणों को समझने के बाद विस्तृत बात रखेंगे। उन्होंने कहा बिहार में जिन मतदाताओं ने महागठबंधन का साथ दिया है, उनके हम तहे दिल से आभारी है। कांग्रेस के हर कार्यकर्ता से कहना चाहता हूं कि आपको हतोत्साहित होने की जरूरत नहीं। आप हमारी आन-बान-शान है। आपकी कड़ी मेहनत हमारी ताकत है। कांग्रेस अध्यक्ष ने जनता को जागृत करने का संकल्प दोहराते हुए कहा कि उनकी पार्टी जनता को जागरूक करने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। जनता के बीच रहकर संविधान और लोकतंत्र को बचाने का संघर्ष जारी रखेंगे। उनका कहना था कि यह लड़ाई लंबी है और उनकी पार्टी इसे पूरी निष्ठा, साहस और सत्य के साथ लड़ेंगे।

सदाकत आश्रम स्थित कांग्रेस के कार्यालय में छाया रहा सन्नाटा।

महिलाओं को आर्थिक मदद और जंगलराज के जिक्र से मिला लाभ

नई दिल्ली। केंद्र और राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाएं, महिलाओं को दी गई आर्थिक सहायता सहित और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सत्तारूढ़ गठबंधन के नेताओं की ओर से राजद के शासन के दौरान के कथित 'जंगल राज' की लगातार याद दिलाना उन प्रमुख मुद्दों में शामिल रहे, जिन्होंने बिहार विधानसभा चुनाव में राजग की प्रचंड जीत में अहम भूमिका निभाई।

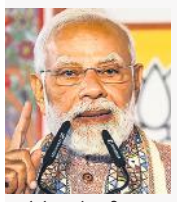

प्रधानमंत्री ने बिहार में 13 चुनावी सभाओं को संबोधित किया और पटना में एक विशाल रोड शो किया तथा इस दौरान 'बिहारी अस्मिता' के मुद्दे को जोरशोर से उठाया, छठ पूजा जैसी परंपराओं का उत्सव मनाया और राजद-कांग्रेस गठबंधन पर 'घुसपैठियों के प्रति नरम रुख' रखने व सत्ता में रहने के दौरान जनता के पैसे से मुनाफा कमाने जैसे आरोप भी लगाए। चुनावों में कहीं न कहीं इन मुद्दों का भी लाभ राजग को मिला। प्रधानमंत्री मोदी ने राजग के घटक दलों के साथ नियमित संवाद रखा और सत्तारूढ़ गठबंधन के उम्मीदवारों की घोषणा के बाद उनके बीच मतभेदों को दूर करने का संदेश भी दिया।

प्रधानमंत्री की चुनावी रैलियों में एक विषय प्रमुखता से छाया रहा, जिसमें वह पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद और राबड़ी देवी के नेतृत्व में राजद शासन के दौरान जनता को 'जंगल राज' की याद दिलाना नहीं भूलते थे। ऐसा करके उन्होंने यह सुनिश्चित करने का प्रयास किया कि राज्य के युवा तेजस्वी यादव द्वारा किए गए वादों से प्रभावित न हों। उन्होंने परिवार के बुजुर्गों से आग्रह किया कि वे उस युवा पीढ़ी को 'जंगल राज' के खौफनाक दौर के बारे में बताएं, जिन्होंने नीतीश कुमार को केवल मुख्यमंत्री के रूप में देखा है। भाजपा ने छठ पर्व सहित बिहार की विभिन्न परंपराओं को उत्सव का स्वरूप दिया तो 6 नवंबर को चुनाव के पहले चरण से ठीक पहले मोदी ने भी दिल्ली में छठ पूजा में शामिल होकर एक संदेश दिया। मोदी ने पूजा में उनके शामिल होने को 'नाटक' करार देने के लिए राहुल गांधी पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा था, कांग्रेस के नामदार ने छठी मैया की भक्ति को 'ड्रामा' कहा। वे कभी भी भगवान श्री राम के दर्शन करने के लिए अयोध्या नहीं जाते। मैं भगवान राम के प्रति उनकी नापसंदगी को समझता हूं। लेकिन वे कम से कम निषाद राज, शबरी माता और महर्षि वाल्मीकि को समर्पित मंदिरों में मत्था तो टेक ही सकते हैं।

बच्ची के यौन उत्पीड़न पर पूर्व बीएसएफ कर्मी को 10 साल की सजा

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने पांच साल की बच्ची के यौन उत्पीड़न के मामले में बीएसएफ के एक पूर्व हेड कांस्टेबल को 10 साल कैद की सजा सुनाई है।

अदालत ने कहा कि यह अपराध हिंसक शोषण का एक गंभीर रूप है। यह मामला वर्ष 2016 का है। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश संदीप गुप्ता ने आरोपी के खिलाफ सजा पर बहस के दौरान यह बात कही। आरोपी को पहले ही अपहरण और पॉक्सो अधिनियम की धारा 10 (गंभीर यौन उत्पीड़न) के तहत दोषी ठहराया जा चुका था। पीड़ित बच्ची को 7.75 लाख रुपये का मुआवजा दिए जाने का भी आदेश दिया।

इलाज और बीमा को किफायती बनाएं स्वास्थ्य बीमा कंपनियां

नई दिल्ली, एजेंसी

इलाज की महंगी दरों और स्वास्थ्य बीमा की बढ़ती प्रीमियम लागत के मुद्दों पर चर्चा करने के लिए वित्त मंत्रालय के वित्तीय सेवा विभाग (डीएफएस) ने कंपनियों से स्वास्थ्य सेवा और बीमा पालिसी को कम खर्चीला बनाने के लिए काम करने को कहा है।

मंत्रालय के अनुसार डीएफएस के सचिव एम नागराजू की अध्यक्षता में गुरुवार को हुई एक बैठक में जनरल इंश्योरेंस काउंसिल, एसोसिएशन ऑफ हेल्थकेयर प्रोवाइडर्स ऑफ इंडिय, मैक्स हेल्थकेयर, फोर्टिस हेल्थकेयर तथा अपोलो हॉस्पिटल्स जैसे स्वास्थ्य सेवा संस्थानों के प्रतिनिधियों के साथ न्यू इंडिया एश्योरेंस कंपनी, स्टार हेल्थ इंश्योरेंस और बजाज आलियांज जनरल इंश्योरेंस कंपनी सहित कई कंपनियों के प्रतिनिधियों ने भी भाग लिया।

डीएफएस सचिव ने स्वास्थ्य सेवा और बीमा उद्योग के प्रतिनिधियों को सलाह दी है कि स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक किफायती और सुलभ बनाने के लिए बीमा कंपनियां और अस्पताल राष्ट्रीय स्वास्थ्य दावा एक्सचेंज में शामिल होने की प्रक्रिया तेज करें, उपचार प्रोटोकॉल को मानकीकृत करें। इसमें सामान्य पैनल मानदंड अपनाने तथा कैशलेस दावा प्रसंस्करण को अधिक सरल एवं निर्बाध बनाने को भी कहा गया।

● वित्त मंत्रालय की पहल, बीमा कंपनियों के साथ की बैठक

धर्मेंद्र की निजता के लगातार उल्लंघन पर भड़का बॉलीवुड, कड़ी आपत्ति जताई

मुंबई, एजेंसी

फिल्म अभिनेता सनी देओल की अपने घर के बाहर फोटोग्राफरों से झड़प के बाद फिल्म निर्माताओं और अभिनेताओं ने दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र के बारे में मीडिया की ओर से की जा रही गलत बयानबाजी की निंदा की है। धर्मेंद्र को बुधवार सुबह ब्रीच कैंडी अस्पताल से छुट्टी मिल गई थी।

करण जौहर ने इस स्थिति को एक दर्दनाक 'मीडिया सर्कस' बताया और इस कठिन समय में संवेदनशीलता के अभाव की आलोचना की। करण जौहर ने इंस्टाग्राम पोस्ट में कड़े शब्दों में लिखा, जब बुनियादी शिष्टाचार और संवेदनशीलता हमारे दिलों और हमारे कार्यों से दूर हो जाती है तो हमें पता चलता है कि हम एक बर्बाद जाति हैं। फिल्म निर्माता मधुर भंडारकर ने भी इंस्टाग्राम पर इसी तरह की चिंता व्यक्त की और मीडिया से देओल परिवार की निजता का सम्मान करने का आग्रह किया। अभिनेत्री अमीषा पटेल ने भी धर्मेंद्र की स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं के बीच परिवार को निजता न देने के लिए मीडिया की आलोचना की। बता दें कि एक जानेमाने चैनल की एंकर ने उनके निधन की खबर चलाकर सबको सकते में डाल दिया था। बेबुनियाद खबरों पर गुस्सा जताते हुए हेमा मालिनी ने कड़े शब्दों में कहा था जो हो रहा है वो अक्षम है। जिम्मेदार चैनल ऐसे व्यक्ति के बारे में झूठी खबर कैसे फैला सकते हैं।

● फिल्म जगत के दिग्गजों ने मीडिया सर्कस कहकर कसा तंज

पुलिस में शिकायत दर्ज

मुंबई। भारतीय फिल्म एवं टेलीविजन निर्देशक संघ ने कुछ मीडियाकर्मियों और पत्रकारों के खिलाफ धर्मेंद्र की निजता के उल्लंघन के लिए पुलिस में औपचारिक शिकायत दर्ज कराई है। दरअसल, मंगलवार देर शाम धर्मेंद्र की मौत की झूठी खबर सोशल मीडिया पर फैल गई। जबकि अभिनेता के परिवार ने 12 नवंबर को पुष्टि की थी कि उनकी हालत स्थिर है।

अमिताभ बच्चन ने कहा- कोई नैतिकता न जिम्मेदारी

नई दिल्ली। अभिनेता अमिताभ बच्चन के आधिकारिक ब्लॉग पर लिखा गया है, न कोई नैतिकता, न कोई जिम्मेदारी का भाव... बस निजी लाभ का एक जरिया। उन्होंने इस पोस्ट में किसी का नाम नहीं लिया। बच्चन ने लिखा, बिना किसी पल की परवाह किए... परेशान करने वाला और घिनौना। उन्होंने 'एक्स' पर लिखा कहा, न कोई नैतिकता... कोई भी आचारनीति नहीं। बच्चन की यह पोस्ट धर्मेंद्र के स्वास्थ्य को लेकर मीडिया में लगातार हो रही कवरेज के बीच आया है।

वर्ल्ड ब्रीफ

चार वामपंथी यूरोपीय समूह आतंकी घोषित

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने गुरुवार को यूरोप के चार वामपंथी समूहों को आतंकवादी संगठन घोषित किया। यह कदम रूढ़िवादी कार्यकर्ता चार्ली किर्क की हत्या के बाद वामपंथियों के खिलाफ कार्रवाई के ट्रंप के आह्वान के पश्चात उठाया गया है।

दिल्ली आएंगे बांग्लादेश के एनएसए रहमान

नई दिल्ली। बांग्लादेश के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार खलीलुर रहमान अगले बुधवार को दो दिवसीय सम्मेलन के लिए भारत आएंगे। रहमान कोलंबो सुरक्षा सम्मेलन में भाग लेने आ रहे हैं, जो हिंद महासागर के पांच तटीय देशों का एक उच्च-स्तरीय सम्मेलन है। भारत में ढाका के उच्चायुक्त मुहम्मद रियाज़ हमीदुल्लाह ने कहा कि बांग्लादेश के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार 19 नवंबर को दिल्ली आएंगे।

दुबई में इमारत से गिरा केरल का किशोर, मौत

दुबई। दुबई घूमने आए केरल के एक किशोर की एक इमारत की छत से गिरने के कारण मौत हो गई। केरल के कोझिकोड जिले का 19 वर्षीय मोहम्मद मिशाल अपने रिश्ते के भाइयों से मिलने दुबई आया था। बताया जा रहा है कि मिशाल विमानों की तस्वीरें लेने एक बहुमंजिला इमारत की छत पर गया था।

बीबीसी ने राष्ट्रपति ट्रंप से माफी मांगी

लंदन। ब्रिटिश ब्रॉडकास्टिंग कॉरपोरेशन (बीबीसी) ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से छह जनवरी 2021 को दिए गए उनके भाषण के भ्रामक संपादन के लिए गुरुवार को माफी मांगी, लेकिन यह भी कहा कि वह इस दलील से पूरी तरह असहमत है कि मानहानि के मुकदमे की ठोस वजह है। बीबीसी के चेयरमैन समीर शाह ने व्हाइट हाउस को व्यक्तिगत रूप से एक पत्र भेजकर खेद जताया है।

अंतरिक्ष में फंसे तीन यात्री सुरक्षित लौटे

बीजिंग। अंतरिक्ष में मलबे से यान के दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद फंसे चीन के तीन यात्री शुक्रवार को सुरक्षित पृथ्वी पर लौट आए। अंतरिक्ष यात्री चेन डोंग, चेन झोंग्रुई और वांग जी को लेकर शेनझोउ-21 अंतरिक्ष यान का रिटर्न कैप्सूल उत्तरी चीन के मंगोलिया स्वायत्त क्षेत्र में डोंगफेंग में उतरा। अंतरिक्ष यात्रियों को पांच नवंबर को लौटना था।

रूस में लड़ाकू विमान क्रैश, दो पायलट मृत

सेंट पीटर्सबर्ग। रूस के करेलिया गणराज्य के प्रियोनेज़्स्की जिले में प्रशिक्षण उड़ान के दौरान एक सुखोई-30 लड़ाकू विमान के दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसके कारण दो पायलटों की मौत हो गई। विमान एक निर्धारित प्रशिक्षण उड़ान पर था।

साइबर खतरे से निपटने को कई देशों के साथ भारत का अभ्यास

नई दिल्ली, एजेंसी

- **सुरक्षा एजेंसियों की तकनीकी टीमों ने लिया हिस्सा**

भारत और मध्य एशियाई देशों ने साइबर खतरों का पता लगाने, उनसे निपटने और स्थिति के प्रबंधन के बारे में रणनीतिक साइबर अभ्यास किया है।

एक आधिकारिक वक्तव्य में शुक्रवार को यहां कहा गया है कि राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय ने विदेश मंत्रालय और राष्ट्रीय महत्वपूर्ण सूचना अवसंरचना संरक्षण केंद्र के साथ मिलकर मध्य एशियाई देशों कज़ाकिस्तान, किर्गिज़ गणराज्य, ताजिकिस्तान, तुर्कमेनिस्तान और उज़्बेकिस्तान के साथ यहां तीन दिन के रणनीतिक साइबर अभ्यास का आयोजन किया। यह रणनीतिक साइबर अभ्यास सुरक्षा परिषदों, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों के सचिवों की भारत-मध्य एशियाई बैठक के ढांचे के तहत भारत द्वारा की गई प्रतिबद्धताओं में से एक के सफल समापन का प्रतीक है।

साइबर सुरक्षा एजेंसियों, राष्ट्रीय कंप्यूटर आपातकालीन प्रतिक्रिया टीमों और मध्य एशियाई देशों की संबंधित सुरक्षा एजेंसियों की तकनीकी टीमों ने इस अभ्यास में भाग लिया। इस अभ्यास का उद्देश्य क्षेत्र के महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे को निशाना बनाने वाले साइबर खतरों से निपटने के लिए तकनीकी टीमों को उन्नत कौशल से लैस करना था।

घातक रसायन दिल्ली कार ब्लास्ट में हुआ इस्तेमाल

अमोनियम नाइट्रेट एक रासायनिक यौगिक है जिसका सूत्र एनएच4एनओ3 है। यह एक शक्तिशाली ऑक्सीकारक है और विस्फोटक के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है।

हालांकि, इसका प्रयोग कृषि कार्य में उर्वरक के रूप में भी किया जाता है। लेकिन जब यह अन्य ईंधनों या विस्फोटक पदार्थों के साथ मिलाया जाता है तो यह एक शक्तिशाली विस्फोटक मिश्रण बन जाता है और बड़े पैमाने पर नुकसान पहुंचा सकता है, जैसा कि दिल्ली में 10 नवंबर 2025 को कार ब्लास्ट की घटना में हुआ।

अमोनियम नाइट्रेट

ऐसे बनता है यह घातक हथियार

- **उच्च तापमान और दबाव :** जब अमोनियम नाइट्रेट को उच्च तापमान और दबाव के अधीन किया जाता है, तो यह विस्फोटक प्रतिक्रिया को बढ़ावा देता है।
- ईंधन की उपस्थिति : अमोनियम नाइट्रेट को ईंधन जैसे कि डीजल, पेट्रोल, या अन्य ज्वलनशील पदार्थों के साथ मिलाने से यह विस्फोटक मिश्रण बना सकता है।
- **उत्प्रेरक की उपस्थिति :** कुछ धातु जैसे कि तांबा या जस्ता अमोनियम नाइट्रेट के विस्फोटक प्रतिक्रिया को बढ़ावा दे सकते हैं।
- **अशुद्धियों की उपस्थिति :** अमोनियम नाइट्रेट में अशुद्धियों की उपस्थिति भी इसके विस्फोटक गुणों को बढ़ा सकती है।

इसका धुआं भी काफी हानिकारक

जब अमोनियम नाइट्रेट विस्फोटक प्रतिक्रिया को जन्म देता है, तो यह बड़े पैमाने पर नुकसान पहुंचा सकता है। इसके विस्फोट से आग लग सकती है, और आसपास के क्षेत्र में व्यापक विनाश हो सकता है। इसके अलावा, विस्फोट के कारण उत्पन्न होने वाले धुएं और गैसें भी स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकती हैं।

भंडारण में सख्त सुरक्षा उपाय

अमोनियम नाइट्रेट के विस्फोटक गुणों को देखते हुए, इसके भंडारण और परिवहन के लिए सख्त सुरक्षा उपायों की आवश्यकता है। इसके लिए, विशेष रूप से डिज़ाइन किए गए भंडारण टैंक और परिवहन वाहन का उपयोग किया जाना चाहिए। इसके अलावा, अमोनियम नाइट्रेट के आसपास के क्षेत्र में आग और अन्य खतरों से बचाव के लिए भी सुरक्षा उपाय किए जाने चाहिए।

फरीदाबाद से 2900 किलो बरामदगी

दिल्ली कार ब्लास्ट के बाद हरियाणा के फरीदाबाद से लगभग 2900 किलो अमोनियम नाइट्रेट विस्फोटक बरामद किया गया है। यह विस्फोटक सामग्री फरीदाबाद के धौज और फतेहपुर क्षेत्रों से बरामद की गई थी। इस मामले में तीन डॉक्टरों को गिरफ्तार किया गया है, जिनमें डॉ. मुजम्मिल, डॉ. शाहीन और डॉ. उमर नबी शामिल हैं। ये लोग फरीदाबाद स्थित अल-फलाह यूनिवर्सिटी से जुड़े हुए थे।

पुलवामा में हुआ था आरडीएक्स का प्रयोग

पुलवामा हमले में आरडीएक्स का इस्तेमाल किया गया था। यह एक अत्यधिक शक्तिशाली और घातक विस्फोटक है, जो आतंकवादी गतिविधियों में अक्सर इस्तेमाल किया जाता है। आरडीएक्स को प्लास्टिक विस्फोटक के रूप में भी जाना जाता है।

भारत विश्व व्यापार संगठन में सुधार प्रक्रिया का करे नेतृत्व : डॉ. नगोजी

सीआईआई के साझेदारी शिखर सम्मेलन-2025 में बोलीं डब्ल्यूटीओ की प्रमुख

विशाखापत्तनम, एजेंसी

विश्व व्यापार संगठन की प्रमुख नगोजी ओकोंजो-इवेला ने शुक्रवार को कहा कि भारत को डब्ल्यूटीओ में सुधार प्रक्रिया का नेतृत्व करना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था अच्छी गति से बढ़ रही है और यह प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में अग्रणी है। डब्ल्यूटीओ की प्रमुख ने कहा कि विश्व व्यापार संगठन में उन क्षेत्रों पर ध्यान देने की आवश्यकता है जो ठीक से काम नहीं कर रहे हैं और उन्हें सुधारने के तरीकों पर चर्चा करने की जरूरत है।

विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) की महानिदेशक ने यहां सीआईआई के साझेदारी शिखर सम्मेलन 2025 में कहा कि इसमें भारत अग्रणी हो सकता है। भारत को डब्ल्यूटीओ में सुधार प्रक्रिया का नेतृत्व करना चाहिए। भारत को यह सुनिश्चित करने में अग्रणी होना चाहिए कि हम ऐसी व्यवस्था में न रहें जो नियम आधारित होने के बजाय शक्ति आधारित हो जाए। उन्होंने कहा कि भारत एक तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है और उसके पास न केवल इस क्षेत्र में बल्कि वैश्विक स्तर पर नेतृत्व प्रदान करने के लिए पर्याप्त व्यापकता एवं विश्वसनीयता है। अमेरिका के उच्च शुल्क का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि सदस्य देशों को अमेरिका द्वारा उठाई गई चिंताओं पर ध्यान देना चाहिए।

उन्होंने कहा कि भारत ने भी खाद्य सुरक्षा के लिए सार्वजनिक रूप से अनाज भंडारण और वितरण जैसे मुद्दों पर चिंता जताई है। पिछली शिकायतों को दोहराने से एक मजबूत वैश्विक व्यापार प्रणाली बनाने में मदद नहीं मिलेगी। उन्होंने विश्व व्यापार संगठन के सभी सदस्यों से वैश्विक व्यापार प्रणाली को मजबूत करने के लिए मिलकर काम करने का आह्वान किया। अमेरिका ने विश्व व्यापार संगठन की इकाइयों के कामकाज के तरीके पर चिंता जताई है और विवाद निवारण तंत्र सहित डबल्यूटीओ में सुधारों की मांग की है। डबल्यूटीओ 166 सदस्यों वाला जिनेवा स्थित एक बहुपक्षीय निकाय है जो व्यापार संबंधी मुद्दों से निपटता है। भारत 1995 से इसका सदस्य है। नगोजी ने साथ ही कहा कि किसी देश को अपनी वृद्धि को बढ़ावा देने के लिए द्विपक्षीय व्यापार समझौतों की आवश्यकता हो सकती है लेकिन आपको आगे बढ़ने के लिए एक बहुपक्षीय प्रणाली की भी जरूरत है। उन्होंने कहा कि यही कारण है कि डब्ल्यूटीओ महत्वपूर्ण है।

डब्ल्यूटीओ की प्रमुख नगोजी ओकोंजो-इवेला।

भारत किसी पर अपनी शर्तें नहीं थोपता : उपराष्ट्रपति

उपराष्ट्रपति सी पी राधाकृष्णन ने शुक्रवार को कहा कि भारत किसी भी देश पर अपनी शर्तें नहीं थोपता और न ही किसी का आदेश सुनना पसंद करता है। उन्होंने यह भी कहा कि भारत हमेशा सभी देशों के साथ मित्रवत रहा है और वह हर देश के साथ समान व्यवहार करना चाहता है। उपराष्ट्रपति ने यहां सीआईआई साझेदारी शिखर सम्मेलन में कहा कि हम कभी किसी पर अपनी शर्तें थोपना नहीं चाहते, यही हमारी महानता है। इसी तरह हम कभी किसी का आदेश सुनना भी नहीं चाहते। हम एक-दूसरे के पूरक बनना चाहते हैं। हम साथ-साथ बढ़ना चाहते हैं।

व्यापार में भारी बाधाओं का सामना कर रहा विश्व

डबल्यूटीओ प्रमुख ने कहा कि वर्तमान में दुनिया वैश्विक व्यापार में भारी व्यवधानों का सामना कर रही है। नगोजी ने कहा कि मेरा आपके लिए यही संदेश है कि इसके बावजूद वैश्विक व्यापार प्रणाली मजबूत बनी हुई है। उन्होंने कहा कि 72 प्रतिशत विश्व व्यापार अब भी विश्व व्यापार संगठन के नियमों के तहत हो रहा है जो स्थिरता एवं भरोसे को साबित करता है। नगोजी ने कहा कि सुधारों पर मिलकर काम करने की जरूरत है अन्यथा मजबूती कायम नहीं रह पाएगी। इस काम के लिए बहुपक्षीय व्यापार प्रणाली और विश्व व्यापार संगठन में व्यापक सुधारों की आवश्यकता है। कहा कि अमेरिका की एकतरफा शुल्क वृद्धि नाटकीय है लेकिन शुल्क बाधाओं, गैर-शुल्क मुद्दों, प्रणाली में पारदर्शिता की कमी और अनुचित व्यापार गतिविधियों के बारे में हमें उनकी बात सुननी चाहिए।

संरा महासचिव से मिले विदेशमंत्री जयशंकर

- **बहुपक्षवाद पर गुतारेस की समझ-विचारों को सराहा**

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने यहां संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस से मुलाकात की और कहा कि वह मौजूदा वैश्विक व्यवस्था एवं बहुपक्षवाद पर उसके प्रभावों को लेकर संयुक्त राष्ट्र प्रमुख के आकलन को महत्व देते हैं। जयशंकर ने भारत की विकास यात्रा के प्रति गुतारेस के निरंतर समर्थन के लिए भी उन्हें धन्यवाद दिया।

जयशंकर ने गुरुवार को सोशल मीडिया पर पोस्ट किया कि न्यूयॉर्क में आज संयुक्त राष्ट्र महासचिव से मिलकर अच्छा लगा। मौजूदा वैश्विक व्यवस्था और बहुपक्षवाद पर उसके प्रभावों को लेकर उनकी समझ महत्वपूर्ण है। विभिन्न क्षेत्रीय संकटों पर उनके विचारों की भी सराहना की। यह मुलाकात संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में हुई जिसमें भारत के स्थायी प्रतिनिधि राजदूत पी. हरीश, उप-स्थायी प्रतिनिधि राजदूत योजना पटेल और भारत के स्थायी मिशन के अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे। जयशंकर ने कहा कि उन्होंने भारत के विकास और उन्नति के लिए गुतारेस के स्पष्ट और निरंतर समर्थन के लिए उनका आभार व्यक्त किया और उम्मीद जताई कि वह जल्द ही भारत यात्रा पर आएंगे। इससे पहले, जयशंकर कनाडा में हुए जी7 विदेश मंत्रियों की बैठक में शामिल हुए थे, जहां उनकी मुलाकात अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो सहित कई वैश्विक नेताओं से हुई।

बैठक के दौरान संरा महासचिव एंतोनियो गुतारेस के साथ विदेशमंत्री जयशंकर।

जायडस के कैंसर दवा को अमेरिकी नियामक की मिली मंजूरी

अहमदाबाद। भारतीय दवा निर्माता कंपनी जायडस के कैंसर के इलाज में काम आने वाले एक इंजेक्शन को अमेरिकी खाद्य एवं औषधि प्रशासन की मंजूरी मिल गई है। जायडस ने शुक्रवार को बताया कि प्रोस्टेटिक कैंसर के इलाज में इस्तेमाल होने वाले ल्युप्रोलाइड एसिटेट इंजेक्शन को अमेरिकी नियामक की मंजूरी मिली है। इसके बाद अमेरिका में इसकी बिक्री और इस्तेमाल का रास्ता साफ हो गया है।

रूस का कीव पर बड़ा हमला चार की मौत, 27 लोग घायल

कीव, एजेंसी

- **430 ड्रोन व 18 मिसाइलों का किया गया इस्तेमाल**

रूस द्वारा शुक्रवार तड़के यूक्रेन पर किए गए एक बड़े हमले में चार लोगों की मौत हो गई और राजधानी कीव के कई जिलों में इमारतों में आग लग गई व मलबा बिखर गया। कीव के सैन्य प्रशासन के प्रमुख तैमूर तकाचेंको ने बताया कि आपात दल ने कई हमलों का जवाब दिया और इस दौरान कम से कम 27 लोग घायल हो गए। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने बताया कि देश भर में हुए इस हमले में कम से कम 430 ड्रोन और 18 मिसाइलों का इस्तेमाल किया गया। उन्होंने बताया कि देश के अन्य क्षेत्रों में हुए इस हमले का निशाना कीव था।

जेलेंस्की ने टेलीग्राम पर एक पोस्ट में कहा कि यह सुनियोजित हमला लोगों और नागरिकों को यथासंभव अधिक नुकसान पहुंचाने के लिए किया गया था। उन्होंने बताया कि इस्कंदर मिसाइल के टुकड़ों से अजरबैजान दूतावास क्षतिग्रस्त हो गया। शहर में कई शक्तिशाली विस्फोटों की आवाज सुनी गई और हवाई सुरक्षा व्यवस्था सक्रिय होने के बाद पंद्रह लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जिनमें से एक व्यक्ति की हालत गंभीर है। घायलों में एक गर्भवती महिला भी शामिल है। दार्नित्स्की जिले में मलबा एक आवासीय इमारत के प्रांगण और एक शैक्षणिक संस्थान के परिसर में गिर गया। मलबे की चपेट में आने से एक कार में आग लग गई। दिनप्रोव्स्की जिले में तीन अपार्टमेंट, एक निजी घर और खुले क्षेत्र में आग लग गई। हमले से पोदिल्स्की जिले में पांच आवासीय और एक गैर-आवासीय भवन क्षतिग्रस्त हो गए।

रूस के नोवोरोसिस्क में आपातकाल घोषित

सोचि। रूस के नोवोरोसिस्क शहर में यूक्रेन के रात भर किए गए हमलों के बाद आपातकाल घोषित कर दिया गया है। मेयर आंद्रेई क्रावचेंको ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। क्रावचेंको ने टेलीग्राम पर लिखा कि नोवोरोसिस्क पर यूक्रेन की ओर एक बड़ा ड्रोन हमला किया गया। आपातकाल की स्थिति घोषित कर दी गई है। उन्होंने बताया कि नोवोरोसिस्क में ड्रोन हमले ने चेर्नोमोरट्रांसनेफ्ट के एक टैंक और घाट, एनयूटीईपी कंटेनर टर्मिनल और शेरखारिस ट्रांसशिपमेंट कॉम्प्लेक्स में एक तेल डिपो को नुकसान पहुंचाया है। उन्होंने कहा, हम हमले से प्रभावित सभी लोगों को सभी आवश्यक सहायता प्रदान करेंगे।

बैंक धोखाधड़ी मामले में सिंगापुर का एक व्यक्ति दिल्ली में गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी

- **आईजीआई हवाई अड्डे के पास एक होटल से सीबीआई ने पकड़ा**

सीबीआई ने 32 करोड़ रुपये की बैंक धोखाधड़ी के सिलसिले में दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के निकट एक होटल से सिंगापुर के एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने शुक्रवार को बताया कि दिल्ली पहुंचने की सूचना मिलने के बाद राजेश बोथरा नामक व्यक्ति को एजेंसी ने पकड़ लिया।

सीबीआई के अनुसार धोखाधड़ी का मामला पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) की उस शिकायत के बाद सामने आया है, जिसमें आरोप लगाया गया है कि फ्रॉस्ट इंफ्रास्ट्रक्चर एंड एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड (एफआईईएल), इसके निदेशकों, अज्ञात लोक सेवकों और अन्य लोगों द्वारा 31.60 करोड़ रुपये की ठगी की गई।

एजेंसी ने कहा कि एफआईईएल ने जाली बिल प्रस्तुत करके साख पत्र की रकम को हड़प लिया, जिसमें एफआईईएल और बोथरा की दो कंपनियों - फारेस्ट और 'गल्फ डिस्ट्रीब्यूशन लिमिटेड' के बीच धोखाधड़ी से व्यापार दर्शाया गया।

बांग्लादेश ने जारी किया जनमत-संग्रह पर अध्यादेश

ढाका, एजेंसी

बांग्लादेश ने गुरुवार देर रात एक अध्यादेश जारी किया, जो अंतरिम सरकार के प्रमुख प्रोफेसर मोहम्मद यूनुस द्वारा प्रस्तावित राजनीतिक चार्टर पर जनमत-संग्रह के अनुरूप है। इस कदम पर तत्काल प्रतिक्रिया देते हुए संवैधानिक विशेषज्ञों ने इसे असंवैधानिक करार दिया है।

बांग्लादेश के राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन ने जुलाई चार्टर कार्यान्वयन आदेश पर हस्ताक्षर कर दिए जिसे यूनुस की अध्यक्षता वाले राष्ट्रीय सहमति आयोग ने तैयार किया है। यह मसौदा कई राजनीतिक दलों से विस्तृत परामर्श के बाद तैयार किया गया लेकिन अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना की अब भंग की जा चुकी अवामी लीग इससे बाहर रही। राष्ट्र के नाम दिए अपने संबोधन में अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार यूनुस ने गुरुवार को कहा कि अगले वर्ष फरवरी में प्रस्तावित राष्ट्रीय चुनाव के साथ ही जनमत-संग्रह कराया जाएगा ताकि जनता से चार्टर पर जनादेश लिया जा सके। प्रमुख संवैधानिक विशेषज्ञ और पूर्व कानून प्रोफेसर शाहदीन मलिक ने कहा कि चार्टर में शामिल कई फैसले वर्तमान संविधान के विपरीत हैं और चूंकि संविधान अब भी लागू है तो राष्ट्रपति इस आदेश पर कानूनी रूप से हस्ताक्षर नहीं कर सकते।

- **विशेषज्ञों ने सरकार के इस कदम को बताया असंवैधानिक**

संविधान में जनमत संग्रह का प्रावधान नहीं

बांग्लादेश के संविधान में जनमत-संग्रह का कोई प्रावधान नहीं है और अनुच्छेद 93 के अनुसार कोई भी अध्यादेश संविधान में संशोधन या निरस्तीकरण के लिए जारी नहीं किया जा सकता। अध्यादेश के अनुसार, अगली संसद को अपनी पहली बैठक से 180 कार्यदिवस के भीतर चार्टर और जनमत-संग्रह के परिणामों के अनुरूप संविधान संशोधन पूरा करना होगा। मलिक ने इसे असंगत बताया। उच्चतम न्यायालय के वरिष्ठ वकील मोहम्मद रूहुल कुद्दूस ने भी पूछा कि संविधान में जनमत-संग्रह का प्रावधान ही नहीं है तो इसे किस कानूनी आधार पर कराया जा सकता है।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 15 नवंबर, शनिवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- मार्गशीर्ष, पक्ष-कृष्ण पक्ष, एकादशी 16 नवंबर 02.37 तक तत्पश्चात द्वादशी।

आज का पंचांग

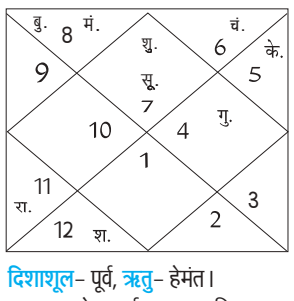

दिशाशूल- पूर्व, **ऋतु**- हेमंत।
चन्द्रबल- मेष, कर्क, कन्या, वृश्चिक, धनु, मीन।
ताराबल- भरणी, कृत्तिका, रोहिणी, मृगशिरा, पुनर्वसु, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, विशाखा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र- उत्तराफाल्गुनी 23.34 तक तत्पश्चात हस्त।

मेष — आज सभी कार्य पूरी एकाग्रता से करेंगे। विवाह योग्य जातकों का विवाह तय हो सकता है। चिकित्सा के क्षेत्र से जुड़े लोगों की आय में वृद्धि होगी। आपके मन की शंकाएं दूर होंगी। लोग आपके सभ्य व्यवहार से आकर्षित होंगे।

वृष — आज व्यावसायिक दृष्टिकोण से समय शुभ है। पुराने निवेश से धन लाभ होगा। वैवाहिक जीवन थोड़ा उतार-चढ़ाव भरा रहेगा। किसी रिश्तेदार की मदद से बड़ा काम हो सकता है। विरोधियों के ऊपर भारी पड़ेंगे।

मिथुन — आज आपके काम की लोग प्रशंसा करेंगे। अनुचित कार्यों की ओर प्रवृत्त हो सकते हैं। आय की अपेक्षा व्यय अधिक होगा। करियर में उच्च अधिकारियों का सहयोग प्राप्त होगा। जीवनसाथी से आपको उचित सलाह मिलेगी, जो आपके काफी काम आएगी।

कर्क — आज विदेश से नौकरी के प्रस्ताव प्राप्त हो सकते हैं। भावनाओं में बहकर कोई निर्णय लेने से बचें। प्रतिद्वंद्वियों के ऊपर आप भारी पड़ेंगे। अपने स्वभाव में सौम्यता का भाव रखें। जिस अवसर को काफी समय से ढूंढ रहे थे, वह आपको प्राप्त हो सकता है।

सिंह — आज नई संपत्ति पर निवेश कर सकते हैं। अल्प प्रयासों से आपके काम सफल हो जाएंगे। कार्यक्षेत्र में अपनी प्रतिभा का बेहतरीन प्रयोग कर पाएंगे। फाइनेंस को लेकर समस्या दूर होगी। जरूरतमंदों की मदद करने से पीछे न हटें।

कन्या — आज नई नौकरी के प्रस्ताव मिलने के योग बन रहे हैं। परिवार में शांति का वातावरण रहेगा। कार्यक्षेत्र के बड़े अधिकारी आपसे अत्यंत प्रसन्न रहेंगे। आपकी मान-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। व्यवसाय में बिक्री बढ़ने से मन उत्साहित रहेगा।

तुला — आज अपनी दिनचर्या को व्यवस्थित रखें। किसी बहुप्रतीक्षित कार्य में विलंब हो सकता है। प्रेम संबंधों में मर्यादा का ध्यान करें। विदेश यात्रा के योग बन रहे हैं। शुगर के रोगी अपने स्वास्थ्य को लेकर सजग रहें। प्रियजनों के साथ मनमुटाव हो सकता है।

वृश्चिक — आज व्यापार में सहयोगियों के माध्यम से धन लाभ प्राप्त होगा। आपकी कार्यशैली में सुधार होने से अधिकारी आपसे प्रसन्न रहेंगे। किसी बड़ी पारिवारिक समस्या का समाधान होगा। भौतिक सुख-सुविधाओं का आनंद उठाएंगे।

धनु — आज धन के कारण फंसे हुए मामलों का निराकरण हो सकता है। व्यापार में पहले की गई मेहनत का परिणाम प्राप्त होगा। कार्यक्षेत्र में रणनीति बनाकर काम करने से सफलता मिलेगी। अपनी कार्यप्रणाली में सार्थक परिवर्तन ला सकते हैं।

मकर — आज अनुभवी व्यक्तियों की सलाह आपके काफी काम आएगी। लेन-देन के मामलों के लिए दिन शुभ है। आप नए प्रकल्पों को लेकर अत्यंत उत्साहित रहेंगे। वाणी में सौम्यता रहेगी, लेकिन भीतर से किसी बात को लेकर नाराज हो सकते हैं।

कुंभ — आज किसी रिश्तेदार से नकारात्मक समाचार प्राप्त हो सकते हैं। पुराने मुद्दों के दोबारा उभरने से अशांति हो सकती है। आपका मन आनंदित रहेगा। कारोबारियों में मशीनरी आदि को लेकर समस्या होगी। शेयर बाजार में निवेश से लाभ मिलेगा।

मीन — आज परिजन आपके व्यवहार से अत्यंत प्रसन्न रहेंगे। कानूनी मामले सुलझ सकते हैं। वैवाहिक जीवन काफी रोमांटिक रहेगा। करियर में आगे बढ़ने के उत्तम अवसर मिलेंगे। समाज में आपको लोग काफी अच्छी दृष्टि से देखेंगे।

सुडोकू-161

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

	2							
			4		5			
		6						
5								
			1		7			
	5						8	
					9			
2								

सुडोकू - 160 का हल

8	4	5	1	3	9	2	6	7
7	3	2	6	4	8	5	9	1
9	6	1	2	7	5	8	3	4
5	7	6	9	2	4	1	8	3
1	8	4	3	5	7	6	2	9
2	9	3	8	1	6	4	7	5
6	5	9	4	8	3	7	1	2
3	2	7	5	6	1	9	4	8
4	1	8	7	9	2	3	5	6

हम स्ट्राइकरों और गोलकीपरों का शिविर लगाएंगे। जिस तरह से क्रिकेटर हाथ से छूटते ही गेंद को देखकर पल भर में फैसला लेते हैं, हम भी उसी तरह से विश्व कप और एशियाई खेलों के लिए टीम को तैयार करने पर काम कर रहे हैं।

-क्रेग फुल्टोन, मुख्य कोच, भारतीय हॉकी टीम

स्टेडियम

हल्द्वानी, शनिवार 15 नवंबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

निशानेबाज ईशा ने कांस्य पदक जीता

काहिरा : भारतीय निशानेबाज ईशा सिंह ने शुक्रवार को यहां महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में कांस्य पदक जीतकर अपना पहला व्यक्तिगत विश्व चैंपियनशिप पदक हासिल किया लेकिन पेरिस ओलंपिक पदक विजेता मनु भाकर एक बार फिर पोडियम स्थान से चूक गईं। ईशा ने फाइनल में 30 का स्कोर बनाया जिससे वह फॉर्म में चल रही चीन के याओ कियानक्सुन (38, रजत पदक) और कोरिया की मौजूदा ओलंपिक चैंपियन यांग जिन (40, स्वर्ण) से पीछे रहीं। ईशा के पदक से भारत ने टूर्नामेंट में 10 ओलंपिक स्पर्धाओं में ऐतिहासिक प्रदर्शन करते हुए एक स्वर्ण, चार रजत और दो कांस्य पदक हासिल किए।

शमी का लखनऊ सुपर जायंट्स में जाना तय

नई दिल्ली : सनराइजर्स हैदराबाद 2026 इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) से पहले भारतीय टीम से बाहर चल रहे तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को लखनऊ सुपर जायंट्स के साथ ट्रेड करने के लिए तैयार है। सनराइजर्स हैदराबाद ने पिछले साल नीलामी में 35 साल के इस तेज गेंदबाज को 10 करोड़ रुपये में खरीदा था। एक सूत्र ने पीटीआई को बताया, दोनों फ्रेंचाइजी इस ट्रेड के लिए सहमत हो गई हैं।

श्रीलंका टीम की सुरक्षा सेना को सौंपी

रावलपिंडी : इस्लामाबाद में हुए सिलसिलेवार बम विस्फोटों के बाद सेना प्रमुख असीम मुनीर के हस्तक्षेप पर पाकिस्तान सरकार ने दौरे पर आई श्रीलंका की क्रिकेट टीम की सुरक्षा पाकिस्तान के सैन्य बलों को सौंप दी है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अध्यक्ष और देश के गृह मंत्री मोहसिन नकवी ने कहा कि चूंकि अब मेहमान टीम को राज्य स्तरीय सुरक्षा प्रदान की जा रही है, इसलिए अब पुलिस के साथ सेना और रेंजर्स उनकी सुरक्षा का ध्यान रख रहे हैं।

बुमराह के 'पंजे' से दक्षिण अफ्रीका ढेर

कोलकाता टेस्ट: पहला दिन- भारतीय गेंदबाजों के सामने मेहमान दल की पहली पारी 159 रनों पर सीमित

05 विकेट

कोलकाता, एजेंसी

जसप्रीत बुमराह की अगुवाई में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन से दक्षिण अफ्रीका की पारी को 159 रन पर समेटने के बाद भारतीय टीम ने दो मैचों की श्रृंखला के पहले टेस्ट के शुरुआती दिन शुक्रवार को यहां अपनी पहली पारी में एक विकेट पर 37 रन बनाकर साथ अपनी स्थिति मजबूत कर ली।

अपना 51वां टेस्ट खेल रहे बुमराह ने पारी में 16वीं बार पांच विकेट झटक कर दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाजों को क्रीज पर ज्यादा समय बिताने का मौका नहीं दिया। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के सर्वोच्च स्कोरर एडेन मारक्रम (31) और रियान रिकेलटन (23) को चलता कर शुरुआती झटके देने के बाद शानदार लय में चल रहे टोनी डि जोर्जी (24) को पगबाधा किया। बुमराह ने चाय के विश्राम के बाद साइमन हार्मर (पांच) और केशव महाराज को पवेलियन की राह दिखाकर अपने पांच विकेट पूरे किए। बुमराह को कुलदीप यादव (36 रन पर दो विकेट) और मोहम्मद सिराज (47 रन पर दो विकेट) को अच्छा साथ मिला, जबकि अक्षर पटेल (21 रन पर एक विकेट) ने भी एक सफलता हासिल की। भारतीय बल्लेबाजों ने इसके बाद बेहद सतर्क शुरुआत की।

टीम ने खराब रोशनी के कारण जल्दी खेल खत्म होने तक 20 ओवर में एक विकेट पर 37 रन बनाए। भारत पहली पारी में अभी 122 रन पीछे है और क्रीज पर लोकेश राहुल (13) के साथ वाशिंगटन सुंदर (छह) मौजूद है। भारत को इकलौता झटका यशस्वी जायसवाल के आउट होने से लगा जो मार्को यानसन की ऑफ स्टंप के करीब की गेंद को कट करने की कोशिश में विकेटों पर खेल गये। जायसवाल ने अपनी पारी की 16वीं गेंद पर यानसन के खिलाफ चौके के साथ खाता खोलने के बाद मुल्डर की गेंद को भी बाउंड्री के दर्शन कराए।

जायसवाल ऑफ स्टंप के करीब की गेंद को कट करने की कोशिश में यानसन की गेंद को विकेटों पर खेल बैठे। दूसरे छोर से पारी की शुरुआत में अति रक्षात्मक रवैया अपनाने वाले लोकेश राहुल ने मुल्डर के खिलाफ कवर और मिड ऑफ के बीच शानदार ड्राइव से चौका बटोरा। दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाजों ने भी शानदार लाइन लेंथ से गेंदबाजी की और भारतीय बल्लेबाजों को हाथ खोलने का मौका नहीं दिया। केशव महाराज ने अपनी स्पिन गेंदबाजी से लोकेश राहुल को थोड़ा परेशान किया और गेंद कुछ मौकों पर उनके बल्ले और विकेट के बेहद करीब से निकली यही हाल तीसरे क्रम पर बल्लेबाजी के लिए आये वाशिंगटन का भी रहा लेकिन दोनों बल्लेबाज अपना विकेट बचाने में सफल रहे। दक्षिण अफ्रीका ने इससे टॉस जीतकर बल्लेबाजी का फैसला किया और मारक्रम ने रिकेलटन के साथ टीम को अच्छी शुरुआत दिलाई। मारक्रम को खाता खोलने में 23 गेंद लग गए, लेकिन उन्होंने शानदार स्ट्रेट ड्राइव और कवर ड्राइव के साथ शुरुआत की और फिर अक्षर पटेल के खिलाफ बैकवर्ड पॉइंट के ऊपर से शानदार लेट कट खेला। उन्होंने इस वामहस्त गेंदबाज के खिलाफ कलाई का इस्तेमाल करते हुए मिड-विकेट पर शानदार छक्का जड़ा।

स्वीप शॉट खेलते दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाज टोनी डि जोर्जी। एजेंसी

अपने शरीर का ध्यान रखने की कोशिश करता हूं: बुमराह

कोलकाता। बेहतरीन लय में वापसी करने वाले तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने शुक्रवार को अपने कार्यभार प्रबंधन को लेकर चल रही चर्चाओं को दरकिनार करते हुए कहा कि वह अपने शरीर का ध्यान रखने की कोशिश करते हैं। भारत को सूखी पिच पर 2012 के बाद पहली बार चार स्पिनरों के साथ खेलने के लिए मजबूर होना पड़ा जिसमें बुमराह ने 27 रन देकर पांच विकेट लिए। इस तरह घरेलू मैदान पर उन्होंने तीसरी दफा और कुल मिलाकर 16वीं बार पांच विकेट लेने का कारनामा किया। उनके इस प्रदर्शन से दक्षिण अफ्रीका की टीम पहले टेस्ट में महज 159 रन पर ढेर हो गई। इंग्लैंड में टेस्ट सीरीज के बाद बुमराह के कार्यभार प्रबंधन को देखते हुए मैच चुनने को लेकर कड़ी आलोचना हो रही है। पीठ में मांसपेशियों में खिंचाव के कारण वह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सिडनी टेस्ट में वह गेंदबाजी नहीं कर पाए थे। फिर इंग्लैंड में उन्हें दो टेस्ट मैच में आराम दिया गया जिससे आलोचकों ने उनकी प्रतिबद्धता पर सवाल उठाए। बुमराह ने प्रेस कांफ्रेंस में कहा मैं जिस भी प्रारूप में खेलता हूं, उसमें अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश करता हूं। ये सवाल मेरे सवाल नहीं हैं। मैं इनका जवाब नहीं दूंगा। मैं जितना हो सके उतना खेलने की कोशिश करता हूं। मैं अपने शरीर का ध्यान रखने की कोशिश करता हूं। कई प्रारूपों में खेलने वाले बुमराह इंग्लैंड दौरे से लगातार खेल रहे हैं। वह एशिया कप टी20 अंतरराष्ट्रीय में जीत हासिल करने वाली टीम में खेल, फिर पिछले महीने वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट मैचों में खेले और ऑस्ट्रेलिया में पिछली टी20 सीरीज में भी खेले, हालांकि उन्हें वहां वनडे सीरीज के लिए आराम दिया गया।

दक्षिण अफ्रीका

159/10 (पहली पारी) (55 ओवर)

एडेन मारक्रम का पंत बो बुमराह	31
रियान रिकेलटन बो बुमराह	23
वियान मुल्डर पगबाधा कुलदीप	24
तेम्बा बावुमा का जुरेल बो कुलदीप	03
टोनी डि जोर्जी पगबाधा बुमराह	24
ट्रिस्टन स्टब्स नाबाद	15
काइल वेरेने पगबाधा सिराज	16
मार्को यानसन बो सिराज	00
कॉर्बिन बॉश पगबाधा अक्षर	03
साइमन हार्मर बो बुमराह	05
केशव महाराज पगबाधा बुमराह	00

गेंदबाजी : बुमराह 14-5-27-5, सिराज 12-0-47-2, अक्षर 6-2-21-1, कुलदीप 14-1-36-2, जडेजा 8-2-13-0, वाशिंगटन 1-0-3-0

भारत

37/1 (पहली पारी) (20 ओवर)

एयशस्वी जायसवाल बो यानसन	12
लोकेश राहुल खेल रहे हैं	13
वाशिंगटन सुंदर खेल रहे हैं	06

गेंदबाजी : यानसन 6-0-11-1, मुल्डर 5-1-15-0, महाराज 5-1-8-0, बॉश 3-2-1-0, हार्मर 1-1-0-0

बावुमा को 'बौने' कहने की टिप्पणी पर शिकायत नहीं होगी

कोलकाता : दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाजी कोच एशवेल प्रिंस ने शुक्रवार को भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और विकेटकीपर ऋषभ पंत के बीच स्टंप माइक पर हुई बातचीत को तवज्जो नहीं देते हुए कहा कि मेहमान टीम ईडन गार्डन्स में पहले टेस्ट के शुरुआती दिन के खेल के दौरान हुई इस घटना पर कोई चर्चा नहीं करेगी। दक्षिण अफ्रीका की पारी के 13वें ओवर की आखिरी गेंद पर यह बातचीत हुई जब बुमराह की तेम्बा बावुमा के खिलाफ पगबाधा की अपील ठुकरा दी गई। डीआरएस लिया जाए या नहीं, इस बारे में बातचीत के दौरान स्टंप माइक पर बुमराह की यह बात सुनाई दी, 'बौना भी है'।

फिडे विश्व कप

पी हरिकृष्णा ने जोस मार्तिनेज से ड्रॉ खेला

पणजी (गोवा)। भारतीय ग्रैंडमास्टर पी हरिकृष्णा ने फिडे विश्व कप में पांचवें दौर के पहले मुकाबले में में मैक्सिको के जोस एडुआर्डो मार्तिनेज से ड्रॉ खेला। पिछले दो मैचों में मार्तिनेज दो उलटफेर करते हुए उजबेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव और सर्बिया के अलेक्सी सराना को हरा चुके हैं। टूर्नामेंट में 206 खिलाड़ियों ने भाग लिया था जिनमे से 16 ही बचे हैं। अधिकांश खिलाड़ियों ने जोखिम लेने से बचते हुए रक्षात्मक खेल दिखाया। रूस के आंद्रेइ एसिपेंको और अलेक्जेइ ग्रेबनेव के बीच मुकाबला ड्रॉ रहा। वहीं आर्मेनिया के गैब्रियल सर्जिसियान और उजबेकिस्तान के नोदिरबेक याकूबोएव ने भी ड्रॉ खेला। जर्मनी के अलेक्जेंडर डोंचेको और वियतनाम के लियेम लि कुआंग की बाजी भी ड्रॉ रही।

सूर्यवंशी ने दूसरा सबसे तेज टी-20 शतक जड़ा

दोहा, एजेंसी

वैभव सूर्यवंशी ने एशिया कप राइजिंग स्टार्स टूर्नामेंट में शुक्रवार को संयुक्त अरब अमीरात के खिलाफ भारत ए के लिए सिर्फ 32 गेंदों में शतक जमाया और वह टी-20 क्रिकेट में सबसे तेज शतक लगाने वाले दूसरे भारतीय बल्लेबाज बन गए।

चौदह वर्ष के सलामी बल्लेबाज सूर्यवंशी ने 42 गेंद में 144 रन बनाए जिसमें 15 छक्के और 11 चौके शामिल थे। उन्होंने भारत के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत की बराबरी की जिन्होंने 2018 में हिमाचल प्रदेश के खिलाफ दिल्ली के लिये 32 गेंद में सैकड़ा जड़ा था। उनकी पारी के दम पर भारत ए ने 20 ओवर में चार विकेट पर 297 रन बनाये जिसमे कप्तान जितेश शर्मा के 32 गेंद में 83 रन शामिल हैं। किसी भारतीय बल्लेबाज के सबसे तेज टी20 शतक का रिकॉर्ड संयुक्त रूप से अभिषेक शर्मा और गुजरात के उर्विल पटेल के नाम हैं। दोनों ने सैयद मुश्ताक अली टी20 ट्रॉफी 2024-25 में 28 गेंद में शतक लगाया था। पिछले साल आईपीएल में पदार्पण करने वाले सूर्यवंशी ने गुजरात टाइटंस के खिलाफ राजस्थान रॉयल्स के लिये 38 गेंद में 101 रन बनाये थे। उन्होंने 35 गेंदों में शतक जमाया था जो टूर्नामेंट का दूसरा सबसे तेज शतक है।

रिकर्व तीरंदाज अंकिता और धीरज ने स्वर्ण पदक जीते

ढाका, एजेंसी

एशियाई चैंपियनशिप

भारतीय तीरंदाज अंकिता भकत ने शुक्रवार को यहां एशियाई तीरंदाजी चैंपियनशिप में पेरिस ओलंपिक की रजत पदक विजेता दक्षिण कोरिया की नाम सुहयोन को हराकर उलटफेर करते हुए स्वर्ण पदक जीता जबकि धीरज बोम्मादेवरा ने भी पुरुष रिकर्व स्पर्धा का खिताब जीत लिया। अंकिता ने पांच सेट के चुनौतीपूर्ण फाइनल में 7-3 से हराकर अपने करियर की सबसे बड़ी जीत दर्ज करते हुए महिला रिकर्व स्पर्धा जीती तो वहीं पुरुष वर्ग में धीरज ने हमवतन राहुल को फाइनल में 6-2 से हराकर पहला स्थान हासिल किया।

भारतीय दल ने अपने अभियान का समापन 10 पदकों के साथ किया जिसमें छह स्वर्ण, तीन रजत और एक कांस्य पदक शामिल रहे। इससे भारत तालिका में शीर्ष पर रहा। अंकिता ने इससे पहले सेमीफाइनल में सीनियर साथी और दुनिया की पूर्व नंबर एक तीरंदाज दीपिका कुमारी को हराया था। दोनों 5-5 से बराबरी पर थीं और शूट-ऑफ में भी दोनों तीरंदाजों ने नौ-नौ अंक बनाए। लेकिन अंकिता का तीर केंद्र के करीब था जिससे वह खिताबी मुकाबले में पहुंच गईं। अंकिता ने फाइनल में पहला सेट 29-27 से अपने नाम कर लिया। दूसरा सेट 27-27 से बराबरी पर रहा। नाम तीसरा सेट 28-26 से जीतकर बराबरी पर आ गईं। लेकिन चौथे सेट में भारतीय तीरंदाज ने शानदार वापसी की और 29-28 के शानदार प्रयास से 5-3 की बढ़त बना ली। इस भारतीय ने निर्णायक सेट में भी दमखम दिखाते हुए स्वर्ण पदक जीत लिया।

अंकिता ने इस तरह एशिया की लगातार अच्छा प्रदर्शन करने वाली तीरंदाजों में से एक के खिलाफ शानदार जीत हासिल की। भारत ने संगीता की बदौलत महिला रिकर्व का कांस्य पदक भी हासिल किया जिसमें इस तीरंदाज ने हमवतन और अनुभवी पांच बार की ओलंपियन दीपिका कुमारी को शूट-ऑफ में 6-5 से शिकस्त दी। पुरुषों के वर्ग में धीरज ने 33 वर्षीय अनुभवी जंग चैहवान को हराकर फाइनल में प्रवेश किया। फाइनल में धीरज ने पहला सेट एक अंक से गंवाने के बाद जबरदस्त वापसी की और दूसरा सेट जीतकर स्कोर 2-2 से बराबर कर दिया।

लक्ष्य सेन जापान मास्टर्स के सेमीफाइनल में पहुंचे

कुमामोतो (जापान), एजेंसी

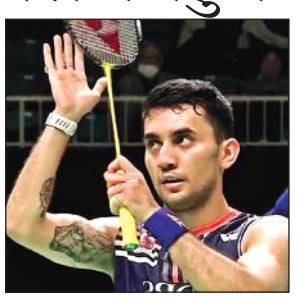

शीर्ष भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन ने शुक्रवार को पूर्व विश्व चैंपियन सिंगापुर के लोह कीन यू पर उलटफेर भरी जीत दर्ज करते हुए कुमामोटो मास्टर्स जापान के सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

राष्ट्रमंडल खेलों के चैंपियन और सातवीं वरीयता प्राप्त लक्ष्य ने 475,000 डॉलर इनामी प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए दुनिया के नौवें नंबर के खिलाड़ी लोह को 40 मिनट में 21-13, 21-17 से हराया। लक्ष्य ने दोनों खिलाड़ियों के बीच 10 मुकाबलों में सातवीं जीत के साथ अपना दबदबा कायम किया। इस साल सितंबर में हांगकांग ओपन में उपविजेता रहने के अलावा डेनमार्क और हाइलो ओपन के अंतिम आठ में पहुंचे दुनिया के 15वें नंबर के इस खिलाड़ी के सामने अंतिम चार में जापान के छठे वरीय और दुनिया के 13वें नंबर के खिलाड़ी केंटा निशिमोतो की चुनौती होगी। पिछले कुछ समय से संघर्ष कर रहे लक्ष्य ने इस दौरान अपने खेल में शानदार नियंत्रण दिखाकर दबदबा कायम किया। शुरुआती गेम में दोनों 4-4 से बराबरी पर थे, लेकिन लक्ष्य ने ब्रेक के समय 11-8 की बढ़त बना ली।

ब्रेक के बाद उन्होंने लगातार छह अंक हासिल किए और 18-9 की बढ़त बनाने के बाद आसानी से यह गेम अपने नाम कर लिया। लोह ने दूसरे गेम में अच्छी वापसी की और शुरुआत में सेन के साथ 9-9 की बराबरी पर रहे। भारतीय खिलाड़ी ने दबदबा कायम करते हुए स्कोर को 15-9 कर ली।

पहलवान पूजा ढांडा परिणय सूत्र में बंधीं

हिसार, एजेंसी

अर्जुन पुरस्कार विजेता पहलवान पूजा ढांडा ने यहां एक निजी रिसॉर्ट में विवाह के बंधन में बंध गईं। हिसार के सुंदर नगर निवासी पूजा ने बृहस्पतिवार को जिले के घिराय गांव के व्यवसायी अभिषेक बूरा से शादी की।

बुडापेस्ट में 2018 विश्व चैंपियनशिप में 57 किग्रा वर्ग में कांस्य पदक विजेता, पूजा ने 2010 युवा ओलंपिक और 2018 गोल्ड कोस्ट राष्ट्रमंडल खेलों में रजत पदक के अलावा 2014 एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप में कांस्य पदक भी जीता था। वह वर्तमान में हिसार के महावीर स्टेडियम में हरियाणा खेल विभाग में वरिष्ठ कुश्ती कोच के रूप में कार्यरत हैं। पूजा ने कहा कि वह शादी के बाद भी कुश्ती ये सक्रिय रूप से जुड़ी रहेंगी।

रोनाल्डो पर विश्व कप मैच में प्रतिबंध का खतरा

डबलिन। पुर्तगाल अगर उम्मीद के मुताबिक 2026 विश्व कप के लिए क्वालीफाई कर लेता है तो क्रिस्टियानो रोनाल्डो पर शुरुआती मैचों से प्रतिबंध लगने का खतरा मंडरा रहा है।

इस फुटबॉल सुपरस्टार को बृहस्पतिवार को डबलिन में खेले गए क्वालीफाइंग मैच के दूसरे हाफ में आयरलैंड के डिफेंडर दारा ओ'शे को कोहनी मारने के कारण मैदान से बाहर भेज दिया गया था। इस मैच में पुर्तगाल को 2-0 से हार का सामना करना पड़ा था। पुर्तगाल और आर्मेनिया के बीच रविवार को होने वाले मैच को रोनाल्डो नहीं खेल सकेंगे। इस मैच में जीत से पुर्तगाल के पास अमेरिका, कनाडा और मेक्सिको की मेजबानी में होने वाले विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने का मौका होगा।

तैयारी

तमिलनाडु में 28 नवंबर से 10 दिसंबर तक होने वाले टूर्नामेंट के लिए भारत की 20 सदस्यीय टीम घोषित

जूनियर हॉकी विश्व कप में भारतीय टीम की अगुवाई करेंगे रोहित

नई दिल्ली, एजेंसी

ड्रैग-फ्लिकर रोहित को तमिलनाडु में 28 नवंबर से 10 दिसंबर तक होने वाले एफआईएच जूनियर विश्व कप के लिए शुक्रवार को घोषित भारत की 20 सदस्यीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम का कप्तान बनाया गया। दिग्गज पीआर श्रीजेश की कोचिंग में अभ्यास कर रही भारतीय टीम को पूल बी में चिली, स्विट्जरलैंड और ओमान के साथ रखा गया है। ओमान को पाकिस्तान द्वारा सुरक्षा चिंताओं का हवाला देकर हटने के बाद विश्व कप में शामिल किया गया है।

कोच श्रीजेश ने एक विज्ञप्ति में कहा हमने काफी जांच परख कर टीम का चयन किया है। इसके अधिकांश खिलाड़ियों को इस बड़े टूर्नामेंट में खेलने का अनुभव है।

गोलकीपर : बिक्रमजीत सिंह, प्रिंसदीप सिंह। **डिफेंडर :** रोहित, आमिर अली, अनमोल एक्का, रवनीत सिंह, तालेम प्रियोबार्ता, सुनील पलाक्षप्पा बेन्नूर, शारदानंद तिवारी। **मिडफील्डर :** अंकित पाल, रोहित कुल्लू, एड्रोहित एक्का, थौनाओजाम इंगलेम्बा लुवांग, मनमीत सिंह, रोशन कुजूर। **फॉरवर्ड :** सौरभ आनंद कुशवाह, अर्शदीप सिंह, अजीत यादव, गुरजोत सिंह, दिलराज सिंह।

उन्होंने कहा चयन के मानदंडों में उनकी शारीरिक क्षमता, कौशल और टीम-प्ले शामिल थे। हमने हालांकि सबसे ज्यादा ध्यान दबाव में प्रदर्शन करने की उनकी मानसिक क्षमता पर दिया। भारतीय टीम की कमान डिफेंडर रोहित संभालेंगे, जिन्होंने हाल ही में मलेशिया में हुए सुल्तान जोहोर कप में अच्छा प्रदर्शन किया था और टीम ने रजत पदक जीता था।

बिक्रमजीत सिंह और प्रिंसदीप सिंह गोलकीपर के रूप में टीम में चुने गए हैं। भारतीय जूनियर टीम को हालांकि अरिजीत सिंह हुंदल जैसे अनुभवी खिलाड़ी की कमी खलेगी, जो कंधे की चोट के कारण विश्व कप नहीं खेल पाएंगे। श्रीजेश ने कहा जूनियर विश्व कप की तैयारी के दौरान हमें अंतरराष्ट्रीय मैचों में अच्छा अनुभव मिला है। हमने सीनियर भारतीय टीम के साथ भी कई मैच खेले हैं।

ओलंपिक पर फोकस रखें: कोच श्रीजेश

नई दिल्ली : भारतीय पुरुष जूनियर हॉकी टीम के मुख्य कोच पी आर श्रीजेश ने शुक्रवार को अपनी टीम को आगामी विश्व कप को अपने कैरियर का अहम पड़ाव समझने और अपना फोकस 2028 लॉस एंजिलिस और 2032 ब्रिसबेन ओलंपिक पर रखने की सलाह दी। चार ओलंपिक खेल चुके और तोक्यो तथा पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा रहे अनुभवी गोलकीपर श्रीजेश ने कहा कि जूनियर विश्व कप में दबाव का सामना करना और अनुभव हासिल करना युवा खिलाड़ियों के लिये सबसे बड़ा सबक होगा। श्रीजेश ने कहा जूनियर खिलाड़ियों के लिये यह उनके कैरियर का सबसे अहम पड़ाव होगा क्योंकि यहां से सीनियर स्तर के सफर की शुरूआत होती है। मैं इन खिलाड़ियों से हमेशा कहता हूं कि 2028 या 2032 का सपना देखो क्योंकि आप हमेशा जूनियर ही नहीं रहोगे। उन्होंने तमिलनाडु में 28 नवंबर से शुरू हो रहे जूनियर विश्व कप के लिये भारतीय टीम के ऐलान के बाद मीडिया से वर्चुअल बातचीत में कहा यह टूर्नामेंट उनके कैरियर के लिये मील का पत्थर होगा जहां से वे अपने सफर की शुरूआत कर सकते हैं। श्रीजेश ने कहा मैं उनसे हमेशा कहता हूं कि बड़े सपने देखो। सीनियर टीम में कई खिलाड़ी हैं जिन्होंने जूनियर विश्व कप नहीं खेला है। यह विश्व कप है और यहां से अनुभव मिलेगा।